



वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report 2018-19



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति
Indian Institute of Technology Tirupati





वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report 2018-19

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति
Indian Institute of Technology Tirupati



विषय-वस्तु

निदेशक द्वारा प्रतिवेदन	5
1. संगठन	12
1.1 अभिशासन	12
1.2 फैकल्टी प्रोफाइल	14
1.3 शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक कर्मचारी	19
2. शैक्षिक कार्यक्रम	24
2.1 छात्र आंकड़े	24
2.2 उपलब्ध वित्तीय सहायता	25
3. शैक्षिक अवसंरचना	26
3.1 शिक्षण कक्ष	26
3.2 कम्प्यूटिंग और नेटवर्क सुविधाएं	26
3.3 विज्ञान प्रयोगशालाएं	28
3.4 कार्यशाला	30
3.5 अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	31
3.6 केंद्रीय पुस्तकालय	43
4. शोध प्रकाशन और उपलब्धियां	45
4.1 शोध प्रकाशन	45
4.2 पुस्तकें और बुक अध्याय	48
4.3 सम्मेलन की कार्यवाही/प्रस्तुतियां	49
4.4 आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्यों द्वारा प्रदत्त आमंत्रित व्याख्यान	54
4.5 प्रायोजित परियोजनाएं/परामर्शदाता	59
4.6 कंसलटेंसी	61
4.7 पुरस्कार और उपलब्धियां	61
4.8 विस्तार/शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ	62
5. हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन	66
6. शैक्षिक आयोजन	69
6.1 शैक्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम	69
6.2 सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन	69

6.3 वार्तालाप/आमंत्रित वार्ताएं	71
6.4 विशिष्ट व्याख्यान शृंखला	72
6.5 संकाय सदस्यों द्वारा खाद्य प्रसंस्करण ईकाइयों का भ्रमण	72
6.6 समर इंटर्नशिप	72
<hr/>	
7. संस्थान के आयोजन	73
<hr/>	
8. कैम्पस अवसंरचना	76
8.1 अस्थायी परिसर	76
8.2 स्थायी परिसर	80
<hr/>	
9. छात्र गतिविधियां	85
9.1 तकनीकी आयोजन	85
9.2 तिरुत्सव : तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव	86
9.3 राष्ट्रीय सेवा योजना गतिविधियाँ	86
9.4 छात्र क्लब और गतिविधियां	87
9.5 खेल गतिविधियां	91
<hr/>	



निदेशक द्वारा प्रतिवेदन

13 अगस्त 2019 को आईआईटी तिरुपति के प्रथम दीक्षांत समारोह में प्रस्तुत

मुख्य अतिथि श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री आर. सुब्रह्मण्यम, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईटी तिरुपति; शासी मंडल के सभी सदस्य; सीनेट के सदस्य; अभिभावक और उनके शुभचिंतक; प्रतिष्ठित आमंत्रिती; सहकर्मी और छात्र,

मुझे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति के प्रथम दीक्षांत समारोह में आपका स्वागत करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। आज स्नातक होने वाले हमारे छात्रों को संबोधित करने और पदक प्रदान करने के लिए श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक', माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी की उपस्थिति हमारे लिए गौरवमयी है। आईआईटी तिरुपति के इतिहास में प्रथम दीक्षांत समारोह अति महत्वपूर्ण आयोजन है। इस ऐतिहासिक अवसर पर हमें यह घोषित करते हुए गर्व है कि आज कुल 103 बी.टेक. और 1 एम.एस. डिग्री प्रदान की जाएगी।

भारत सरकार द्वारा आईआईटी तिरुपति की स्थापना 5 अन्य नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ वर्ष 2014 में की गई थी। संस्थान की आधारशिला तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति इरानी द्वारा माननीय केंद्रीय मंत्री श्री एन. वैकेया नायडु और श्री सुजान चौधरी और आंध्र प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री एन. चन्द्रबाबू नायडु, आंध्र प्रदेश के माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री गंटा श्रीनिवास राव और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति में 28 मार्च, 2015 को रखी गई। आईआईटी तिरुपति, आईआईएसईआर तिरुपति और आईआईआईटी श्री सिटी के लिए समान आधारशिला में 20,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

आईआईटी तिरुपति ने अपने परामर्शदाता संस्थान आईआईटी मद्रास की सहायता से तिरुपति-रेनीगुंटा रोड, तिरुपति स्थित एक अस्थायी परिसर से 5 अगस्त, 2015 को अपना शैक्षिक कार्यक्रम आरंभ किया। अपने संचालन के चौथे वर्ष में आईआईटी तिरुपति ने येरपेड़-वैकेटगिरी राज मार्ग पर मेरलापकका गांव में स्थित अपने 530 एकड़ के स्थायी परिसर से आंशिक रूप से कार्य करना आरंभ कर दिया है। स्थायी परिसर का निर्माण जारी है और निर्माण का प्रथम चरण 2021 तक पूरा होने की संभावना है जो 1250 विद्यार्थियों तथा 120 संकाय सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। 2,500 छात्रों, 250 संकाय सदस्यों और 275 कर्मचारी सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संपूर्ण परिसर का 2024 तक निर्माण किए जाने की योजना है।

संस्थान की शुरुआत से ही हम अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की शैक्षणिक संस्थाओं और उद्योग जगत के सहयोग से पढ़ाने और अति प्रतिस्पर्धी शोध हेतु विश्व स्तर के संकाय सदस्यों की भर्ती करने में शामिल रहे हैं। नियमित भर्ती के तीन दौर में

संस्थान ने 93 संकाय सदस्यों की स्वीकृत संख्या में से 85 संकाय सदस्यों की नियुक्ति की है। हम, हमारे संस्थान में नवाचार और उद्यमिता के लिए भारत के एक अग्रणी वातावरण की स्थापना करने के लिए प्रयासरत हैं ताकि हमारे छात्रों को भर्ती करने और सहयोगी शोध के संचालन के लिए सर्वोच्च भारतीय एवं वैश्विक कंपनियों को आकर्षित किया जा सके। आईआईटी तिरुपति वैश्विक दृष्टिकोण और स्थानीय प्रासंगिकता के अपने आदर्शों के साथ देश में एक प्रमुख संस्थान बनने की ओर अग्रसर है।

मैं अब संस्थान की शुरुआत से हमारी यात्रा की कुछ झलकियां साझा करूँगा।

शैक्षिक कार्यक्रम

संस्थान ने अभियांत्रिकी की चार शाखाओं एवं नामतः सिविल यांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी.टेक. कार्यक्रमों में 106 छात्रों को प्रवेश प्रदान करते हुए 2015 में कार्य आरंभ किया। 2018 में रसायन अभियांत्रिकी में बी.टेक. कार्यक्रम आरंभ किया गया और बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश संख्या को बढ़ाकर 180 किया गया। संस्थान में शोध कार्यक्रम आरंभ करने के लिए 2017 में एम.एस. (शोध द्वारा) और पीएच.डी. कार्यक्रम आरंभ किए गए। 2018 में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी में एम.टेक. कार्यक्रम आरंभ किए गए। इस शैक्षिक वर्ष से सिविल अभियांत्रिकी और एम.एससी. (गणित तथा सांख्यिकी) की तीन शाखाओं में एम.टेक. प्रोग्राम आरंभ किए गए हैं।

मौजूदा 823 छात्र संख्या में 582 बी.टेक. छात्र, 118 एम.टेक. छात्र, 10 एम.एससी. छात्र, 32 एम.एस. और 81 पीएच.डी. शोध छात्र शामिल हैं। आईआईटी तिरुपति यह उल्लेख करते हुए गौरान्वित हैं कि इस संस्थान में सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में बी.टेक. कार्यक्रम में निरंतर सर्वाधिक महिला छात्र नामांकन (17:1) रहा है। हमें 2019 के प्रवेश में 17: छात्राओं के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किसी अधिसंख्यक सीट को भरना नहीं पड़ा।

शैक्षिक और प्रायोजित शोध

नए संस्थान की अवसंरचना संबंधी बाध्यताओं के बावजूद आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्य शैक्षिक एवं प्रायोजित शोध में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। विगत तीन वर्षों के दौरान, हमारे संकाय सदस्यों और छात्रों ने प्रख्यात राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में 100 से अधिक लेख प्रकाशित किए हैं। हमारे संकाय सदस्यों ने प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पांच पुस्तकें लिखी हैं। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में लगभग 200 शोध लेख भी प्रस्तुत किए हैं।

संकाय सदस्यों को 10.40 करोड़ रुपए की राशि की 29 प्रायोजित शोध परियोजनाएं प्रदान की गई हैं और 70 लाख रुपए की राशि के 21 औद्योगिक परामर्शी कार्य दिए गए हैं। ये परियोजनाएं मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक शोध परिषद् (सीएसआईआर), विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शोध बोर्ड (एसईआरबी), नेवल रिसर्च बोर्ड (एनआरबी), भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (इसरो), भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद् (आईसीएसएसआर) इत्यादि द्वारा वित्त-पोषित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में लगभग 20 परियोजनाएं विभिन्न प्रायोजक एजेंसियों के साथ मूल्यांकन के अधीन हैं।

संस्थान ने अंतर-विषयक शोध करने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की है:

स्मार्ट अवसंरचना; खाद्य प्रौद्योगिकी एवं सूक्ष्मता कृषि; पदार्थ एवं विनिर्माण; ऊर्जा; शिक्षा प्रौद्योगिकियां; और डिजाइन। इनकी राष्ट्र की आवश्यकताओं, स्थानीय संदर्भ और वैश्विक प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए पहचान की गई है।

हमारे संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त की गई शैक्षिक विशिष्टता

उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करते हुए हमारे संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को विभिन्न शैक्षिक विशिष्टताओं, सम्मान और पुरस्कार तथा जर्नलों के संपादकीय मंडलों की सदस्यता प्रदान की गई है। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में उल्लेखनीय निम्न हैं:

- प्राध्यापक, टी. एस. नटराजन ने शैक्षिक संस्थाओं में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में अपने उत्कृष्ट सहयोग के लिए केजी फाउंडेशन, कोयम्बटूर से प्रख्यात वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें रॉयल कैरिबियन क्रूस, मियामी, यूएसए द्वारा अमेरिकी प्रौन्नत पदार्थ सम्मेलन में वर्ष 2016 के लिए प्रतिष्ठित आईएएम वैज्ञानिक पदक से भी सम्मानित किया गया।

- प्राध्यापक, के. कृष्णा ने अभियांत्रिकी शिक्षा एवं शोध में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए वीआईटी, वैल्लोर द्वारा प्रदत्त जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें भारत रत्न श्री मोक्षगुडम विश्वैश्वरया की 158वीं जन्म जयंती तथा 51वां अभियंता दिवस के अवसर पर अभियंता संस्थान (भारत) तिरुपति अध्याय द्वारा 15 सितंबर, 2018 को एमिनेंट इंजीनियर्स अवार्ड-2018 पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. कृष्णा प्रपूर्णा बिलीगिरि को तीन वर्ष की अवधि (2018-21) के लिए रबर पेवमेंट एसोसिएशन द्वारा भारतीय गणतंत्र हेतु असफाल्ट रबर राजदूत तथा आरएआर-2018 सम्मेलन अध्यक्ष, दक्षिण अफ्रीका, 2018 के रूप में नामित किया गया है।

सम्मेलन, सतत शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रम

आईआईटी तिरुपति ने सक्रिय रूप से आउटरीच कार्यक्रम आरंभ किया है जो शिक्षकों, कार्यरत अभियंताओं और शोधकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करता है। इस संबंध में निम्नलिखित उल्लेखनीय कार्यक्रम संचालित किए गए हैं:

- अपने संचालन के प्रथम वर्ष में आईआईटी तिरुपति ने 27-29 जुलाई, 2016 को आमरा राजा बैट्रीज लिमिटेड, कृष्णातेजा एजूकेशनल इंस्टीट्यूशनल, तिरुपति नगर निगम और सदर्न यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से स्स्टेनेवल एनर्जी टेक्नोलॉजी फॉर स्मार्ट एंड क्लीन सिटीज (एसईटीएसएंडसीसी-2016) संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन आमरा राजा ऑडिटोरियम, कराकम्बडी, तिरुपति में आयोजित किया गया।
- गणित विभाग, आईआईटी तिरुपति ने क्रमशः 11-23 दिसंबर, 2017 और 10-22 दिसंबर, 2018 को 'राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड' के सहयोग से एडवांस्ड ट्रेनिंग स्कूल ऑन फंक्शनल एनालिसिस फॉर टीचर्स एंड रिसर्च स्कॉलर तथा कॉम्प्लेक्स एनालिसिस एंड कॉम्प्लेक्स डॉयनामिक्स फॉर टीचर्स एंड रिसर्च स्कॉलर के संबंध में दो कार्यशालाओं का आयोजन किया।
- आईआईटी तिरुपति ने भारतीय वैल्डिंग संस्थान (आईआईडब्ल्यू), चेन्नई अध्याय के सहयोग से 22 नवंबर, 2018 को श्री सिटी, आंध्र प्रदेश में एडवांसिस इन वैल्डिंग टेक्नोलॉजी संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विभाग ने 17 दिसंबर, 2018 को शैक्षिक लेखन एवं प्रकाशन संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. शशांक सिन्हा, वरिष्ठ संपादक, रोटलेज इंडिया और प्राध्यापक सुदर्द सुरुकई, एनआईएस, बंगलुरु ने संसाधन व्यक्ति रूप में कार्यशाला सत्रों का आयोजन किया।
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आईआईटी तिरुपति तथा टेक्सास एंडएम यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से 17-18 दिसंबर, 2018 को उद्योग 4.0 - अवसर, चुनौतियां और तैयारी संबंधी सम्मेलन का आयोजन किया। भारत तथा विदेशों के लगभग 240 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।
- आईआईटी तिरुपति ने टीआरओपी आईसीएसयू, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद् (आईएससी) की एक मौसम शिक्षा परियोजना के सहयोग से 26-27 अप्रैल, 2019 को ''पाठ्यकार्य के समक्ष मौसम शिक्षकों के लिए शैक्षिक संसाधन'' संबंधी एक प्राध्यापक विकास कार्यक्रम व कार्यशाला का आयोजन किया।
- डॉ. वनीत कश्यप, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग ने 4 अप्रैल, 2019 को एक्साफ्लूएंस प्रा. लि. तिरुपति के पदाधिकारियों के लिए ''उच्च निष्पादन टीमों का गठन'' संबंधी एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।
- ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और डीप लर्निंग (डीएल) के प्रयोग में वृद्धि को देखते हुए कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग ने 22-26 जुलाई, 2019 को शिक्षाविदों, शोध विद्वानों और उद्योग कर्मियों के लाभार्थ ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तथा मशीन लर्निंग के संबंध में एक ग्रीष्मकालीन स्कूल का आयोजन किया।
- आईआईटी और आईआईएसईआर तिरुपति ने संयुक्त रूप से 6 तथा 8 जनवरी, 2018 के बीच ''क्वान्टम कोलीजन्स एंड कंफाइनमेंट ऑफ एटॉमिक एंड मॉलीक्यूलर स्पेसेज एंड फोटोन्स'' विषयपर भारतीय परमाणिक एवं आण्विक भौतिकी सोसाइटी के सातवें टॉपिकल सम्मेलन का आयोजन किया। भारत तथा विदेशों के लगभग 125 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।
- गणित, भौतिकी, धातुकर्मी और संबंधी विषयों को शामिल करते हुए स्वयंप्रभा डीटीएच फ्री चैनलों के चैनल 18 का आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक, टी.एस. नटराजन समन्वय करते हैं।

हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

सहयोगी शैक्षिक एवं शोध कार्यकलापों का पोषण करने के लिए संस्थान ने कई विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और प्रयोगशालाओं तथा उद्योग भागीदारों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर और शैक्षिक संबंध स्थापित किए हैं। नागोका यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी जापान, टेक्सास एण्ड एम इंजीनियरिंग एक्सप्रेरीमेंट स्टेशन (टीईईएस), यूएसए और यूनिवर्सिटी ऑफ कालगोरी, कनाडा सहित अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

राष्ट्रीय शोध प्रयोगशालाओं के साथ सहयोगी शोध करने के लिए सीएसआईआर-सीआरआरआई नई दिल्ली, सीएसआईआर-एसईआरसी चेन्नई, सीएसआईआर-एनईआरआई नागपुर, सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की, सीएसआईआर-सीईईआरआई पिलानी, केंद्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई) बंगलौर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

सरकारी संगठन जिनके साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, में भूजल एवं जल ऑडिट (जीडब्ल्यूएंडडब्ल्यूए) विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार; तथा सड़क एवं भवन (आरएंडबी) विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार शामिल हैं। राज्य स्तर पर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की निगरानी के लिए आईआईटी तिरुपति, आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एपीपीसीबी) और पर्यावरण, वन एवं मौसम परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी), भारत सरकार के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

वे उद्योग भागीदार जिनके साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एनॉलोग डिवाइसिस इंडिया
- एआई तथा डाटा एनॉलिटिक्स के क्षेत्रों में सहयोग के लिए तोशिबा सॉफ्टवेयर इंडिया प्रा. लि.
- एआई में एक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए एनवीआईडीआईए ग्राफिक्स इंडिया प्रा. लि.
- उत्पाद अभियांत्रिकी और आईओटी के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना हेतु वेनोसियो / 7 आईक्यू

अवसंरचना विकास

आंध्र प्रदेश सरकार ने संस्थान के स्थायी परिसर के विकास के लिए 530.49 एकड़ भूमि प्रदान की है। यह स्थल मेरलापक्का गांव में घेरपेड़-वैंकटगिरी राज मार्ग पर स्थित हैं। यह रेल, सड़क और हवाई मार्ग से भलीभांति जुड़ा है। स्थायी परिसर तिरुपति शहर से 24 किलोमीटर, रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन से 14 किलोमीटर और तिरुपति हवाई अड्डा से 13 किलोमीटर दूर है। स्थल पर चारदीवारी का निर्माण कार्य राज्य सरकार द्वारा पूरा कर लिया गया है।

परिसर की मास्टर योजना, शैक्षिक भवनों के डिजाइन और बाह्य सेवा के डिजाइन के लिए मैसर्स सुरेश गोयल एंड एसोसिएट्स को परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया है। आवासीय भवनों और खेल सुविधाओं के डिजाइन के लिए मैसर्स आधारशिला डिजाइन प्रा. लि. को नियुक्त किया गया है।

12,000-छात्र परिसर के लिए मास्टर योजना पूरी कर ली गई हैं। इसमें एक पारगमन परिसर (जोकि स्थायी परिसर के साथ समेकित है) सहित चार जोन नामतः शैक्षिक जोन, छात्रावास जोन, आवासीय जोन और मनोरंजन जोन शामिल हैं।

मास्टर योजना की मुख्य विशिष्टताएं निम्नानुसार हैं:

- यह स्थल राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा दो भागों में बंटा हुआ है। पश्चिमी परिसर (511 एकड़) में शैक्षिक परिसर होंगे और पूर्वी परिसर (19 एकड़) में एक शोध पार्क होगा। एक अंडर पास इन दोनों परिसरों को जोड़ेगा।
- परिसर के स्मार्ट, सस्टनेबल और पदयात्री सुलभ परिसर के रूप में योजना है।
- परिसर स्थल की पारिस्थितिकीय विशिष्टताओं को बनाए रखने के लिए मौजूदा नालों और जल निकासों को बनाए रखा जा रखा है। स्थायी परिसर स्थल की पारिस्थितिकी के संरक्षण के लिए चेन्नई स्थित एक एनजीओ कैयर अर्थ ट्रस्ट द्वारा एक व्यापक इकोलोजिकल मैनेजमेंट प्लान (ईएमपी) तैयार किया गया।
- छोड़े गए पानी को इकट्ठा करने एवं भंडारण करने के लिए दो जल निकासों का निर्माण किया जा रहा है। यह परिसर के लिए लगभग तीन महीने की पानी की आपूर्ति करेगा।

- भवनों तथा अन्य सुविधाओं के स्थानों की स्थल में कटाव को न्यूनतम करने की योजना है।
- गर्भों को न्यूनतम बनाने हेतु भवनों को अभिमुख किया जा रहा है।

यह योजना बनाई गई है कि स्थायी परिसर का निर्माण चरणों में किया जाएगा। 2,500 छात्रों, 250 संकाय सदस्यों और 275 कर्मचारी सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थायी परिसर के 2024 तक निर्माण की योजना है। यह निर्माण कार्य 2 चरणों में पूरा किया जाएगा। 2021 तक पूरा किए जाने वाले चरण-1 में 1,250 छात्रों और 120 संकाय सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भवनों तथा सुविधाओं को पूरा किया जाना तथा सभी संचालन स्थायी परिसर में स्थानांतरित किया जाना अपेक्षित है। तदंतर 12,000 छात्र परिसर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 25-30 वर्ष की अवधि में विभिन्न चरणों में परिसर का विकास किया जाना अपेक्षित है।

अस्थायी परिसर

आईआईटी तिरुपति ने कृष्णा तेजा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के परिसर में तिरुपति-रेनीगुंटा रोड पर स्थित अपने अस्थायी परिसर से कार्य करना आरंभ किया। दो माह की छोटी से अवधि के भीतर ही संस्थान ने अपने अस्थायी परिसर में सभी आवश्यकता अवसंरचना सृजित की ताकि अगस्त, 2015 से शैक्षिक कार्यक्रम को आरंभ किया जाना सुनिश्चित हो सके। संस्थान ने पीईबी स्ट्रक्चर का प्रयोग करते हुए 45 दिन के रिकॉर्ड समय के भीतर अपने अस्थायी परिसर में एक रसोई-सह-भोजनशाला सुविधा की भी स्थापना की। तिरुपति में विभिन्न स्थानों पर छात्रावास चलाए गए।

पारगमन परिसर

2016 में, छात्रावास और प्रयोगशाला सुविधाओं की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थायी परिसर स्थल में एक पारगमन परिसर का निर्माण करने का निर्णय लिया गया। पारगमन परिसर जिसे स्थायी परिसर की मास्टर योजना में समेकित किया जाएगा, को फास्ट ट्रैक और स्टेनेबल निर्माण प्रौद्योगिकियों को अपनाते हुए एक वर्ष की अवधि के भीतर 36 एकड़ के क्षेत्र में निर्मित किया गया है।

पारगमन परिसर में निम्नलिखित भवन और सुविधाएं शामिल हैं:

- जी+तल के साथ पांच छात्रावास, प्रत्येक में लगभग 150 छात्रों के आवास हेतु
- एक जी+1 तल शिक्षण कक्ष परिसर 120-सीट वाले स्टूडियों टाइप शिक्षण कक्ष, 90 सीट वाले एक शिक्षण, 60 सीट वाले एक शिक्षण कक्ष, 90 सीट वाली एक कंप्यूटर विज्ञान प्रयोगशाला, एक कर्मचारी कक्ष तथा एक दो चिकित्सा कक्षों एवं चार विस्तर वाले वार्ड सहित एक स्वास्थ केंद्र सहित।
- सिविल, विद्युत तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं और कार्यशाला सुविधाओं के लिए दो प्रयोगशाला भवन।
- अनिवार्य कर्मचारियों के लिए चार अपार्टमेंटों के साथ आवासीय ब्लॉक
- एक रखरखाव कार्यालय भवन
- आउटडोर खेल सुविधाओं के साथ एक इंडोर खेल परिसर
- आधुनिक एवं स्वच्छ रसोई के साथ सुसज्जित एक बैच में 300 से व्यक्तियों के लिए एक भोजन-सह-रसोई सुविधा। 500 केवीए सब स्टेशन में सड़क की लाइट सहित बीटी सड़क।

मैं, एकत्रित लोगों को इस अवसर का लाभ यह सूचित करने के लिए उठाना चाहूंगा कि आईआईटी तिरुपति पारगमन (चरण-1ए) परिसर की परियोजना ने दो प्रतिष्ठित स्टेनेबिलिटी पुरस्कार नामतः स्टेनेबल एवं इको फ्रेंडली निर्माण सामग्री तथा प्रौद्योगिकी के डिजाइन और प्रयोग के लिए जीआरआईएच तथा हुड़को पुरस्कार प्राप्त किए हैं। संस्थान के पारगमन परिसर में भवनों का निर्माण फास्ट ट्रैक और स्टेनेबल इको फ्रेंडली निर्माण प्रौद्योगिकियों जैसे कि छात्रावासों और अपार्टमेंट भवनों के लिए प्रीफैब्रीकेटिड ग्लास फाइबर रिं-इंफोर्स्ड जिप्सम (जीएफआरजी) पैनल; प्रयोगशालाओं, भोजन सुविधा तथा इंडोर स्टेडियम में प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग स्ट्रक्चर; प्रयोगशालाओं में पॉलिस्टड कंक्रीट फ्लॉरिंग का प्रयोग करते हुए किया गया है। प्रयुक्त ऊर्जा सक्षम प्रौद्योगिकियों में शामिल रूफ-टॉप ग्रिड इंटर एक्टिव टाइप 210 केडब्ल्यू सोलर पॉवर प्लांट, छात्रावासों में 48 वोल्ट डीसी फिटिंग, सोलर वॉटर हीटर और हाई वॉल्यूम लो स्पीड (एचवीएलएस) पंखे परिसर के आसपास के वातावरण में न्यूनतम क्षति और अधिकतम स्टेनेबिलिटी प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रयुक्त किए गए हैं। एसटीपी से ट्रीटेड पानी को फ्लशिंग तथा बागवानी उद्देश्य के लिए रिसाइकिल किया जाता है।

छात्र शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियां

तिरुत्सव: तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव

आईआईटी तिरुपति का पहला तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव तिरुत्सव 2018 का मार्च, 2018 में आयोजित किया गया। दूसरा संस्करण फरवरी, 2019 में आयोजित किया गया। प्रौद्योगिकी तथा संस्कृति के तालमेल के इस उत्सव में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी में सांस्कृतिक कला में विभिन्न आयामों में आयोजन देखे गए। इसके साथ साथ जाने माने इन-फील्ड व्यक्तित्वों के व्याख्यान एवं शैक्षिक कार्यशालाएं भी इसका हिस्सा रहे। इस उत्सव में तिरुपति शहर तथा बाहर के कई संस्थानों के छात्रों की भागीदारी देखी गई।

स्पिकमेके

युवाओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य के संवर्धन के लिए आईआईटी तिरुपति स्पिकमेके अध्याय ने श्रीमती लावान्या अनंथ द्वारा भारत नाड्यम प्रस्तुति, श्री सिकिकल गुरु चरण द्वारा कर्नाटक लेक्चर प्रदर्शनी सहित प्रख्यात कलाकारों द्वारा प्रदर्शनियां आयोजित की गई। प्रख्यात विरासत शृंखला आईआईटी तिरुपति में 10 से 17 अगस्त, 2019 तक आयोजित की जा रही है जिनमें शिल्प कार्यशाला और प्रमुख कलाकारों द्वारा प्रदर्शनियों के आयोजन शामिल हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियां

आईआईटी तिरुपति के छात्र राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत छात्र विज्ञान में कक्षाओं के संचालन, नेत्रहीन स्कूलों, अनाथालयों में बच्चों के साथ कार्य करने और एनजीओ द्वारा संचालित अन्य पहलों में विभिन्न सरकारी स्कूलों का दौरा करते रहे हैं। आईआईटी तिरुपति के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए ग्रामीण क्षेत्र में काम करना एक प्रमुख गतिविधि होती हैं जिन्होने उन गांव के जीवन के स्तर में सुधार करने में सहायता प्रदान करने हेतु पांच गांवों को अपनाया है। वे विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों जैसे कि प्लस पोलियो अभियान, स्वच्छ भारत अभियान इत्यादि के संबंध में जागरूकता के प्रसार हेतु गांव में जाते रहे हैं। छात्र प्रत्येक वर्ष एसवीआईएमएस के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन करते रहे हैं।

क्लब और खेल गतिविधियां

आईआईटी तिरुपति में लगभग 14 सक्रिय क्लब और सोसाइटियां हैं जिनके तहत वे विभिन्न शिक्षणेत्तर गतिविधियों का आयोजन करते हैं। छात्र वार्षिक अंतर-आईआईटी खेल तथा अंतर-आईआईटी तकनीकी आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं। संस्थान में खेल सुविधाओं की बुनियाद के साथ हमारी इस वर्ष अंतर-आईआईटी खेल आयोजन में कुछ पदक जीतने की संभावना है।

प्लेसमेंट

स्नातक होने वाले बैच में 100 प्रतिशत छात्रों ने अत्यधिक प्रख्यात राष्ट्रीय संगठनों में इंटर्नशिप प्राप्त की। 50 से अधिक कंपनियों ने परिसर का दौरा किया और 103 छात्रों में से 75 छात्रों को कोर अभियांत्रिकी तथा आरएंडडी कंपनियों, एनॉलिटिक्स, परामर्श एवं वित्त तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में नियोजन प्राप्त हुआ तथा बाकी छात्रों ने भारत तथा विदेशों में प्रतिष्ठित संस्थाओं में उच्च शिक्षा का अध्ययन करने का विकल्प चुना।

2020 के स्नातक होने वाले बैच के लिए एक ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप अभियान का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। जिससे 100 प्रतिशत इंटर्नशिप अवसर सुनिश्चित हुआ। इस इंटर्नशिप अनुभव ने उन्हें शिक्षण कक्ष के ज्ञान को वास्तविक जगत के प्रयोग से जोड़ने का अवसर प्रदान किया।

आभार

इस संस्थान के स्तर पर प्रयास तथा समूची गतिविधियां सभी प्रतिभागियों-हमारे छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, एजेंसियों और आरएंडडी तथा परामर्शी परियोजनाओं के प्रायोजक उद्योगों, विभिन्न क्षमताओं में हमारी सहायता करने वाली अन्य संगठनों के व्यावसायिकों की संपूर्ण भागीदारी और सहायता के साथ संभव होती हैं।

विशिष्ट रूप से मैं अपने संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों का हमारे संस्थान के निर्माण में प्रदान की गई सहायता के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा। कठिन परिस्थितियों से किसी संस्थान के निर्माण में अत्यधिक श्रम और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। उन सब ने इस चुनौती का सामना किया है।

संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का निरंतर एवं सतत प्रोत्साहन एवं सहयोग के लिए आभारी है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय में मंत्रीगण, अधिकारी और कर्मचारी उन मुद्दों को हल करने के लिए सदैव तत्पर रहे हैं जिनमें हमें उनकी आवश्यकता होती है। भारत सरकार से उदार वित्त-पोषण आरंभिक अवसंरचना की स्थापना को समर्थ बनाएगा जिसकी आधारशिला पर संस्थान वृद्धि करना जारी रखेगा। हम, हमारे संस्थान में श्रीमती स्मृति इरानी, श्री प्रकाश जावडेकर और श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' सहित सभी मानव संसाधन विकास मंत्रियों की उपस्थिति से सौभाग्यशाली रहे हैं।

मैं, इस अवसर का लाभ हमारे परामर्शदाता संस्थान आईआईटी मद्रास के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए उठाना चाहूंगा जिसने संस्थान की स्थापना से हमारा मार्गदर्शन किया और सदैव अपेक्षित सहायता प्रदान करने के लिए उपस्थित रहा।

मैं आंध्र प्रदेश की सरकार का भी कई तरीकों से प्रदान की गई निरंतर सहायता के लिए आभार व्यक्त करता हूं। कलेक्टर, श्री सिद्धार्थ जैन, श्री प्रद्योमन और डॉ. एन. भारत गुप्ता की अध्यक्षता में जिला प्रशासन भूमि का आवंटन, चारदीवारी के निर्माण इत्यादि के विभिन्न मुद्दों को हल करने में सदैव सहायक रहा है।

मैं, श्री आर. सुब्रह्मण्यम, सचिव, उच्चतर शिक्षा (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) और हमारे अध्यक्ष, शासी मंडल तथा सभी बोर्ड सदस्यों का हमें नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने के लिए उनके परामर्श, सहायता तथा मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद करता हूं।

मैं, हमारे मुख्य अतिथि श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री का इस दीक्षांत समारोह की भव्यता बढ़ाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। वे हिंदी साहित्य के जगत में एक सुविख्यात व्यक्तित्व हैं। हम उनसे यह सुनने के इच्छुक हैं कि हमारे संकाय सदस्य, छात्र और पूर्व सदस्य इस महान राष्ट्र प्रयास में कैसे योगदान दे सकते हैं।

अंत में, मैं पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूं और स्नातक होने वाले सभी छात्रों की प्रसन्नता, व्यावसायिक सफलता और उनके व्यवसाय, परिवार, देश और वृहत स्तर पर समाज के प्रति सेवा के जीवन को पूरा करने की कामना करता हूं। आप एक असाधारण बैच रहे हैं और आपने भविष्य के बैचों के लिए एक बेचमार्क स्थापित किया है जिस तरह से अपने व्यवहार में परिपक्वता दर्शाते हुए आवश्यक अवसंरचना प्रदान करने में किसी नए संस्थान की कठिनाइयों को समझने का कार्य किया है। मैं, इस संस्थान के लिए महान भविष्य देखता हूं और आपको विश्वास दिलाता हूं कि जब आप अपने पुनर्मिलन के लिए वापस आएंगे तो अपनी मातृ संस्था के प्रति आपको गर्व होगा।

जय हिन्द!

प्रो. के. एन. सत्यनारायण
निदेशक

1. संगठन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अभियांत्रिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा और शोध के लिए राष्ट्रीय महत्व का स्वायत्त सांविधिक संस्थान हैं। आज देश में ऐसे 23 विशिष्ट संस्थान हैं। आईआईटी तिरुपति, आईआईटीटी इनमें से एक है। तिरुपति के पवित्र नगर में स्थित आईआईटीटी की आकांक्षा तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाला ऐसा प्रमुख संस्थान बनने की है जो सर्वोच्च स्तर तक मानवता की सेवा करे। संस्थान की अकादमिक नीतियों का निर्णय सीनेट द्वारा लिया जाता है जबकि समग्र प्रशासन और अभिशासन के लिए 'शासी मंडल' उत्तरदायी है। वित्त से संबंधित विभिन्न मामलों का प्रशासन और परामर्श वित्त समिति द्वारा किया जाता है और भवन तथा कार्य समिति संस्थान को सभी प्रमुख पूँजीगत कार्यों के निर्माण से संबंधित मामलों पर सलाह देती है। रिपोर्ट के इस अध्याय में संस्थान के संगठनात्मक ढाँचे तथा उसमें शामिल व्यक्तियों को नामों की जानकारी दी गयी है। इसके अतिरिक्त, इस अध्याय में संस्थान के शिक्षकों और कर्मचारियों के बारे में जानकारी दी गयी है।

1.1 अभिशासन

शासी मंडल

अध्यक्ष

श्री आर. सुब्रह्मण्यम, आईएस, भारत सरकार
सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय

सदस्य

प्रो. के. एन. सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति

प्रो. भास्कर राममूर्ति (11.02.2019 तक)
निदेशक, आईआईटी मद्रास

श्री एस. एस. संधु, आईएस, अपर सचिव; तकनीकी शिक्षा, एमएचआरडी

श्रीमती दर्शना मोमया डबराल, संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, एमएचआरडी

श्री प्रशांत अग्रवाल, निदेशक (11.02.2019 तक)
निदेशक, आईआईटी, एमएचआरडी

श्री जी. योगनंद (12.02.2019 से)
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मंजीरा कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड, हैदराबाद

प्रो. के. श्रीनिवासा रेड्डी (12.02.2019 से)
प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास

श्री एम. राजा महेन्द्र रेड्डी (12.02.2019 से)
प्रबंध निदेशक, मेसर्स वैकेटेश्वर, कीटनाशक और रसायन प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

प्रो. एन. एन. किशोर (12.02.2019 से)
प्रोफेसर, आईआईटी तिरुपति

डॉ. वेंकटरमन बादरला (12.02.2019 से)
एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी तिरुपति

सदस्य सचिव

श्री आदित्य नाथ दास (11.02.2019 तक)
सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार

श्री ए. वी. वी. प्रसाद (12.02.2019 से)
रजिस्ट्रार, आईआईटी तिरुपति

वित्त समिति**अध्यक्ष**

अध्यक्ष, शासी मंडल

सदस्य

निदेशक, आईआईटी तिरुपति

अपर सचिव, तकनीकी शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय या उसके प्रतिनिधि

संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय या उसके प्रतिनिधि

अधिष्ठाता, आयोजना एवं अवसंरचना, आईआईटी तिरुपति

प्रो. डेविड कोइलपिलै, आईआईटी मद्रास

सदस्य सचिव, कुलसचिव

सीनेट**अध्यक्ष**

प्रो. के. एन. सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति

सचिव

श्री ए. वी. वी. प्रसाद, कुलसचिव, आईआईटी तिरुपति

सदस्य

(संस्थान के सभी अधिष्ठाता, प्राध्यापक)

प्रो. के. कृष्णेया, प्रभारी आचार्य – अकादमिक मामले

प्रो. वी. राघवेंद्र, प्रभारी आचार्य – फैकल्टी अफेयर्स

प्रो. एन. एन. किशोर, डीन – योजना और अवसंरचना

प्रो. पी. सी. देशमुख, डीन – प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श

प्रो. टी. एस. नटराजन, डीन – अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व छात्र मामले

प्रो. ए. रघुरामराजु, प्रोफेसर, एचएसएस

ख्याति प्राप्त तीन शिक्षाविद जो**संस्थान के कर्मचारी नहीं हैं**

प्रो. जी. वेंकटरत्नम, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मद्रास

प्रो. सी. विजयन, भौतिकी विभाग, आईआईटी मद्रास

प्रो. मालथी डी., मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी मद्रास

उद्योग, आर एंड डी के व्यक्ति

श्री गाला विजय नायडू, सीईओ, मंगल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, तिरुपति

डॉ. टी. वी. सी. शर्मा, वैज्ञानिक/अभियंता-एस.जी., राष्ट्रीय वायुमंडलीय शोध प्रयोगशाला, इसरो, गडंकी, आंध्र प्रदेश

कार्यक्रम समन्वयक**(विभागाध्यक्ष)**

डॉ. आर. हरिकृष्णन, रासायनिक अभियांत्रिकी

डॉ. अभिजीत गांगुली, सिविल अभियांत्रिकी

डॉ. वैंकटरमन बादरला, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

डॉ. एस. एस. गोर्थी रामाकृष्ण, विद्युत अभियांत्रिकी

डॉ. वी. वाम्शी कृष्णा रेड्डी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

डॉ. दुर्गा प्रसाद चल्ला, गणित

डॉ. अनिल कुमार, इमाडबाथुनी, यांत्रिक अभियांत्रिकी

डॉ. कोटेश्वर राव बोमीशेट्टी, विज्ञान

संस्थान के प्राध्यापक सदस्य

डॉ. एन. वैकेया, सहायक प्राध्यापक, मैकनिकल अभियांत्रिकी

डॉ. अरुण कुमार मन्ना, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान

डॉ. प्रसन्ना वी. सम्पत, सहायक प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी

डॉ. जी. रामकृष्ण, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

डॉ. सुब्रह्मण्यम गोर्थी, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी

डॉ. एस. राजेश, सहायक प्राध्यापक, गणित

डॉ. चंद्रशेखर बाहिनिपति, सहायक प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

सहायक लाइब्रेरियन (पूर्व अधिकारी)

श्री के. के. शमीर

संस्थान के छात्र सदस्य

महासचिव

शैक्षिक कार्य सचिव

शोध कार्य सचिव

भवन और कार्य समिति

अध्यक्ष निदेशक, आईआईटी तिरुपति

सदस्य श्री संतोष राव, सीजीएम, एपीएसपीडीसीएल, तिरुपति

श्री सी. एन. सुरेश, अधीक्षक अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी

अध्यक्ष, अभियांत्रिकी इकाई, आईआईटी मद्रास

श्री एस. रामानुजन, सेवानिवृत्त निदेशक, डीसीएसईएन, डीएई, मुम्बई

गैर-सदस्य सचिव

श्री पी.पी. चौधरी, वरिष्ठ परियोजना सलाहकार (निर्माण), आईआईटी तिरुपति

1.2 फैकल्टी प्रोफाइल

आईआईटी तिरुपति ने जून, 2018 में विभिन्न विभागों के लिए भर्ती के अपने दूसरे दौर को पूरा किया और नई भर्तियों के कार्यग्रहण के साथ कुल शिक्षकों की संख्या 72 हो जाएगी। संस्थान में संकाय सदस्यों की संख्या को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए संकाय चयन का एक और दौर आरंभ किया गया है।

रासायनिक अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. के. कृष्णौया
प्राध्यापक



डॉ. आर. हरिकृष्णन
सहायक प्राध्यापक

रसायन विज्ञान

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. अरुण कुमार मन्ना
सहायक प्राध्यापक



डॉ. देबाशीष मंडल
सहायक प्राध्यापक



डॉ. राजीव बिश्वास
सहायक प्राध्यापक

सिविल अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. के.एन. सत्यनारायण
प्राध्यापक



डॉ. अभिजीत गांगुली
सह प्राध्यापक



डॉ. बी. कृष्ण प्रपूर्ण
सह प्राध्यापक



डॉ. सुरेश जैन
सह प्राध्यापक



डॉ. ए. गौरी
सहायक प्राध्यापक



डॉ. बिजली बालाकृष्णन
सहायक प्राध्यापक



डॉ. बी. जानकी रमेय्या
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एम. नित्याधरन
सहायक प्राध्यापक



डॉ. प्रसन्ना वी. सम्पत
सहायक प्राध्यापक



डॉ. रोमनबाबू ओइनम
सहायक प्राध्यापक



डॉ. रोशन श्रीवास्तव
सहायक प्राध्यापक



डॉ. शिहाबुद्दीन एम. एम.
सहायक प्राध्यापक



डॉ. बी. राधिका
इंस्पायर फैकल्टी

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. कालैसेल्वी
प्राध्यापक
राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. वेंकटरमना बी.
सह प्राध्यापक



डॉ. जी. रामाकृष्णा
सहायक प्राध्यापक



डॉ. जयनारायण टी दुड्डु
सहायक प्राध्यापक



डॉ. कालीदास येतुरु
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एस. राजा
सहायक प्राध्यापक



डॉ. श्रीधर चिमलकोंडा
सहायक प्राध्यापक



डॉ. वी. महेंद्रन
सहायक प्राध्यापक



डॉ. जी. रवि प्रकाश अय्यर
अतिथि प्राध्यापक सदस्य

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. श्रीनिवास पद्मनाभनी
मुख्य संरक्षक, तराह.एआई और
सह-संस्थापक, सिटी मंडी



डॉ. बी. यज्ञनारायण
प्रोफेसर

विद्युत अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. रामाकृष्णा साईगोर्थी
सह प्राध्यापक



डॉ. एन.एन. मूर्ति
सहायक प्राध्यापक



डॉ. के. पी. नवीन
सहायक प्राध्यापक



डॉ. पार्थजीत महोपात्रा
सहायक प्राध्यापक



डॉ. पूजा व्यवहारे
सहायक प्राध्यापक



डॉ. प्रशांत वूका
सहायक प्राध्यापक



डॉ. पी. एस. साईकृष्णा
सहायक प्राध्यापक



डॉ. सुब्रह्मण्यम गोर्थी
सहायक प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. विनेश वी.
सहायक प्राध्यापक



डॉ. विक्रम पुडी
सहायक प्राध्यापक



डॉ. बिजोय कृष्णादास
प्राध्यापक, आईआईटी मद्रास



डॉ. के.एम.एम. प्रभू
प्राध्यापक, आईआईटी मद्रास

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. ए. रघुरामराजू
प्राध्यापक



डॉ. भरत कुमार
सहायक प्राध्यापक



डॉ. चंद्र शेखर बी.
सहायक प्राध्यापक



डॉ. प्रभाशंकर द्विवेदी
सहायक प्राध्यापक



डॉ. राहुल ए. सिरोही
सहायक प्राध्यापक



डॉ. सरन्या क्षत्रिया
सहायक प्राध्यापक



डॉ. वनीत कश्यप
सहायक प्राध्यापक



डॉ. वी. वाम्शी कृष्ण रेड्डी
सहायक प्राध्यापक

गणित

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. वी. राधेंद्रा
प्राध्यापक



डॉ. अनन्या लाहिड़ी
सहायक प्राध्यापक



डॉ. दुर्गा प्रसाद चल्ला
सहायक प्राध्यापक



डॉ. ईशापथिक दास
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एम. पञ्चाकरम
सहायक प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. एस. राजेश
सहायक प्राध्यापक



डॉ. श्रीजननी अनुराग प्रसाद
सहायक प्राध्यापक



डॉ. सुमित गिरि
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एस. जी. कामथ
प्राध्यापक, आईआईटी मद्रास

यांत्रिक अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. एन. एन. किशोर
सहायक प्राध्यापक



डॉ. अनिल कुमार ई.
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एन. वेंकेय्या
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एम. रवि शंकर
सहायक प्राध्यापक



डॉ. डी. वी. किरण
सहायक प्राध्यापक



डॉ. गिरीश कुमार राजन
सहायक प्राध्यापक



डॉ. मदन मोहन ए.
सहायक प्राध्यापक



डॉ. पी. वेंकटरमन
सहायक प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. एस. बालाजी
सहायक प्राध्यापक



डॉ. श्रीराम सुंदर
सहायक प्राध्यापक



डॉ. के. एल. नारायणा
पूर्व प्राध्यापक एवं प्रधानाचार्य
एसवी यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग



डॉ. प्रसाद पटनायक
बी. एस. वी.
प्राध्यापक, आईआईटी मद्रास

भौतिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. पी. सी. देशमुख
सहायक प्राध्यापक



डॉ. टी.एस. नटराजन
प्राध्यापक



डॉ. अरिजीत शर्मा
सहायक प्राध्यापक



डॉ. बी. कोटेश्वर राव
सहायक प्राध्यापक



डॉ. रितेश कुमार गंगवार
सहायक प्राध्यापक



डॉ. रुद्र शेखर मन्ना
सहायक प्राध्यापक



डॉ. शॉन साहू
सहायक प्राध्यापक



डॉ. विनय प्रमोद माजटी
सहायक प्राध्यापक

जीवन विज्ञान

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. मौसमी बनर्जी
जीवन विज्ञान

1.3 शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक कर्मचारी

शैक्षिक कर्मचारी

आईआईटी तिरुपति ने शैक्षिक कर्मचारियों की भर्ती का दूसरा दौर वर्ष 2018 में पूरा किया। नियमित पाठ्यक्रम कार्य में प्राध्यापकों को सहायता प्रदान करने तथा प्रयोगशाला में प्रभावी रूप से प्रयोगों का संचालन करने के लिए नियमित के साथ कुछ कर्मचारियों को तदर्थ आधार पर भी नियुक्त किया गया। शैक्षिक कर्मचारियों की विभाग-वार सूची नीचे दी गई है:

रसायन विज्ञान



डॉ. एम. जगदीश
जेटीएस



डॉ. जी. सन्धासी नायडु
जेटीएस



डॉ. पी. गोपाल
प्रोजेक्ट एसोसिएट

सिविल अभियांत्रिकी



श्री एस. रुद्रपति
जेटीएस



श्री ए. प्रियांगन
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री एम. शिवनाथन
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री एम. सुनील कुमार
कनिष्ठ तकनीशियन

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी



श्री आर. नागराजन
जेटीएस



श्रीमती जे.सूजा
परियोजना अधिकारी

गणित



श्री एम. राधाकृष्णन
परियोजना अधिकारी

विद्युत अभियांत्रिकी



श्री पी. प्रभाकर राव
वरिष्ठ परियोजना सलाहकार



श्री डी. रवि कुमार
जेटीएस



श्री पी. दिनेश खन्ना
जेटीएस



श्री वाई. सूर्यवर्धन रेड्डी
जेटीएस



श्री के. होमप्रकाश
परियोजना अधिकारी



श्री के. एन. द्वारकानाथन
परियोजना अधिकारी



श्रीमती एम. अनीता
परियोजना एसोसिएट

यांत्रिक अभियांत्रिकी / कार्यशाला



श्री ए. रमेश कृष्णन
जेटीएस



श्री बी. रमेश कुमार
जेटीएस



श्री पी. दस्तगिरी
जेटीएस



श्री पी. साई चैतन्या
जेटीएस



श्री एस. वेंकटनारायण
जेटीएस



श्री के. पार्थिबन
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री के. रोहित
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री एम. रमेश
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री टी. सबरीनाथन
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री यू. बिजोय
कनिष्ठ तकनीशियन

भौतिकी



श्री विजयराज
कनिष्ठ तकनीशियन



श्री डी. वरहाला नायडू
परियोजना अधिकारी



डॉ. पी. मोहना प्रिया
जेटीएस



श्री वी. उदय कुमार
जेटीएस

गैर-शैक्षिक कर्मचारी

वर्ष 2018 में संस्थान ने गैर-शैक्षिक कर्मचारियों की भर्ती का दूसरा दौर संचालित किया। हाल ही में, इसरो और आईआईटी मद्रास के सेवानिवृत्त कर्मचारी सदस्यों को आईआईटी तिरुपति ने अनुबंध आधार पर भी भर्ती किया गया है ताकि संचालन को सुकर बनाया जा सके। इसके अतिरिक्त, कुछ कर्मचारी सदस्यों को संस्थान के प्रशासनिक कार्य में सहायता प्रदान करने के लिए तदर्थ आधार पर भी भर्ती किया गया है। 2018-19 के दौरान आईआईटी तिरुपति में सभी गैर-शैक्षिक कर्मचारी सदस्यों की अनुभाग-वार सूची निम्नलिखित हैं:

प्रशासन



श्री ए. वी. वी. प्रसाद
कुलसचिव



श्री एस.के. साहू
कुलसचिव



श्री वी. आदिनारायण
परियोजना सलाहकार



सुश्री शीला रेड्डी टी.
सहायक कुलसचिव



श्रीमती संध्या वाई.
कनिष्ठ अधीक्षक



श्री बदिरेड्डी प्रसाद
कनिष्ठ सहायक



श्री डी. वेंकटेश्वर राव
कनिष्ठ सहायक



श्री जी. रामुजी राव
कनिष्ठ सहायक



श्री एल. शंकर नायडु
कनिष्ठ सहायक



श्री मोहम्मद ईशाक
अलीखान
कनिष्ठ सहायक



श्री पी. सिधुन कुमार
कनिष्ठ सहायक



सुश्री एस इजीलारसी
परियोजना एसोसिएट



श्री वी. जी. अरूल प्रसाद
कनिष्ठ सहायक

शैक्षिक मामले



श्री एम. हरि कृष्णा रेड्डी
सहायक कुलसचिव



श्री एस.एल. प्रदीप वालन
कनिष्ठ अधीक्षक



श्री आर. लोकेश
कनिष्ठ सहायक

लेखा अनुभाग



श्री टी. सिव कुमार
परियोजना सलाहकार



श्री वाई. विजय
कनिष्ठ अधीक्षक

कंप्यूटर केंद्र



श्री एम. वेंकट रेड्डी
जेटीएस



सुश्री अश्विनी
जेटीएस



श्री टी. सेंथिल
जेटीएस



श्री जी. रमेश
वरिष्ठ परियोजना अधिकारी



श्रीमती देवी प्रशांति
परियोजना अधिकारी



सुश्री के. मानसा
परियोजना अधिकारी



श्री टी. टी. मनिगंदन
परियोजना अधिकारी

अभियांत्रिकी इकाई



श्री पी. पी. चौधरी
वरिष्ठ परियोजना सलाहकार



श्री वी. एस. डी. राजा
परियोजना सलाहकार



श्री सेंथामिल सेलवन
कनिष्ठ अभियंता



श्री चौतन्य सुब्बा रेड्डी
कनिष्ठ अभियंता



श्री मुथु करुप्पासामी
परियोजना अधिकारी



श्री जी. नारायण
परियोजना सहयोगी



श्री विनेश कुमार
परियोजना सहयोगी

स्वास्थ केंद्र



डॉ. के. वेंकट रामाराव
चिकित्सा अधिकारी



डॉ. पी. स्वेता
चिकित्सा अधिकारी



श्री जे. शेषा नायडू
स्टाफ नर्स



सुश्री पकाला नागमणि
स्टाफ नर्स

छात्रावास



श्री के.एस. जानकीरमन
वरिष्ठ परियोजना सहायक

पुस्तकालय



श्री शमीर के. के.
सहायक लाइब्रेरियन



सुश्री फातिमा अजरा फजल
जेटीएस



श्री पी. चंद्रा शिव कुमार
परियोजना सहयोगी

उद्योग संबंध



डॉ. तोरा मित्रा गांगुली
प्रमुख परियोजना अधिकारी

प्लेसमेंट



श्री पुष्पक कुमार
प्लेसमेंट अधिकारी

प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श



श्री आर. सुंदरम
वरिष्ठ परियोजना सलाहकार

क्रय अनुभाग



श्री सी. मुदुरई मुथु
परियोजना सलाहकार



श्री के. गोविंद चेट्टी
परियोजना सलाहकार



श्री ए. जयगोपाल
कनिष्ठ सहायक



श्री एस. अंजनेयुलु
कनिष्ठ सहायक

खेल



डॉ. अयप्पन आई
शारीरिक शिक्षा अधिकारी



श्री वी. वासुदेव राव
शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक



श्री अरुण एस.
वरिष्ठ परियोजना अधिकारी



श्री मानिकनंदाशिवम जी.
परियोजना अधिकारी

2. शैक्षिक कार्यक्रम

आईआईटी तिरुपति ने शैक्षिक वर्ष 2018-19 से बी.टेक. कार्यक्रम में छात्रों की प्रवेश क्षमता अभियांत्रिकी की एक अन्य शाखा नामतः रसायन अभियांत्रिकी आरंभ करते हुए 120 से बढ़ाकर 180 कर दी है। संस्थान ने मौजूदा शाखाओं की प्रवेश क्षमता में भी संशोधन किया है। अब संस्थान रसायन अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी की शाखाओं में बी.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश प्रदान करता है। संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2018-19 से यांत्रिक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी के विषयों में भी एम.टेक. कार्यक्रम भी आरंभ किया गया है। सभी तीन शाखाओं में कुल 58 छात्रों को प्रवेश दिया गया है। इसके साथ ही, शोध पर ध्यान केंद्रित करते हुए आईआईटी तिरुपति ने पिछले शैक्षिक वर्ष से अपने एम.एस. (शोध) और पीएच.डी. कार्यक्रमों में भी छात्रों को प्रवेश देना आरंभ कर दिया है। इस रिपोर्ट का मौजूदा खंड छात्रों के आंकड़े और उपलब्ध अध्येतावृत्ति के बारे में सूचना प्रदान करता है।

2.1 छात्र आंकड़े

बी.टेक कार्यक्रम

शैक्षिक वर्ष 2018-19 में 180 स्वीकृत सीटों के स्थान पर संस्थान में 171 छात्रों ने प्रवेश लिया। प्रवेश प्राप्त करने वाले कुल 171 छात्रों में से 142 लड़के और 29 लड़कियां थीं। आईआईटी तिरुपति देश में सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में इस संस्थान में पंजीकृत छात्राओं का अधिकतम प्रतिशत (17%) बनाए रखने में गर्व महसूस करता है। उन छात्रों का विवरण जिन्हें प्रवेश दिया गया है नीचे दी गई तालिका में वर्ष-वार दिया गया है:

तालिका: 2.1 संस्थान में प्रवेश लेने वाले बी.टेक छात्रों का विवरण

वर्ष	सामान्य		ओबीसी		एससी		एसटी		कुल
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	
2015	44	7	28	4	11	6	7	2	109*
2016	47	9	25	8	16	2	8	1	116**
2017	45	10	29	3	17	1	6	3	114
2018	67	14	40	8	23	5	12	2	171***

* दो प्रीपेरेटरी पाठ्यक्रम छात्रों सहित

** एक प्रीपेरेटरी पाठ्यक्रम छात्र सहित

*** दो प्रीपेरेटरी पाठ्यक्रम छात्रों सहित

एम.टेक कार्यक्रम

तालिका: 2.2: संस्थान में प्रवेश लेने वाले एम.टेक. का विवरण

वर्ष	लड़के	लड़कियां	कुल
2018	49	9	58

पीएच.डी कार्यक्रम

तालिका: 2.4: संस्थान में प्रवेश लेने वाले पीएच.डी. विद्वानों का विवरण

वर्ष	लड़के	लड़कियां	कुल
2018	23	12	35
2019	6	7	13

एमएस (शोध कार्यक्रम)

तालिका: 2.3: संस्थान में प्रवेश लेने वाले एमएस विद्वानों का विवरण

वर्ष	लड़के	लड़कियां	कुल
2017	10	1	11
2018	9	2	11
2019	1	-	1

तालिका: 2.5: संस्थान में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

कार्यक्रम	लड़के	लड़कियां	कुल
बी.टेक	411	84	495
एम.टेक.	44	9	53
एमएस (शोध)	20	3	23
पी.एच.डी	29	19	48
कुल	504	115	619

2.2 उपलब्ध वित्तीय सहायता

संस्थान में बी.टेक प्रोग्राम में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में संस्थान की योग्यता-सह-साधन (एमसीएम) छात्रवृत्ति, एससी/एसटी छात्रवृत्ति और भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार संस्थान की निःशुल्क छात्रवृत्ति (स्टूडेंटशिप) शामिल हैं। संदर्भ के लिए एक तालिका नीचे दी गई है:

तालिका 2.6: संस्थान में छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्तियों का विवरण

क्र. सं.	छात्रवृत्ति का प्रकार	छात्रवृत्ति का विवरण	छात्रों की संख्या			
			2015	2016	2017	2018
1.	उन छात्रों के लिए संस्थान की योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 4.5 लाख रुपए से कम है।	<ul style="list-style-type: none"> ■ दृश्य फीस के भुगतान से छूट ■ 1000/- रुपए प्रतिमाह 	26	29	28	42
2.	उन छात्रों के लिए संस्थान छात्रवृत्ति, जिनके अभिभावकों की आय प्रति वर्ष 4.5 लाख रुपए से कम है।	<ul style="list-style-type: none"> ■ दृश्य फीस के भुगतान से छूट 	5	10	8	4
3.	एससी/एसटी छात्रवृत्ति	<ul style="list-style-type: none"> ■ भोजनालय प्रभार में 8,000/- रुपए प्रति सेमेस्टर तक छूट ■ निःशुल्क आवास ■ 250/- रुपए प्रतिमाह पॉकेट भत्ता 	5	10	2	16

एमएस (शोध) और पीएच.डी विद्वानों के लिए उपलब्ध अध्येतावृत्ति

एम.टेक. में प्रवेश लेने वाले छात्रों को 12,400/- रुपए प्रति माह का एचटीटीए (हाफ टाइम टीचिंग असिस्टेंस) तथा एमएस (शोध) और पीएच.डी कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को क्रमशः 12,400 रुपए प्रति माह तथा 31,000/- माह की अध्येतावृत्ति दी जाती है।

3. शैक्षिक अवसंरचना

सक्षम शैक्षिक अवसंरचना का विकास करना आईआईटी तिरुपति के मुख्य उद्देश्यों में से एक रहा है। इसी क्रम में संस्थान ने आरंभ में छात्रों की आशाओं और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने अस्थायी परिसर में शिक्षण कक्षों, प्रयोगशालाओं और केंद्रीय पुस्तकालय सहित आवश्यक अवसंरचना सृजित की है। संस्थान ने स्थायी परिसर के अपने चरण-1ए भवनों का कार्य पूरा किया है जहां सभी अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं को स्थानांतरित किया गया है। स्थायी परिसर के चरण-1ए में शिक्षण कक्ष परिसर भी शामिल हैं। संस्थान के अपने अस्थायी परिसर में मूल विज्ञान के लिए दो सुस्थापित प्रयोगशालाएं भी हैं। इस रिपोर्ट का यह खंड संस्थान में सृजित केंद्रीय सुविधाओं और प्रयोगशालाओं की झलकी प्रदान करता है।

3.1 शिक्षण कक्ष

संस्थान के अस्थायी परिसर भवन में सभी आवश्यक फर्नीचर युक्त 60 सीटों वाले चार शिक्षण कक्ष, 40 सीटों वाले पांच शिक्षण और 120 सीटों वाला एक शिक्षण कक्ष मौजूद है। इसके अतिरिक्त संस्थान के पारगमन परिसर में 120 सीटों वाला एक, 90 सीटों वाला एक और 60 सीटों वाला एक और 40 सीट वाले छः शिक्षण कक्षों का भी निर्माण किया गया है। सभी शिक्षण कक्ष इंटरनेट पहुंच, प्रोजेक्टरों, स्क्रीन और ऑडियो सिस्टम के साथ डेस्कटॉप कंप्यूटरों से युक्त हैं। ध्वनि वर्धन हेतु शिक्षण कक्षों में समुचित कार्य किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के लिए 1 जीबीपीएस बैंडविथ के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग सुविधाओं सहित 120 सीटों वाला एक इलैक्ट्रॉनिक आभासी शिक्षण कक्ष भी पहले से ही इंटरेक्टिव कक्षाओं के आयोजन और अस्थायी परिसर में आमंत्रित वार्ताओं के उद्देश्य से उपयोग में है।

3.2 कम्प्यूटिंग और नेटवर्क सुविधाएं

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति ने अपने अस्थायी परिसर में दो कंप्यूटर प्रयोगशालाओं की स्थापना की है और स्थायी परिसर में एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना की है ताकि छात्र साफ्टवेयर आधारित प्रयोग और प्रोग्रामिंग कर सकें।

कंप्यूटर प्रयोगशाला-1 (अस्थायी परिसर)

कंप्यूटर प्रयोगशाला-1 21.5'' डिस्प्ले इंटेल आई5 सीपीयू, 8जीबी रैम, 1 टीबी हार्डडिस्क प्रत्येक के साथ 60 ऑल-इन-वन लेनोवो डेस्कटॉप कंप्यूटरों से युक्त है।



कंप्यूटर प्रयोगशाला-2 (अस्थायी परिसर)

कंप्यूटर प्रयोगशाला-2 (अस्थायी परिसर)

कंप्यूटर प्रयोगशाला-2 23'' डिस्प्ले, इंटेल जियोन 10-कोर 128जीबी रैम, 4-टीबी एचडीडी, आईटीबी एसएसडी और 4 एनवीआईडीआई 2080 टीआई 1जीबी जीपीयू कार्ड प्रत्येक के साथ सुसज्जित 26 जीपीयू वर्क स्टेशनों से युक्त है।

कंप्यूटर प्रयोगशाला-3 (स्थायी परिसर)

कंप्यूटर प्रयोगशाला-3 23.8'' डिस्प्ले, 6-कोर आई7 सीपीयू, 8जीबी रैम, 256जीबी एसएसडी और एनवीआईडीआईए 2जीबी जीपीयू कार्ड प्रत्येक के साथ 65 डेल ऑल-इन-कंप्यूटरों से युक्त है।



कंप्यूटर प्रयोगशाला - 3 की एक झलक

संस्थान की सर्वर सुविधा (अस्थायी परिसर)

संस्थान में चार रैक सर्वर और दो ब्लेड सर्वर हैं जिनका उपयोग संस्थान की बेवसाइट को होस्ट करने, एलडीएपी प्रमाणन और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए मूँड़ल ओपन सोर्स एप्लीकेशन के लिए किया जाता है। इन सर्वरों को विवरण नीचे दिया गया है:

- एचपी सर्वर (3) प्रत्येक सर्वर ई5 इंटेल जियॉन 24 कोर सीपीयू, 256 जीबी रैम, 20 टीबी की कॉमन एसएएन स्टोरेज के साथ
- जीपीयू आधारित एचपी सर्वर (1) ई5 इंटेल जियॉन 24-कोर सीपीयू, 256 जीबी रैम, 32 जीबी एनवीआईडीआईए टेस्ला जीपीयू कार्ड सहित
- आईबीएम सर्वर-एम4 इंटेल जियॉन 12 कोर सीपीयू, 10 टीबी स्टोरेज के साथ 128 जीबी रैम
- लेनोवो ब्लेड सर्वर- एम5 इंटेल जियॉन 12-कोर सीपीयू, 600 स्टोरेज के साथ 64 जीबी रैम

इंटरनेट सर्वर सुविधा (स्थायी परिसर)

इंटीग्रेटिड मॉड्यूलर कूलिंग, यूपीएस बैकअप और अग्रि शमन प्रणाली के साथ 40 केडल्यू मॉड्यूलर स्मार्ट रैक सिस्टम की हमारी सर्वर और एचपीसीसी सिस्टम के लिए स्थायी परिसर सर्वर सुविधा की स्थापना की जा रही है।

उपलब्ध साफ्टवेयर

संस्थान ने शैक्षिक और शोध उद्देश्यों के लिए अपेक्षित साफ्टवेयर के अधिकार और लाइसेंस खरीदें हैं।

- वचुर्अल एनवीआईडीआईए जीपीयू लाइसेंस के साथ वीएम वेयर ईएसएक्सआई6.5 स्टैडर्ड
- कास्पर्स्की एंटीवायरस
- माइक्रोसाफ्ट ऑफिस 2016
- ऑटोकैड 2016 (ईवीयू) (अनलिमिटेड)
- सीरो एस/डब्ल्यू
- मैटलेब 2018ए (अनलिमिटेड)
- सीओएमएसओएल
- ओरकेड सीमेटिक कैप्चर और पीएसपीआईसीई
- ओरकेड पीसीवी और ऑटो रूटिंग साफ्टवेयर
- वीवाडो एस/डब्ल्यू

- सिमुलिया अबेकस साफ्टवेयर
- एनसिस
- बैंटले
- अडोब
- चैम ड्रा प्रोफेशनल
- मैस्ट्रेक
- जियो स्टूडियो 2018
- विंडोज सर्वर लाइसेंस
- विंडोज यूजर कॉल लाइसेंस
- विंडोज आरडीबी लाइसेंस
- टर्निटिन

इंटरनेट सुविधाएं

संस्थान में वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ एक समर्पित उच्च गति 1 जीबीपीएस इंटरनेट कनेक्शन है। आईआईटी तिरुपति का शैक्षिक परिसर पूरी तरह से नेटवर्क के साथ जुड़ा हुआ है और शैक्षिक भवनों को अतिथि गृह के साथ तथा उस क्षेत्र में स्थित छात्रावासों के साथ जोड़ने के लिए प्वाइंट-टू-प्वाइंट आरएफ का प्रयोग करता है। दोनों परिसर (अस्थायी और स्थायी) एक 600एमबीपीएस लीज्ड लाइन पी2पी फाइबर लिंक के जरिए जुड़ी हैं।

3.3 विज्ञान प्रयोगशालाएं

अवर स्नातक छात्रों और पीएच.डी विद्वानों के लिए अस्थायी परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ भौतिकी और रसायन प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। वर्ष 2018-19 के दौरान प्रयोगशालाएं प्रयोगों के लिए जोड़े गए कुछ महत्वपूर्ण उपकरणों के साथ अधिक रूप से सुसज्जित हुई। परिसर में विज्ञान प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है:

रसायन प्रयोगशाला

अवर स्नातक रसायन प्रयोगशाला की स्थापना जनवरी, 2016 में की गई थी। यह अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त है। रसायन प्रयोगशाला में प्रयोग छात्रों को रसायन विज्ञान और अभियांत्रिकी के विविध क्षेत्रों से परिचित कराने के लिए तैयार किए गए हैं। कुछ मौजूदा प्रयोग नीचे सूचीबद्ध किये गये हैं:

- जटिल मैट्रिक टाइट्रेशन का प्रयोग करते हुए पास-पड़ोस से एकत्रित किये गय जल नमूनों की स्थायी और अस्थायी कठोरता का निर्धारण
- एस्परिन मॉलीक्यूल का प्रयोगशाला सिंथेसिस
- चाय की पत्तियों से कैफिन निकालना
- कंडक्ट मैट्रिक टाइट्रेशन का प्रयोग करते हुए फल के जूस (साइट्रिक एसिड) घोल की एसिड क्षमता का निर्धारण
- कोलोरी मीटर का प्रयोग करते हुए एलॉय में धातु का आकलन : पीतल में तांबे की मात्रा

रसायन प्रयोगशाला में उपलब्ध प्रमुख उपकरण निम्नानुसार हैं:

• बैंच टॉप कंडक्टीविटी मीटर
• बैंच टॉप पीएच मीटर
• डिस्टिल्ड जल संयंत्र -4 लीटर क्षमता
• डिजिटल कोलोरीमीटर
• हॉट प्लेट -8 इंच-डायामीटर
• मेलिंग प्वाइंट अपरेटर्स
• वाटर बाथ - 6 होल
• आइस फ्लेक मशीन

• हॉट प्लेट के साथ चुंबकीय उत्तेजक (1 लीटर क्षमता)
• प्रेसिजन गोल्ड बैलेंस
• एनालिटिकल बैलेंस
• रोटरी वैक्यूम पम्प-300 एलपीएम
• यूवी फिल्टर के साथ-यूवी
• हीट गन
• हॉट एयर
• ऑयल फ्री पोर्टेबल वैक्यूम पम्प



रसायन प्रयोगशाला की झलक

भौतिकी प्रयोगशाला



भौतिकी प्रयोगशाला की एक झलक

भौतिक प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण:

- कम्पाउंड पेंडलम विथ एसेसरीज़ (पांच सेट)
- अल्ट्रासोनिक इंटरफेरोमीटर (पांच सेट)
- स्टीफन कॉन्स्टेंट प्राप्त करने के लिए प्रायोगिक सेटअप (पांच सेट)
- न्यूटन रिंग्स एक्सपरिमेंट (छह सेट)
- डिफरेक्शन ग्रेटिंग के साथ स्पेक्ट्रोमीटर (छह सेट)
- इलेक्ट्रोड कॉन्फिगरेशन के साथ इक्विपोटेशियल लाइनों की मैपिंग (पांच सेट)
- डिजिटल ऑसिलोस्कोप (छह सेट)
- उपस्कर्तरों के साथ हॉल इफेक्ट एप्परेटस (पांच सेट)
- प्लांक कॉन्स्टेंट यूजिंग एलईडी (पांच सेट)
- मैट लेबोरेट्री का प्रयोग करते हुए सिमुलेशन प्रयोगशाला (10 सेट)
- फोर्ब्स मैथड एपैट्रटस
- डिजिटल टाइमर के साथ लिनियर एयर ट्रैक (एक)
- टाईमिंग कारप्लेन रैंपउपस्करइंक्लाइंड प्लेन एस्सेसरी क्रॉड रैंप (एक)
- कंडक्टीविटी के माप हेतु चार प्रोब मैथड (चार सेट)
- तनाव माप के लिए स्ट्रेन-गेज (चार सेट)

भौतिकी प्रयोगशाला को संस्थान की शुरुआत के साथ आरंभ किया गया था। इसे 10 डेस्कटॉप पीसी, और इंटेल आई3 सीपीयू, 4 जीबी रैम तथा 500 जीबी हार्ड डिस्क के साथ 20 बाह्य मॉनीटरों के साथ प्रोन्नत किया गया। इस प्रयोगशाला में अवर स्नातक स्तर पर लगभग 10 प्रयोगों के संचालन हेतु अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, और इसमें इस क्षेत्र में शोध के संचालन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त उपकरण भी हैं।



इसके अतिरिक्त यह प्रयोगशाला अधिक प्रभावी रूप से प्रयोग करने के लिए कुछ सेमिनल उपकरणों से युक्त है। नीचे कुछ उपकरण दिये गये हैं जो अपनी प्रभाविता के रूप में प्रयोगशाला के निष्पादन में वृद्धि करते हैं:

कार्बोलाइट जीरोयूके ट्यूब फर्नेस (मॉडलजीएचए 12/600)

सिंगल जोन (जीएचए) के साथ कार्बोलाइट जीरोटुबुलर फर्नेस की भौतिकी प्रयोगशाला में इस वर्ष स्थापना की गई है। इसका प्रयोग करते हुए 1200 डिग्री सी तक के ईष्टतम ताप तक और विभिन्न वातावरण जैसे कि वैक्यूम, गैस फ्लो (ओ₂, एआर, एन2) इत्यादि में बड़ी मात्रा में सामग्रियों को सिथेसाइज किया जा सकता है। एक अतिरिक्त क्वार्ट्ज ट्यूब उपलब्ध है जिसका उच्च वैक्यूम में सामग्रियां तैयार करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। एक रोटेरी वैन पम्प भी उपलब्ध है जिसे 10⁻² एम बार तक वैक्यूम सृजित करने के लिए जोड़ा जा सकता है। एकरूपता में वृद्धि करने के लिए हीट लॉस रोकने हेतु इंसुलेशन प्लग और रेडियेशन शील्ड उपलब्ध हैं।

नैनो-आरईवीटीएम: एक टेबल डेस्कटॉप स्कैनिंग और टनलिंग माइक्रोस्कोप (एसटीएम):

स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप (एसटीएम) आण्विक स्तर पर सतह की इमेजिंग के लिए एक प्रयोगात्मक उपरकण है। एसटीएम मात्रात्मक यांत्रिकी जैसे कि मात्रात्मक टनलिंग के

सिद्धांत पर कार्य करता है। जब कोई कंडक्टिंग टिप नमूने की सतह के काफी नजदीक लायी जाती है तो टिप और सतह के बीच लागू वोल्टेज अंतर उनके बीच हवा के माध्यम से टनल में इलैक्ट्रान की अनुमति दे सकता है। परिणामी टनलिंग करंट टिप स्थिति, लागू वोल्टेज और नमूने की स्थिति के स्थानीय घनत्व (एलडीओएस) का कार्य है। सतह पर टिप की स्थिति के स्कैन के रूप में करंट की निगरानी द्वारा सूचना प्राप्त की जाती है और आम तौर पर इसे इमेज रूप में दर्शाया जाता है। नैनो-आरईवीटीएम एक स्कैनिंग और टनलिंग माइक्रोस्कोप (एसटीएम) है जो टेबल डेस्कटॉप होता है जो व्यापक वायु परिस्थितियों में कार्य करता है। यह सरलता से प्रयोग और उच्च स्तर के मिश्रण के शानदार सम्मिश्रण में आता है जो इसे आरंभकर्ताओं के लिए और माइक्रोस्कोपी अन्वेषण के क्षेत्र में विशेषज्ञों दोनों के लिए उपयोग हेतु तैयार उपकरण बनाता है।

डिजिटल अल्ट्रासोनिक क्लीनर

अल्ट्रासोनिक क्लीनिंग – सतहों में प्रयुक्त लूजिनिंग पार्टिकल, तरल माध्यम में ठोस नमूनों के विघटन में प्रयोग होने वाला तंत्र सोनीकेशन है। सोनीकेशन का आमतौर पर तरल में नैनो पार्टिकल के विघटन के लिए नैनो टेक्नोलॉजी में प्रयोग किया जाता है। अतिरिक्त रूप से इसका माइक्रो आकार के कोलीडल पार्टिकल के समेकन में प्रयोग किया जाता है। इसकी डिजिटल टाइमर और हीटर के साथ लगभग 6 लीटर की टैंक क्षमता होती है।



डिजिटल अल्ट्रासोनिक क्लीनर

इलैक्ट्रो स्पिनिंग इंस्ट्रमेंट (स्पिन नैनो)

इलैक्ट्रो स्पिनिंग अपरेटर्स भौतिकी प्रयोगशाला का एक मुख्य उपकरण है जो पॉलिमर तथा मैटल आक्साइड के नैनो फाइबर तैयार करने में सक्षम है। इस उपकरण से तैयार किए गए नैनो फाइब्रस मेम्ब्रेन इनफिल्ट्रेशन, टिशु इंजीनियरिंग, ड्रग डिलिवरी सिस्टम, कैटालिस्ट, डाई-सेंसिटाइज़्ड सौलर सेल, बैटरी सेपरेटर इत्यादि जैसे विविध क्षेत्रों में उपयोगी हैं। प्रो. टी. एस. नटराजन, भौतिकी प्राध्यापक, आईआईटी तिरुपति जिन्होंने इस राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता इलैक्ट्रो स्पिनिंग यंत्र का अविष्कार किया (आईआईटी मद्रास में सेवारत होते हुए) आईआईटी तिरुपति में नैनो फाईबर संबंधी शोध में सक्रिय रूप से शामिल हैं।



इलैक्ट्रो स्पिनिंग अपरेटर्स के कार्यकरण के बारे में जानकारी देती हुयी अनुदेशिका

3.4 कार्यशाला

बी.टेक. कार्यक्रम के पहले वर्ष में सभी अभियांत्रिकी शाखाओं के लिए कार्यशाला प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन केंद्रीय कार्यशाला में किया जाता है। आईआईटी तिरुपति की केंद्रीय कार्यशाला में नवीन एवं अत्याधुनिक उपकरण हैं। न्यूमेटिक एवं हाइड्रोलिक्स प्रशिक्षण किट, वेल्डिंग सेमूलेटर, गैस सकिंग यूनिट सहित वेल्डिंग मशीन, फिटिंग, कारपेंटरी, सीट मेटल, लेथ, मिलिंग, ड्रीलिंग, शेयरिंग, बैंड-शॉ और पॉवर-शॉ इत्यादि सहित विभिन्न उपकरण इसमें मौजूद हैं। छात्र न केवल वेल्डिंग के प्रयोग करते हैं बल्कि वास्तविक रूप से उन्हें



करने से पहले वैलिंग सिमूलेशन भी सीखते हैं। प्रायर हैंड हैल्ड सिमूलेशन छात्रों को वास्तविक वैलिंग के दौरान आत्म-विश्वास और सटीकता प्रदान करता है। हम वैलिंग की प्रक्रिया के दौरान पर्यावरण के पहलुओं को भी ध्यान में रखते हैं। अतः, हमारी अत्याधुनिक वैलिंग मशीन गैस और धूल सोखने के प्रावधान से युक्त हैं। अतः हमारी नवीनतम वैलिंग उपकरण छात्रों को किसी भी प्रकार की वैलिंग की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली अवंछनीय गैस से बचाते हैं।

यह कार्यशाला कारपेंटरी का कार्य करने वाले प्रत्येक छात्र को लकड़ी की धूल से बचाव के लिए व्यक्तिगत मॉस्क प्रदान करती है। कार्यशाला मशीन के प्रयोग करने वाले सभी छात्रों को उपयुक्त सुरक्षा गैजेट भी प्रदान करती है। यह कार्यशाला के दौरान प्रत्येक छात्र की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

3.5 अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति में अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं के लिए विभिन्न विषयों के प्राध्यापक सदस्य अपने संबंधित विषयों के लिए प्रयोगशाला सुविधाएं विकसित करने में तन्मयता से शामिल हैं। 2018-19 के दौरान विकसित की गई अथवा विकसित की जा रही प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है:

1. सिविल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

सिविल अभियांत्रिकी प्रयोगशालाएं हमारे स्थायी परिसर, येरपेडू में लैब-1 ब्लॉक में स्थित हैं। यह प्रयोगशाला 5400 वर्ग फीट आकार की हैं जिसमें यूजी/पीजी प्रयोगशाला कक्षाओं के लिए तथा उच्च गुणवत्तापरक शोध हेतु सुविधाएं मौजूद हैं। वर्तमान में निम्नलिखित प्रमुख प्रयोगशाला सुविधाएं हैं:

1. स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
2. परिवहन प्रयोगशाला
3. भवन निर्माण सामग्री प्रयोगशाला
4. जियोतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
5. पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
6. हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
7. सर्वेक्षण प्रयोगशाला

1.1 स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति में स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में शोध उद्देश्यों के लिए प्रौन्नत उपकरणों के साथ-साथ अवर स्नातक शिक्षा हेतु अत्याधुनिक टेबल टॉप उपकरण शामिल हैं। यूजी प्रयोगशाला में उपकरण सुविधाएं छात्रों को सामग्री के तंत्र से संबंधित मूलभूत दृष्टिकोण को समझने में सुविधा प्रदान करती हैं। स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला का एक परिदृश्य चित्र में दिया गया है।

उपलब्ध उपकरणों की सूची नीचे दी गई है।

- थिन वॉल्ड सिलेंडर में तनाव विश्लेषण
- स्ट्रट का बॉकिंग विहेवियर
- सीधे बीम का विरूपण
- बैंडिंग अथवा टोरीजन के तहत बार का विरूपण
- बीम में बैंडिंग स्ट्रेस
- टैंशन टेस्टिंग मशीन
- स्ट्रेटिकली इंडिटरमिनेट बीम का विश्लेषण
- संस्पेशन ब्रिज का विश्लेषण
- थी हिंज्ड आर्क
- बीम का अनसिमिट्रिकल बैंडिंग
- फैंडुलम इम्पेक्ट टेस्टर



टेबल टॉप स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला का दृश्य

प्रयोगशाला में उपलब्ध अन्य प्रमुख शोध उपकरण निम्नानुसार हैं:

- प्लास्टिक, इलास्टोमर्स, स्टील, एल्युमिनियम, एलॉय सहित सामग्रियों की श्रेणी के अध्ययन हेतु क्रॉस हैड माउंटिंग एक्चूएटर यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन सहित एमटीएम-100के॑न सर्वो हाइड्रोलिक फटीग रेटिंग लोड फ्रेम तथा नीचे दिए गए परीक्षणों की श्रेणी के लिए और अधिक उपकरण
 - मौनोटोनिक (टेनसाइल/कंप्रेसिव) लोडिंग
 - रिवर्स्ड साइक्लिक टेस्ट
 - फटीग टेस्ट (लो साइकल एवं हाई साइकल), फ्रैक्चर टफनेस एंड क्रेक प्रोपोगेशन अध्ययन
 - तीन/चार प्वाइंट बैंडिंग परीक्षण
- डाटा अर्जन प्रणाली (डीएक्यू) और डिस्प्लेसमेंट ट्रांसड्यूसर
 - स्ट्रेन गैज के लिए 16 चैनल डीएक्यू सिस्टम (एचबीएम मैक) - 1
 - 8 चैनल यूनिवर्सल डीएक्यू सिस्टम (एचबीएम मैक) - 2
 - लीनियर वैरीएबल डिस्प्लेसमेंट ट्रांसड्यूसर (एचबीएम मैक)

- 0-20 (4), 0-50एमएम (2 छवे), 0-100 एमएण (1)
- स्ट्रेन गैज स्टार्टर हिट और इंस्टालेशन किट - 1

- मोनोटोनिक और साइक्लिंग लोडिंग के तहत टेस्टिंग फिल्म, फाइबर और कंपोजिट के लिए लोड फ्रेम के साथ 5के॑न क्षमता का जिविक रॉयल इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्चूएटर



100के॑न यूटीएम और डीएक्यू सिस्टम के साथ प्रयोगशाला का दृश्य

1.2 परिवहन अभियांत्रिकी: प्रौन्नत पेवमेंट प्रणाली (एपीएस) प्रयोगशाला

वर्तमान में आईआईटी तिरुपति में प्रौन्नत पेवमेंट प्रणाली (एपीएस) प्रयोगशाला स्थायी परिसर में अत्याधुनिक स्टेनेबल भवन में स्थित है। इस प्रयोगशाला में उपकरण अवर स्नातक शिक्षण और साथ ही स्नातकोत्तर एवं डॉक्टोरल शोध गतिविधियों की स्टेनेबल परिवहन अवसंरचना और साथ ही पेवमेंट/सामग्री के क्षेत्र में अनुमति प्रदान करती है। यह एपीएस प्रयोगशाला दो मुख्य वर्गों में बांटी गई है जैसा कि नीचे दिया गया है:

अत्याधुनिक उपकरणों तथा उपस्करणों का विवरण प्रत्येक शीर्ष के अंतर्गत नीचे दिया गया है:

- असफाल्ट बाइंडर करेक्ट्राइजेशन उपकरण
सेमी-ऑटोमेटिड पैनेट्रोमीटर, रिंग एंड बाल अपरेटर्स, डिक्टिलोमीटर, रोटेशनल विस्कोमीटर, डायनामिक सियर रियोमीटर तथा प्रेसर एंजिंग वेसल
- असफाल्ट कंक्रीट एवं सीमेंट कंक्रीट मिक्सचर करेक्ट्राइजेशन एक्यूपमेंट
असफाल्ट मिक्सचर, पेन मिक्सचर, मार्शल कामपेक्टर, मार्शल स्टाबिलोमीटर तथा वेक्यूम पाइक्नोमीटर, सुपरपेव गैराटोरी कामपेक्टर, लॉस एंजेल्स एबार्सियन टेस्ट:

उपलब्ध प्रमुख शोध सुविधाएं:

यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन अथवा डायनामिक टेस्टिंग सिस्टम: यह अत्याधुनिक उपकरण और कई संबद्ध उपस्कर विभिन्न पेवमेंट सामग्रियों के वर्गीकरण में सक्षम होते हैं जैसे कि असफाल्ट कंक्रीट, प्रीवियस कंक्रीट, सॉयल, अन्वाउंड ग्रेनुअल मैटीरियल, फाइबर और प्लास्टिक। इस मशीन में एक कंप्यूटर प्रोग्राम योग्य नियंत्रण इकाई और साथ ही 16-चैनल डाटा अर्जन नियंत्रण प्रणाली मौजूद है जो किसी चैनल में किसी ट्रांसड्यूशर के प्रयोग के लिए लोचशील है जो कि पॉवर अप पर स्वाचालित रूप से कैलीब्रेटिड है।

इस प्रणाली के भीतर निम्नलिखित परीक्षण कान्फीगुरेशन उपलब्ध है (चित्र):

- यूनीएक्सीएल साइक्लिक कंप्रेशन
- इंडायरेक्ट टेंसाइल मॉड्यूलस, क्रीप कम्प्लाइंस, एंड स्ट्रेंथ
- इंडायरेक्ट टेंसाइल फटीग

- असफाल्ट कंक्रीट और लो स्ट्रेंथ सीमेंट कंक्रीट दोनों पर चार-प्वाइंट बैंडिंग
- डायनामिक मॉड्यूलस
- रेजीलेंट मॉड्यूलस
- द्राइएक्सियल टेस्ट
- सेमी-सर्कुलर बैंडिंग

एपीएस प्रयोगशाला में कुछ उपकरणों का संग्रह चित्र में दर्शाया गया है



आईआईटी तिरुपति में प्रौन्त ऐवमेंट प्रयोगशाला में उपकरण

- रोटेशनल विस्कोमीटर
- मार्शल स्टेबिलमीटर
- असफाल्ट मिक्सचर
- मार्शल कम्पेक्टर
- सॉफ्टनिंग प्वाइंट अपरेटर्स
- पेनेट्रोमीटर
- यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन 30केएन क्षमता
- डस्टिलोमीटर
- डायनामिक शियर रियोमीटर
- प्रेसर एंजिंग वेसल
- लॉस ऐजिल एबरेशन टेस्टिंग मशीन

1.3 भवन निर्माण सामग्री प्रयोगशाला

भवन निर्माण सामग्री और इसके घटकों के संबंध में प्रयोगात्मक अध्ययन का मुख्य उद्देश्य गुणवत्ता नियंत्रण और विनिर्देशनों का अनुपाच्छ सुकर बनाना है। ये अध्ययन भवन निर्माण सामग्रियों की भौतिक और यांत्रिक विशिष्टताओं का पता लगाने के लिए परीक्षण पद्धति के संबंध में जानकारी प्रदान करते हैं जैसे कि सीमेंट, कोर्स और फाइन एग्रीगेट, वेट एंड हार्क्टन कंक्रीट, ईट और टाइल इत्यादि जैसे कंक्रीटों के घटकों के लिए जानकारी प्रदान करते हैं।

यह प्रयोगशाला निम्नलिखित प्रमुख उपकरणों से सुसज्जित हैं:

- 2000 के एन लोड कंट्रोल्ड कम्प्रेशन टेस्टिंग मशीन (सीटीएम)
- वी बी कंसिस्टोमीटर, फ्लो टेबल, कम्पेक्शन फेक्टर अपरेट्रस, स्लम्प कोन
- पाइकनोमीटर और सिलिंड्रिकल मेटल मैजर
- सीमेंटर मोरटार वाइब्रेटर, टेबल वाइब्रेटर और पोकर वाइब्रेटर
- पैन टाइप कंक्रीट मिक्सर 130 लीटर क्षमता और ड्रम टाइप कंक्रीट मिक्सचर 60 लीटर क्षमता



2000 के एन लोड कंट्रोल्ड कम्प्रेशन टेस्टिंग मशीन

प्रयोगशाला में निष्पादित प्रयोगात्मक अध्ययनों को निम्न में वर्णित किया गया है:

- **सीमेंट पर परीक्षण:** सामान्य निरंतरता; आरंभिक और अंतिम सेटिंग समय; विशिष्ट ग्रेविटी; साउंडनेस; फिटनेश; सीमेंट क्यूब की कम्प्रेशिव मजबूती
- **कोर्स एकीकरण परीक्षण:** विशिष्ट ग्रेविटी; बल्क डेनसिटी; इम्पेक्ट वैल्यू; अबरेशन वैल्यू; क्रसिंग वैल्यू
- **फाइन समेकन परीक्षण:** विशिष्ट ग्रेविटी; बल्क डेनसिटी; पार्टिकल साइज डिस्ट्रीब्यूशन
- **नए और ठोस कंक्रीट पर परीक्षण:** स्लम्प टेस्ट; कम्पेक्शन फैक्टर टेस्ट; फ्लो टेबल टेस्ट; वी बी कंसिस्टोमीटर टेस्ट; कंक्रीट क्यूब और सिलेंडर का कम्प्रेशिव मजबूती; स्पिलिट टेंसाइल स्ट्रैंथ; मॉड्यूलस ऑफ रप्चर
- **ईटों पर परीक्षण:** कम्प्रेशिव मजबूती; जल सोखन; वारपेज; इफोरसेंस; डायमेंशनल टॉलरेंस
- **टॉयल पर परीक्षण:** टॉयलों का ट्रांसवर्स स्ट्रैंथ; टॉयलों की वियर रजिस्टेंस

1.4 जियोतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति में जियोतकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला अवर स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए स्टेटिक एवं सिस्मिक लोडिंग परिस्थितियों की भौतिक, हाइड्रोलिक और यांत्रिक विशिष्टताओं के वर्गीकरण हेतु मूल एवं अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। मूल उपकरणों के अतिरिक्त यह प्रयोगशाला शोध उद्देश्यों के लिए प्रौन्नत परीक्षण सुविधाओं के साथ भी पूर्णतः सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला की सुविधाएं सिविल अभियांत्रिकी के छात्रों को वास्तविक जीवन की जियो अभियांत्रिकी और जियो हैजार्ड से संबंधित मुद्दों के हल प्रदान करने में उद्योग जगत की आवश्यकता को पूरा करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें तैयार करने की प्रेरणा के साथ सुजित की गई हैं।



स्वचालित डायरेक्ट शियर अपरेटर्स

3-गैंग ओडोमीटर सेटअप

1.5 पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति में पर्यावरण अभियांत्रिकी कार्यक्रम व्यावसायिक पर्यावरण अभियंता बनने के लिए अपेक्षित मुख्य कौशलों की जानकारी देने के लिए तैयार किया गया है। अवर स्नातक और स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम बेहतर समझ और वास्तविक जीवन के पर्यावरण संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए छात्रों को प्रायोगिक अनुभव प्रदान करने और जानकारी से सुसज्जित करने के लिए मजबूत विषय-वस्तु के साथ तैयार किए गए हैं। यह प्रयोगशाला प्रौन्नत जल, अपशिष्ट जल और वायु गुणवत्ता विश्लेषण के निष्पादन हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। संकाय सदस्यों और छात्रों की टीम शोध एवं विकास के प्रति समर्पित हैं और वे विविध उद्योग तथा सामाजिक रूप से संगत पर्यावरण संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए अभियांत्रिकी हल प्रदान करते हैं।

- प्रौन्नत इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा
- वायु एवं जल गुणवत्ता प्रयोगशाला
- माइक्रोबॉयलॉजी प्रयोगशाला

प्रमुख विश्लेषणात्मक इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाएं

- यूवी/वीआईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- फ्लूरोसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- इंडिक्टिविली कप्ल्ड प्लाज्मा मास स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपी-एमएस)
- गैस क्रोमेटोग्राफी-ट्रिप्ल क्वाडरूपल मास स्पेक्ट्रोस्कोपी (जीसीएमएस-एमएस)
- सिंगल जोन ट्यूब फरनेस
- हाई-परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमेट्रोग्राफी
- आयन क्रोमेट्रोग्राफी



पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशालाएं



1.6 हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति में हाइड्रोलिक्स और जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला अवर स्नातक अनुदेश और साथ ही शोध उद्देश्यों के लिए प्रौन्नत उपकरण हेतु भविष्य के उपकरण प्रदान करती है। यह प्रयोगशाला छात्रों को अभियांत्रिकी प्रयोगों में फ्लूइड के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान करती है। उदाहरण के लिए छात्र फ्लूइड मैकेनिक्स और हाइड्रोलिक्स के मूल विषयों को सीखते हैं जैसे कि प्लेन सर्फेस पर हाइड्रोस्टेटिक्स दाब, बर्नॉली सिद्धांत, फ्लो माप उपकरण, सतह पर जेट का प्रभाव, पाइकों में क्रिक्शनल लॉस और फ्लो ओबर वियर एंड नोचिस।

शोध उपकरण में एक प्रौन्नत हाइड्रोलोजिक अन्वेषण मॉड्यूल शामिल होता है जिसका विभिन्न प्रकार की हाइड्रोलोजिकल प्रक्रिया के अध्ययन के लिए प्रयोग किया जा सकता है। उदाहरण के लिए इस उपकरण का प्रयोग विभिन्न अवधियों की वर्षा का प्रभाव का अध्ययन करने के लिए और मृदा की भंडारण क्षमता के अध्ययन के लिए किया जा सकता है। इसका सीपेज फ्लो तथा भूजल स्तर पर कुंओं के प्रभाव के अध्ययन के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। यह उपकरण नदियों में प्रवाह व्यवहार, नदी किनारे, परिवहन में बाधाओं के प्रभाव का भी अध्ययन कर सकता है।



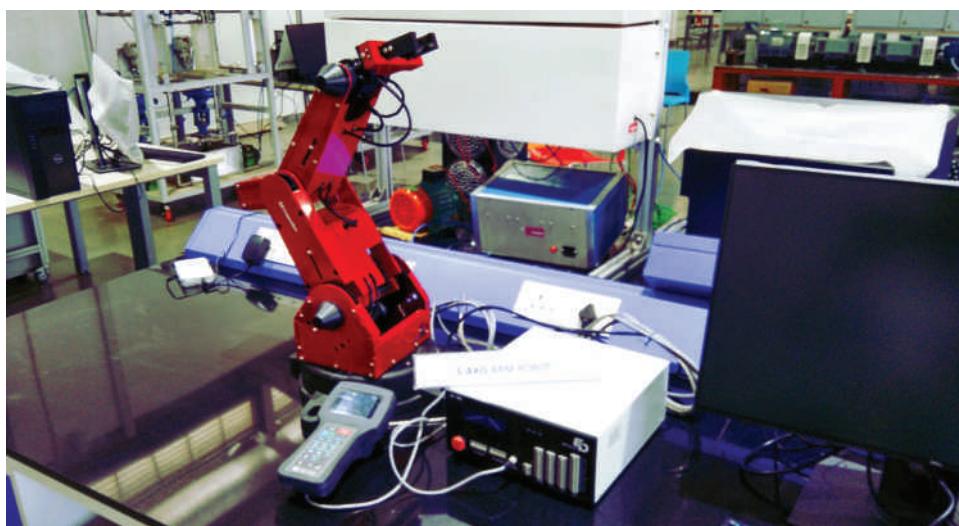
हाइड्रोलिक्स एवं जल संसाधन प्रयोगशाला में कुछ उपकरणों का दृश्य

1.7 सर्वेक्षण प्रयोगशाला

सर्वेक्षण प्रयोगशाला प्रयोगों के संचालन हेतु बड़ी श्रेणी में उपलब्ध उपकरणों से युक्त है। इसमें संगत रूप से साधारण उपकरण जैसे कि प्रिज्मैटिक कम्पास, वर्नीयर थियोडोलाईटिस, डम्पी लेवल, प्लेन टेबल और संबद्ध उपस्करों जैसे कि रैंजिंग रॉड, क्रास स्टाफ, ऐरो, पेग्स इत्यादि शामिल हैं। अधिक आधुनिक उपकरण जैसे कि ऑटो लेवल, हैंड हेल्ड जीपीएस डिवाईस और टोटल स्टेशन ($5''$ और $1''$ स्टीकेटा) भी प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं। सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों को सर्वेक्षण के मूल बातों को समझने के लिए सभी आवश्यक उपकरणों के प्रयोग में प्रशिक्षित किया जाता है।

2. विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति में विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला की सुविधायें उपलब्ध हैं। इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से अपने बी.टेक. पाठ्यक्रम में छात्र इलेक्ट्रॉनिक्स, सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार, पॉवर सिस्टम तथा नियंत्रण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन के विभिन्न पहलुओं से अवगत होते हैं जिससे विद्युत अभियांत्रिकी के वृहत क्षेत्र का अनुभव प्राप्त होता है। विशिष्ट प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है:



प्रौन्नत ईई प्रयोगशाला में 5-एक्सिस रोबोटिक आर्म रोबोर्ट

1. समेकित इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
2. सिग्नल प्रोसेसिंग एवं मशीन अधिगमः
3. मशीन प्रयोगशाला
4. प्रौन्त ईई प्रयोगशाला
5. सेमीकंडक्टर डिवाइसिस प्रयोगशाला

उपलब्ध उपकरणों के साथ विशिष्ट प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है:

2.1 समेकित इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति की समेकित इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला एक पॉवर सप्लाई और एक कंप्यूटर के साथ टेक्ट्रॉनिक्स फंक्शन जनरेटर, डिजिटल स्टोरेज ऑर्क्सीलोस्कोप को शामिल करते हुए 30 कार्य शाखाओं से सुसज्जित है। टेक्साँस इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा विकसित एनालॉग सिस्टम लैब प्रो का भी प्रापण भी किया गया है जिसका एनालॉग और मिश्रित सिग्नल प्रोसेसिंग की तकनीक के शिक्षण के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त, समेकित इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला में निम्नलिखित मद्दें भी उपलब्ध हैं:

- a. 4-चैनल, 350 एमएचजे, 5जीएसए/एस, मिक्स्ड सिग्नल ओकसिलोस्कोप
- b. तीन राष्ट्रीय इंस्ट्रूमेंट्स अभियांत्रिकी प्रयोगशाला वर्चुअल इंस्ट्रूमेंटेशन सूट ईएलवीआईएस ॥। बोर्ड।
- c. वर्चुअल बैंच ऑल-इन-वन इंस्ट्रूमेंट।
- d. 30-पीपीएम मूल सटीकता के साथ टूबोल्ट बैंच टॉप 6-1/2 डिजिट मल्टीमीटर।



 समेकित इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला में कार्यरत छात्र

e. 0.1% की मूल सटीकता के साथ 20 हर्ट्स से 30 किलो हर्ट्स की बारंबारता श्रेणी के साथ एलसीआर मीटर सॉफ्टवेयर फ्रंट से इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला ने ऑर्केड और पीएसपीआईसीई जैसे उपकरण प्राप्त किए हैं जो वीएलएसआई डिजाइन के लिए सीएडी जैसे प्रौन्त स्तरीय इलेक्ट्रिव पाठ्यक्रमों हेतु उपयोगी हैं। विशिष्ट रूप से पीएसपीआईसीई सॉफ्टवेयर एक सशक्त टूल है जो छात्रों को समूचे सर्किट (पूरी तरह से एनालॉग अथवा पूर्णतया डिजिटल अथवा मिश्रित प्रकार) को सिमुलेट करने और मोन्टीकार्लो विश्लेषण करने, इष्टतम ताप और वोल्टेज पर सर्किटों के निष्पादन का निर्धारण करने में समर्थ बनाता है। उपरोक्त टूल शोध के दृष्टिकोण से भी उपयोगी हैं।

2.2 सिल प्रोसेसिंग एवं मशीन अधिगमः

इस प्रयोगशाला की स्थापना सिग्नल प्रोसेसिंग एवं मशीन अधिगम से संबंधित मूल तथा प्रौन्त स्तरीय पाठ्यक्रमों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई हैं। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित शामिल हैं:

- a. मैटलेब का प्रयोग करते हुए सिग्नल प्रोसेसिंग एवं डिजिटल संचार एल्गोरिदम के साथ प्रयोग हेतु 30 डेस्कटॉप पीसी (20 बाह्य मॉनीटर, इंटेल आई5 सीपीयू, 8जीबी रैम और 500जीबी हार्ड डिस्क के साथ)
- b. हार्डवेयर सिग्नल प्रोसेसिंग प्रोग्रामिंग सीखने और वास्तविक सिग्नल/इमेज प्रदर्शन के लिए टीएमएस320 सी6748 डीएसपी किट
- c. कंप्यूटेशनली गहन इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर दृष्टिकोण और मशीन अधिगम ऑपरेशन के लिए एनवीडीआईए जीटीएक्स 1080 जीपीयू (प्रत्येक में चार) के साथ 4 हार्ड एंड वर्क स्टेशन

2.3 मशीन प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति की विद्युत मशीन प्रयोगशाला में चार इलेक्ट्रिकल कपल्ड मशीनों, एक वैरीएवल आउटपुट आईसोलेशन ट्रांसफॉर्मर, एक लोड बैंक, संबद्ध इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाओं, एक लैपटॉप/कंप्यूटर, एक वर्क टेबल, संगत स्विच गियर और इंटर कनेक्शन वॉयर तथा एनआई डाटा अर्जन को शामिल करते हुए 20 कम्पोजिट मशीन बैंच हैं। इसके अतिरिक्त यह प्रयोगशाला निम्नलिखित मशीनों/उपकरणों से सुसज्जित है:



मशीन प्रयोगशाला में कंपोजिट मशीन बैच

- डीसी मशीनें
- सिन्क्रोन्स मशीनें
- इंडक्शन मोटर
- सिंगल फेस ट्रांसफोर्मर
- थ्री फेस ऑटो ट्रांसफोर्मर
- रेसिस्टिव लोड बैंक
- रेक्टीफायर सेटअप
- डीसी और एसी ड्राइव
- डीएक्यू

2.4 प्रौन्त ईंट प्रयोगशाला

इस उच्च सेमेस्टर प्रयोगशाला का उद्देश्य थ्योरी पाठ्यक्रम (शुरूआती सेमेस्टर के दौरान) और उद्योग में उनके प्रयोगात्मक प्रयोग के बीच अंतर को पाटना है। छात्रों के लिए उनके अंतर-विषयक कौशलों में सुधार करने के लिए विभिन्न अधिगम एवं प्रयोगात्मक मॉड्यूल आरंभ किए गए हैं। विशिष्ट रूप से प्रयोगशाला में निम्नलिखित मॉड्यूल शामिल हैं:



उन्नत ईंट लैब में एमआईएओ 4-टैंक सिस्टम

- a. ताप के प्रभाव, टील्ट एवं सेडिंग के कोण के साथ आई-वी, पी-वी के निर्धारण के संबंध में प्रयोगों सहित सोलर ऊर्जा प्रशिक्षण प्रणाली
- b. स्थान, ताप और आद्रता जैसे विभिन्न परिदृश्यों के अंतर्गत सोलर पैनल के परिणाम के निर्धारण हेतु सोलर एनर्जी एमुलेटर
- c. निष्पादन विश्लेषण और संगत को-एफिसिएंट पर प्रयोग के साथ विंड टर्बाइन प्रशिक्षण प्रणाली
- d. लेडर और एफबीडी प्रोग्रामिंग जैसी आईईसी स्टैंडर्ड लैंग्वेज का प्रयोग करते हुए एक पीएलसी की प्रोग्रामिंग: पीएलसी एप्लीकेशन जैसे कि डीसी मोटर का नियंत्रण, वेरीएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव, स्टार-डेल्टा स्टार्टर और एमआईएमओ ईंप्लिटैक सिस्टम का स्तर नियंत्रण
- e. ओमनिंग-डायरेक्शनल और फाइव एक्सिस आर्म रोबोट पर प्रयोगों के साथ रोबोटिक प्रशिक्षण प्रणाली
- f. इंटरनेट ऑफ थिंग्स: यूबीआई-मोटे, वाई-फाई मोटे, बीएलई मोटे, जैसे विभिन्न आईओटी कॉन्फुगरेशन पर प्रयोग तथा विंज गेटवे का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सर्वर में समेकन
- g. फ्लूइड सिम सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए नूमैटिक, हाइड्रोलिक सर्किट के डिजाइन और हार्डवार्यू तथा पीएलसी लॉजिक का प्रयोग करते हुए नियंत्रण के संबंध में प्रयोगों के साथ इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक तथा इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक्स सिस्टम

2.5 सेमीकंडक्टर उपकरण प्रयोगशाला

सेमीकंडक्टर उपकरण प्रयोगशाला का उद्देश्य अवर स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सेमीकंडक्टर उपकरण वर्गीकरण प्रयोग आरंभ करना है ताकि सेमीकंडक्टर उपकरणों और सम्बंधित क्षेत्रों में कुछ पाठ्यक्रमों का अनुपूरण किया जा सके। यह प्रयोगशाला निम्नलिखित उपकरणों से सुसज्जित है:

- a. सब्सट्रेट क्लीनिंग हेतु पॉलीप्रोपाइलीन बैट केमिकल बैच, टाइप I/II डीआई वाटर प्यूरिफ़िकेशन सिस्टम, हॉट एयर ओवन अल्ट्रासोनिकेटर, प्रोग्रामेबल हॉटप्लेट, यू वी ओजोन क्लीनर
- b. फोटोरेसिस्ट/थिन-फिल्म डीपोजीशन हेतु टेबल टॉप स्पिन कोटिंग यूनिट विद यू वी कर्विंग लैंप



सेमीकंडक्टर डिवाइसेस लैब में उपकरणों का एक दृश्य

- c. मेटल/थिन फिल्म डीपोजीशन हेतु
टेबल टॉप डीसी/आरएफ स्पूटरिंग इकाई
- d. ऑप्टीकल वर्गीकरण हेतु
ऑप्टीकल माइक्रोस्कोप
- e. इलेक्ट्रीकल वर्गीकरण हेतु
सेमीकंडक्टर पैरामीटर एनालाइजर मरकरी प्रोब
- f. बांडिंग/पैकेजिंग हेतु
टेबल टॉप मैनुअल बॉर्डर

3. यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

यांत्रिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यचर्या के छात्रों तथा साथ ही डॉक्टोरल छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करने की आवश्यकता को पूरा करती है। ये प्रयोगशाला यांत्रिक अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। नियमित पाठ्यचर्या कार्य के अतिरिक्त ये उच्च गुणवत्ता परक शोध कार्य में भी सहायता प्रदान करती हैं। वर्ष 2017-18 में तैयार की गई प्रयोगशालाएं निम्नानुसार हैं:

निम्नलिखित मुख्य प्रयोगशालाएं हैं:

1. एप्लाइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला
2. थर्मल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
3. मेट्रोलोजी अथवा मीटरोजोजी प्रयोगशाला
4. मशीन ट्रूल्स प्रयोगशाला
5. जॉइनिंग एंड मेटालोग्राफी प्रयोगशाला
6. वाइब्रेशन प्रयोगशाला

उपलब्ध उपकरणों के साथ विशिष्ट प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है:

3.1 एप्लाइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला

छात्रों के लिए सॉलिड मैकेनिक्स और फ्लूइड मैकेनिक्स के मूल सिद्धांतों से संबंधित प्रयोग करने के लिए एप्लाइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। एप्लाइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला के एक भाग में फ्लूइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला उपकरण शामिल हैं जिन्हें आईआईटी तिरुपति के अस्थायी परिसर में जुलाई-अगस्त, 2017 में प्रदान और स्थापित किया गया। मैकेनिक्स और सिविल अभियांत्रिकी दोनों विभागों के छात्र रेनॉल्ड अपरेटर्स, बर्नोली प्रेसिपल, फ्लेट और कवर्ड सतहों पर जेट का प्रभाव, पाइपों में फ्रिक्शनल हेड लॉस, वैर्च मीटर/ओरीफाइस मीटर का प्रयोग करते हुए पाइपों में फलो दर आकलन स्ट्रीम लाइनों का प्रयोग करते हुए फलो विजुलाइजेशन के लिए फलोटिंग बॉडीस की मेटा-सेंट्रिक हाइट के आकलन की श्रेणी के उपकरणों पर अपने प्रयोगों का संचालन करते हैं।



एप्लाइड मैकेनिक्स लैब का एक दृश्य

सॉलिड मेकेनिक्स प्रयोग में टेंसाइल परीक्षण के लिए यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन, हार्डनेस टेस्टिंग मशीन, टॉर्सीओन माप, थिक और थिन सिलैंडरों में दबाव, स्ट्रेन गोज का प्रयोग करते हुए स्ट्रैन माप, वैंडिंग ऑफ बीम, फोटो इलास्टीसिटी माप और इम्पैक्ट टेस्टर शामिल हैं।

- यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन फॉर टेंसाइल टेस्ट्स
- फोटो इलास्टीसिटी सेटअप
- घुमावदार बीम का विश्लेषण
- स्ट्रेस एनालिसिस इन थिक एंड थिन वाल सिलेंडर
- स्ट्रेन गॉज ट्रेनिंग किट
- वेरिफीकेशन आफ स्ट्रेस हाइपोथेसिस
- क्रीप टेस्टिंग मशीन

फ्लुइड मेकेनिक्स प्रयोगशाला छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए तैयार की गई है जिसे वे फ्लुइड मेकेनिक्स पाठ्यक्रम में सीख सकते हैं। प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रयोग सेटअप शामिल हैं:

- लेमीनर और टर्बूलेंट फ्लो को विजुलाइज करने के लिए रैनॉल्ड्स प्रयोग सेटअप
- डिफरेंट फ्लो मेजरिंग सेटअप जैसे कि वेंट्रमीटर, अॉरीफाइस-प्लेट, रोटामीटर
- फ्री एंड फोर्स्ड वोरटेक्स प्रयोग सेटअप
- मोर्मेंटम कंजरवेशन की जांच हेतु सतह पर जेट का प्रभाव
- बर्नोली थ्योरम की जांच हेतु प्रयोग सेटअप
- विभिन्न पाईप सेमेंट में हानि का अध्ययन करने के लिए प्रयोग सेटअप

- घनत्व, विस्कोसिटी, सरफेस टेंशन की माप हेतु फ्ल्यूड प्रोपर्टी माप उपकरण
- विभिन्न आकार के फ्लो को विजुलाइज करने के लिए वाटर फ्लो बैंच
- फ्लोटिंग बॉडीज की स्थिरता का अध्ययन करने के लिए प्रयोग सेटअप

3.2 एप्लाइड थर्मल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

एप्लाइड थर्मल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला की स्थापना छात्रों को थर्मल अभियांत्रिकी के पहलुओं जैसे कि इंटर्नल कम्बस्चन इंजन, रेफ्रिजेरेशन और एयर कंडीशनिंग, फ्यूल प्रोपर्टी माप के संबंध में प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करने के लिए की गई है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रयोगात्मक सेटअप शामिल हैं:

- दो सिलेंडर सीआरडीआई डीजल इंडन सेटअप
- ओपन ईसीयू के साथ सिंगल सिलेंडर इंजन सेटअप
- बॉम्ब कैलोरी मीटर
- वेपर कम्प्रेशन रेफ्रिजेरेशन सिस्टम
- एयर कंडीशनिंग ट्रेनर सेटअप
- ड्यूनॉय रिंग टेंसीमीटर
- रियोमीटर

आईआईटी तिरुपति में हीट ट्रांसफर प्रगोयशाला भी एप्लाइड थर्मल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला का भाग है। इसमें हीट ट्रांसफर के पहलुओं पर छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करने के लिए विभिन्न प्रयोगात्मक सेटअप हैं। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रयोगात्मक सेटअप शामिल हैं:



थर्मल इंजीनियरिंग लैब
का एक दृश्य

- 1) ठोस एवं प्रवाह का थर्मल कंडक्टिविटी माप
- 2) लीनियर एवं रेडियल हीट कंडक्शन सेटअप
- 3) विभिन्न वस्तुओं में मुक्त एवं फोस्ड कंवेक्शन
- 4) पूल बॉयलिंग और कंडंसेशन प्रयोगात्मक सेटअप
- 5) ट्यूब इन ट्यूब, सेल तथा ट्यूब, प्लांट एवं फिन तथा जैकेटिड वेसल हीट एक्सचेंजर के साथ हीट एक्सचेंज सेटअप
- 6) विभिन्न ताप माप उपकरण और उनके कैलीब्रेशन
- 7) इंसूलेटिंग सामग्रियों का थर्मल कंडक्टिविटी माप
- 8) किरचोफ लॉ और स्टीफन बोल्टर्ज मैन लॉ की जांच हेतु प्रयोगात्मक सेटअप

3.3 मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला

मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला की स्थापना छात्रों के लिए विभिन्न माप संबंधी प्रयोगों के निष्पादन हेतु की गई है। हमारी किसी अन्य मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला से भिन्न उपकरण में बहुमुखी उपलब्धि थी, हमारे पास आज की उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रौन्नत उपकरण (उदाहरण 3डी स्केनर, सीएमएम) के लिए मूल माप उपकरण (उदाहरण वर्नियर, माइक्रोमीटर इत्यादि) हैं। साथ ही, हमारे पास ऑटोकोलीमीटर, हाइटगोज, सर्फेसरफनेस टेस्टर जैसे उपकरण हैं। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित मेट्रोलॉजी उपकरण: गो एंड नोगो रिंग, प्लग और फिलर गोज, सिनेबार, डायल गोज सेटअप मैग्नेटिक बेस तथा थ्रेड प्लग गोज के साथ उपलब्ध हैं।

इस मेट्रोलॉजी प्रयोगशाला को छात्रों के सैद्धांतिक जानकारी जिसे उन्होंने मेट्रोलॉजी पाठ्यक्रम में सीखा है, को मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रयोगात्मक सेटअप शामिल हैं।

- कार्डिनेट मैजरिंग मशीन (सीएमएम)
- 3डी स्केनर
- ऑटोकोलीमेटर सेटअप
- सर्फेस रफनेस टेस्टर
- डिजिटल हाइट गोज



नियामक माप मशीन



मेट्रोलॉजी लैब का एक दृश्य

3.4 मशीन टूल प्रयोगशाला

मशीन टूल प्रयोगशाला की स्थापना छात्रों के लिए प्रौन्नत मशीन प्रक्रिया से संबंधित प्रयोग करने के लिए की गई है। इस प्रयोगशाला में प्रौन्नत मशीनें जैसे कि सीएनसी लैथ, सीएनसी मिलिंग, सीएनसी वॉयर कट ईडीएम, सीएनसी मिलिंग और सीएनसी लैथ तथा 3डी प्रिंटर जैसे प्रौन्नत मशीनें हैं। प्रयोगशाला में हमारे द्वारा 3डी प्रिंटर इस प्रकार से स्थापित किया गया है कि छात्र मास्टर कैम, ऑटोकैड सॉफ्टवेयर के जरिए सीएनसी प्रोग्राम दे पाए।

मशीन टूल प्रयोगशाला को छात्रों की थ्यूरोटिकल जानकारी जिसे उन्होंने विनिर्माण पाठ्यक्रम में सीखा है, को मजबूत बनाने के



मशीन टूल्स लैब का एक दृश्य

लिए तैयार किया गया है। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रयोगात्मक सेटअप मौजूद हैं।

- सीएनसी वॉयर कट ईडीएम
- सीएनसी मिलिंग
- सीएनसी लैथ

3.5 ज्वाइनिंग और मेटलोग्राफी (जेएएम) प्रयोगशाला

जेएएम प्रयोगशाला को अवर स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को नवीतम ज्वाइनिंग प्रक्रिया एवं मेटलोग्राफिक अध्ययन के संबंध में प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है। जेएएम प्रयोगशाला में सक्रिय शोध किया गया है जहां पांच पीएचडी और चार एम.टेक. छात्र अपने शोध कार्य में अध्ययनरत हैं। जेएएम प्रयोगशाला में उपकरणों की निम्नलिखित सूची शामिल है:

विशिष्टताएं:

- शील्डेड मेटल आर्क वेलिंग प्रक्रिया प्रीसीसन कटिंग मशीन
- गैस टंगस्टन आर्क वेलिंग प्रोसेस हॉट माउंटिंग प्रेस
- रोबोटिक गैस मैटल आर्क वेलिंग प्रोसेस डबल डिस्क पॉलिसिंग मशीन
- सबमर्ज्ड आर्क वेलिंग प्रोसेस सिंगल डिस्क ऑटोमेटिक पॉलिसिंग मशीन
- डाउन ड्रॉट टेबल्स स्टीरियोमाइक्रोस्कोप



ज्वाइनिंग एवं
मेटलोग्राफी (जेएएम)
प्रयोगशाला

मेटलोग्राफी विशिष्टताएँ:

- प्रीसीसन कटिंग मशीन
- हॉट माउंटिंग प्रेस
- डबल डिस्क पॉलिसिंग मशीन
- सिंगल डिस्क ऑटोमेटिक पॉलिसिंग मशीन
- स्टीरियोमाइक्रोस्कोप
- अपराइट मेटालर्जिकल माइक्रोस्कोप
- हीट ट्रीटमेंट फरनेस (1200° से 1600° से.)
- मेल्टिंग फरनेस (1500° से.)

3.6 वाइब्रेशन प्रयोगशाला

मैकेनिकल वाइब्रेशन प्रयोगशाला वाइब्रेशन मॉनीटरिंग और मॉडल विश्लेषण के लिए प्रयुक्त उपकरणों के साथ प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करती है। यह प्रयोगशाला स्ट्रक्चरल स्टिफनेस के प्रभाव और मैकेनिकल वाइब्रेशन पर डम्पिंग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक मॉस-स्प्रिंज-डेंपर सिस्टम से युक्त है। प्रयोगशाला कार्यवाही के दौरान छात्र इस सेटअप का फ्री और फोर्स्ड वाइब्रेशन के ज्ञान हेतु उपयोग करते हैं और साथ ही रेजोनेंट परिस्थितियों में वाइब्रेशन सपरेशन पर डम्पिंग के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु इसका प्रयोग करते हैं।

इस प्रयोगशाला में बहुमुखी डाटा अर्जन प्रणाली ओआर38 भी इसकी एम्बेडिड कंप्यूटेशन और स्टोरेज के साथ क्यूआर38 आदर्श रूप से समानांतर रिकॉर्डिंग के साथ वाहन एनवीएच माप में ऑनलाइन के लिए उपयुक्त हैं। ओआर38 आकलन रखरखाव



OR38 डाटा अधिग्रहण प्रणाली

और स्वीकार्यता परीक्षण दोनों के लिए ऑनसाइट डायनामिक्स तथा मशीनरी निदान की आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसकी बड़ी कंप्यूटेशन क्षमता और इनपुट संख्या के साथ ओआर38 सटीक रूप ध्वनि स्थानीय प्रयोगों जैसे कि होलोग्राफी, बीम फार्मिंग के साथ सही बैठता है। ओआर38 माप सक्षमता, सुरक्षा और गुणवत्ता में वृद्धि हेतु नवीनतम टीम वर्क प्रौद्योगिकी से लाभान्वित हैं। प्रत्येक अवस्थापनात्मक हार्डवेयर और मिडलवेयर स्थान में मूल रूप से समाहित यह उच्च सक्षमता वाइब्रेशन परीक्षणों के लिए पूर्णतः समर्पित वातावरण प्रदान करता है। उद्योग एवं शैक्षिक जगत के लिए आदर्श, यह उपकरणों को स्टैम्ड अथवा डिस्टीब्यूटिड कॉन्फीगुरेशन में कैस्केड करने में समर्थ बनाता है और कंडीशनर और उपस्करों को साझा करना सुलभ बनाता है। सशक्त एम्बेडिड स्थानीय डीएसपी प्रोसेस सिग्नल ऑनलाइन किसी भी दर अथवा परिणाम के लिए नमूनों को छोड़े बगैर कार्य करता है।

इस प्रयोगशाला में उपलब्ध अन्य उपकरणों की सूची निम्नानुसार है:

- एक्सीलरोमीटर और केलीब्रेटर
- फोर्स सेंसर
- फ्री फील्ड माइक्रोफोन एंड केलीब्रेटर
- डायनेमिक शेकर
- मोडल इम्पेक्ट हैमर

3.6 केंद्रीय पुस्तकालय

संस्थान के केंद्रीय पुस्तकालय की स्थापना सूचना संसाधन और सेवाएं प्रदान करते हुए आईआईटी तिरुपति ने लर्निंग, शिक्षण और शोध को सुगम बनाने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2015 में की गई थी। संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार इस प्रयोगशाला का उद्देश्य ई-संसाधनों सहित संसाधनों का एक व्यापक संग्रह तैयार करना है जो प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों के लिए उपयोगी होगा और उनकी विद्वत्ता वृद्धि में सहायक होगा।

स्थायी परिसर आवास के लिए पारगमन के भाग के रूप में पुस्तकालय ने येरपेडु में पारगमन परिसर में पुस्तकालय की शाखा आरंभ की है।

केंद्रीय पुस्तकालय त्वरित विकास के चरण में है। केंद्रीय पुस्तकालय में इस अवधि के दौरान अभियांत्रिकी, विज्ञान और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित पाठ्य-पुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों सहित 848 से अधिक मुद्रित पुस्तकें शामिल की हैं। हमने इस वर्ष लगभग 4500 ई-जर्नल/स्टेंडर्ड/डाटा बेस शामिल किये हैं जिनमें ई-शोध सिंधु द्वारा प्रदत्त जर्नल शामिल हैं।



केंद्रीय पुस्तकालय का एक दृश्य

यह पुस्तकालय कोहा ओपन सोर्स इंटीग्रेटेड पुस्तकालय साफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटालॉग (ओपेक) के साथ पुस्तकालय ऑटोमेशन प्रणाली की आधुनिक प्रौद्योगिकी से युक्त है। जिसने पुस्तकालय के संचालन के कंप्यूटरीकरण को समर्थ बनाया है।

31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों की कुल संख्या निम्नानुसार है:

- पुस्तकें 5323
- सीडी-रोम 80
- समाचार पत्र 08
- ई-पुस्तकें 519
- ई-जर्नल 6500+
- डाटाबेस 08
- स्टेंडड 02

ई-शोध सिंधु कंसर्वेटियम सदस्यता

केंद्रीय पुस्तकालय ई-शोध सिंधु कंसर्वेटियम का सक्रिय सदस्य है।

4. शोध प्रकाशन और उपलब्धियां

आईआईटी तिरुपति एक गहन शैक्षिक वातावरण का पोषण करता है जिसमें प्राध्यापक सदस्य और छात्र राष्ट्र की तकनीकी वृद्धि में योगदान देते हुए नवाचारी शिक्षण-अधिगम गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। आईआईटी जैसे संस्थान अपने शोध योगदान के लिए भलीभांति जाने जाते हैं; इस क्रम में आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक सदस्य शोध और तकनीकी उन्नति के विकास में पुरजोर तरीके से शामिल हैं। संस्थान के सभी प्राध्यापक सदस्य गुणवत्तापरक शोध प्रकाशन और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध सम्मेलनों में अपने शोध परिणामों के प्रकाशन में भी शामिल हैं। प्रकाशन, सम्मेलन में भागीदारी, की गई शोध परियोजनाओं के रूप में शोध योगदान को इस रिपोर्ट के मौजूदा अध्याय में दर्शाया गया है:

4.1 शोध प्रकाशन

वर्ष 2018-19 के दौरान, संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा दो पुस्तक अध्यायों के साथ अत्यधिक प्रख्यात विभिन्न जर्नलों में कुल 48 शोध लेख और 4 पुस्तकें प्रकाशित की गईं।

जर्नल

सिविल अभियांत्रिकी

- भाटिया, एन., **आर. श्रीवास्तव**, और के. श्रीनिवासन। ''सीजन-डिपेंडेंट हेजिंग पोलिसीज फॉर रिजर्वायर ऑपरेशन - ए कम्प्रेशन स्टडी।'' जल, खंड 140, सं. 10, सितंबर 2018, पृष्ठ 1311.
- चंद्रप्पा, ए.के., और **के. पी. बिलीगिरी**। ''इफेक्ट ऑफ पोर स्ट्रक्चर ऑन फैटिंग ऑफ प्रीवियस कंक्रीट।'' रोड मेटेरियल एंड पेवमेंट डिजाइन, टैलर एंड फ्रांसिस, खंड 20, सं. 19, अप्रैल 2018, पृष्ठ 1525-1547.
- चंद्रप्पा, ए.के., और **के. पी. बिलीगिरी**। ''इंवेस्टीगेशन ऑन फलेक्सरल स्ट्रैथ एंड स्टिफनेस ऑफ प्रीवियस कंक्रीट फॉर पेवमेंट एप्टीकेशन्स।'' स्पेशल इशु ऑन एडवांसेस इन पेवमेंट टेक्नॉलॉजीज इन द इमर्जिंग इकॉनमीज, जर्नल ऑफ एडवांसेस इन सिविल इंजीनियरिंग मेटेरियल्स, एसटीएम इंटरनेशनल, खंड 7, सं. 2, अक्टूबर 2018, पृष्ठ 223-242.
- चंद्रप्पा, ए.के., और **के. पी. बिलीगिरी**। ''मेथडॉलजी टू डेवलप प्रीवियस कंक्रीट मिक्सर्चर्स फॉर टारगेट प्रोपर्टीज़: एन एम्फेसिस ऑन द सिलेक्शन ऑफ मिक्सर वैरीएबल्स।'' जर्नल ऑफ ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग, पार्ट बी: पेवमेंट, अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स, खंड 144, सं. 3, सितंबर 2018, पृष्ठ 04018031-1-10.
- चंद्रप्पा, ए.के., और **के. पी. बिलीगिरी**। ''पोर स्ट्रक्चर करेक्ट्राइजेशन ऑफ पर्वियस कंक्रीट यूजिंग एक्स-रे माइक्रो कंप्यूटेड टोमोग्राफी।'' जर्नल ऑफ मेटेरियल्स इन सिविल इंजीनियरिंग, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स, खंड 30, सं. 6, जून 2018, पृष्ठ 04018108-1-11.
- चंद्रप्पा, ए.के., आर. मौर्य, **के.पी. बिलीगिरी**, जे.एस. राव, और एन. नाथ। ''लेब्रोटरी इंवेस्टीगेशन्स एंड फिल्ड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ पर्वियस कंक्रीट पेविंग मिक्सर्चर्स।'' एडवान्सेज इन सिविल इंजीनियरिंग मेटेरियल्स, अमेरिकन सोसायटी फॉर टेस्टिंग एंड मेटेरियल्स इंटरनेशनल, खंड 7, सं. 1, सितंबर 2018, पृष्ठ 447-462.
- कर्टिस, जेड. के., एच. एस. लियाओ, एस. जी. ली, **पी. वी. संपत** और डी. पी. लुश। ''ए मल्टीस्केल असेसमेंट ऑफ शालो ग्राउंडवाटर सेलीनाइजेशन इन मिशीगन।'' वाटरग्राउंड, खंड 57, सं. 5, फरवरी 2019, पृष्ठ 784-806.
- गौतम, ए., और **ए. गांगुली**। ''ए पारामैट्रिक स्टडी ऑन डिफेक्ट साइजिंग इन प्लेट्स यूजिंग लैंब वेव रिफ्लेक्शन कोएफिशिएन्ट्स।'' जर्नल ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, सीएसआईआर-एसईआरसी, खंड 45, सं. 4, मई 2018, पृष्ठ 61-66.

9. घोष, डी., एस. बेनीवाल, **ए. गांगुली** और ए. मुखर्जी। ''रिफरेंस फ्री इमेजिंग ऑफ सबसर्फेस क्रेक्स इन कंक्रीट यूजिंग रेली वेव्स।'' स्ट्रक्चरल कंट्रोल एंड हेल्थ मॉनिटरिंग, खंड 25, सं. 10, अगस्त 2018, पृष्ठ 1-16.
10. घोष, डी., एस. बेनीवाल, **ए. गांगुली** और ए. मुखर्जी। सिमुलेशन ऑफ अल्ट्रासोनिक रेली वेव बेर्स्ड डेमेज डिटेक्शन इन कंक्रीट स्ट्रक्चर्स। जर्नल ऑफ नन-डिस्ट्रिक्टिव टेस्टिंग एंड इवैल्यूएशन, इंडिया सोसाइटी ऑफ नन-डिस्ट्रिक्टिव टेस्टिंग, मार्च 2019, पृष्ठ 15-19.
11. केदारिसद्धी, एस., जी. साहा, **के. पी. बिलीगिरि**, और जे. बी. सोसा। ''परफॉर्मेंस इवैल्यूएशन ऑफ रिएक्टेड एंड एक्टिवेटेड रबर मॉडिफाइड डेंस ग्रैडेड असफाल्ट मिक्स्चर्स।'' जर्नल ऑफ टेस्टिंग एंड इवैल्यूएशन, अमेरिकन सोसाइटी फॉर टेस्टिंग एंड मेटेरियल्स इंटरनेशनल, खंड 46, सं. 6, अप्रैल 2018, पृष्ठ 2511-2520.
12. खान, वी., और **के. पी. बिलीगिरि**. ''इवैल्यूएशन ऑफ टायर/रोड नोइज रिसर्च इन इंडिया: इंवेस्टीगेशन यूजिंग स्टेटिस्टिकल पास-वाई मेथेड एंड नॉइज ट्रेलर।'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पैवर्मेंट रिसर्च एंड टेक्नॉलजी, एल्सेवियर, खंड 11, सं. 3, मई 2018, पृष्ठ 253-264.
13. मोंडल, एस., और **के. पी. बिलीगिरि** ''क्रम्ब रबर एंड सिलिका फ्यूम इन्क्लूजन इन पर्वियस कंक्रीट पैवर्मेंट सिस्टम्स: इवैल्यूएशन ऑफ हाइड्रोलॉजिकल, फंक्शनल एंड स्ट्रक्चरल प्रॉपर्टीज।'' जर्नल ऑफ टेस्टिंग एंड इवैल्यूएशन, अमेरिकन सोसाइटी फॉर टेस्टिंग एंड मेटेरियल्स इंटरनेशनल, खंड 46, सं. 3, मई 2018, पृष्ठ 892-905.
14. **ओइनम, आर. एम.**, और डी. आर. साहू. ''यूजिंग मेटैलिक डैम्पर्स टू इम्प्रूव सिस्मिक परफॉर्मेंस ऑफ सॉफ्ट-स्टोरी आरसी फ्रेम्स: एक्सीपेरीमेंटल एंड न्यूमेरिकल स्टडी।'' जर्नल ऑफ परफॉर्मेंस ऑफ कंस्ट्रक्टेड फैसिलिटीज, एएससीई, खंड 33, सं. 1, दिसंबर 2018, पृष्ठ 1-18.
15. शर्मा, डी., और **एस. जैन**। ''इम्पैक्ट ऑफ इंटरवेंशन ऑफ बॉयोमास कुक स्टोव टेक्नॉलजीज एंड किचन कैरिक्टरिस्टिक्स ऑन इंडोर एयर क्लालिटी एंड ह्यूमन एक्सपोजर इन रुरल सेटिंग्स ऑफ इंडिया।'' इंवायरमेंटल इंटरनेशनल, दिसंबर 2018, पृष्ठ 240-255.
16. शर्मा, डी., और **एस. जैन**। ''इम्पैक्ट ऑफ इंटरवेंशन ऑफ बॉयोमास कुक स्टोव टेक्नॉलजीज एंड किचन कैरिक्टरिस्टिक्स ऑन इंडोर एयर क्लालिटी एंड ह्यूमन एक्सपोजर इन रुरल सेटिंग्स ऑफ इंडिया।'' इंवायरमेंटल इंटरनेशनल, खंड 123, फरवरी 2019, पृष्ठ 240-255.
17. सिंह, एस. पी., और **के. पी. बिलीगिरि**। ''न्यूमेरिकल सिमुलेशन ऑफ पर्वियस कंक्रीट मिक्स डिज़ाइन यूजिंग डिसक्रीट एलिमेंट मॉडलिंग टेक्नीक्स।'' जर्नल ऑफ टेस्टिंग एंड इवैल्यूएशन, अमेरिकन सोसाइटी फॉर टेस्टिंग एंड मेटेरियल्स इंटरनेशनल, खंड 46, सं. 6, नवंबर 2018, पृष्ठ 2440-2449.
18. स्वाति, डी., पी. सी. साबुमोन और **एस. एम. मलियाकल**। ''एनोक्सिक अमोनिया रिमूवल यूजिंग ग्रेनुलेट नैनोस्केलऑक्सी हाइड्रॉक्साइड्स ऑफ एफ ई (जीएनओएफ) इन ए एसबीआर।'' जर्नल ऑफ इनवायरमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, खंड 6, सं. 4, अगस्त 2018, पृष्ठ 4273-4281.
19. वेणुधरन, वी., और **के. पी. बिलीगिरि**। ''डेवलपमेंट एंड परफॉर्मेंस एनालिसिस ऑफ असफाल्ट-रबर गैप-ग्रेडेड मिक्स्चर्स: स्टडी ऑन एग्रिगेट ग्रेडिएशन्स।'' जर्नल ऑफ टेस्टिंग एंड इवैल्यूएशन, अमेरिकन सोसाइटी फॉर टेस्टिंग एंड मटीरियल इंटरनेशनल, नवंबर 2018, पृष्ठ 1-18.
20. वेणुधरन, वी., **के. पी. बिलीगिरि**, और एन. सी. दास। ''इंवेस्टीगेशन ऑन बिहेवीरल कैरिक्टरिस्टिक्स ऑफ असफाल्ट बिंडर विद क्रम्ब रबर मोडिफिकेशन: रियोलोजिकल एंड थर्मो-कैमिकल अप्रोच।'' कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मेटेरियल्स इंटरनेशनल, खंड 181, अगस्त, 2018, पृष्ठ 455-464.

विद्युत अभियांत्रिकी

1. **महापात्रा, पी.**, एन. पप्पास, जे. ली, टी. क्यू. एस. क्यूइक और वी. एंजेलाकिस। ''सिक्योर कम्युनिकेशन्स फॉर द टू-यूजर ब्रॉडकास्ट चैनल विद रेंडम ट्रॉफिक।'' आईईईटी ट्रांजेक्शन्स ऑन इंफॉर्मेशन फॉरेंसिक एंड सिक्यूरिटी, खंड 13 सं. 9, सितंबर 2018 पृष्ठ 2294-2309.
2. मौनिका, के., शीबा आर, कुद्दी जी और **आर. के. साई एस. गोर्थी**। ''कन्सिसटेंट रुबस्ट एंड रिकर्सिव इस्टीमेशन ऑफ एटमॉसफेरिक मोशन वैक्टर्स फ्रॉम सेलेटाइट इमेज।'' आईईईटी ट्रांजेक्शन्स ऑन जियोसाइंस एंड रिमोट सेंसिंग, खंड 57, सं. 3, मार्च 2019 पृष्ठ 1538-1544.
3. स्पूर्थी, जी. ई., **एस. गोर्थी**, और **आर. के. साई एस. गोर्थी**। ''फेजनेट: ए डीप कॉन्वोलूशनल न्यूरूल नेटवर्क फॉर टू-डायमेंशनल फेज अनरैपिंग।'' आईईईटी सिग्नल प्रोसेसिंग लेटर्स, खंड 26, सं. 1, जनवरी 2019, पृष्ठ 54-58.

4. श्रीराग, एन., सौम्यदीप, सरिता वी, और **आर.के. साई एस. गोर्थी**। ''स्टार कलस्टर डिटेक्शन एंड कैरेक्ट्राइजेशन यूजिंग जनरलाइज्ड परजेन डेनसिटी एस्टीमेशन।'' मंथली नोटिस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, खंड 482, सं. 3, जनवरी 2019, पृष्ठ 37893802.

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

1. **अवृलपति, एम. एम., ए.** मेगाराइटिस, जे. जिया और एल.सी. गणिप्पा। ''एक्सीपेरीमेंटल अंडरस्टैण्डिंग ऑन द डायनामिक्स ऑफ माइक्रो-एक्सप्लोज़न एंड पर्फिंग इन टर्नरी इमल्शन ड्रापलेट।'' फ्यूल, खंड 239, 2019, पृष्ठ 1284-1292.
2. **अवृलपति, एम. एम., टी.एन.सी. आनंद,** और आर.वी. रविकृष्ण। ''एटमाइजेशन पैटर्न प्रब्ल्यूस्ड वाई विसक्स, लाइक-ऑन इंपिंजिंग लिफ्टिंग जेट्स।'' जनल ऑफ फ्लो विजुअलाइजेशन एंड इमेज प्रोसेसिंग, खंड 25, सं. 2, अगस्त 2018, पृष्ठ 65-76.
3. **अवृलपति, एम. एम., थानोस मेगराइटिस,** जून जिया और लियोनेल गनिप्पा। ''एक्सीपेरीमेंटल अंडरस्टैण्डिंग ऑन द डायनामिक्स ऑफ माइक्रो-एक्सप्लोज़न एंड पर्फिंग इन टर्नरी इमल्शन ड्रापलेट।'' फ्यूल, खंड 239, सं., दिसंबर 2018, पृष्ठ 1284-1292.
4. पांडा, डी., **ई. अनिल कुमार,** और संजय के. सिंह। ''ए कम्प्रेरेटिव स्टडी ऑफ CO₂ कैचर वाई अमीन ग्राफ्टेड वनाम अमीन इम्प्रीगेटेड जोलाइट 4ए।'' मेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग, खंड 377 सितंबर 2018, पृष्ठ 012148.
5. सिंह, वी.के., **ई. अनिल कुमार,** और बी. बी. साहा। ''एडसोर्प्सन इज़ोटेर्म, कैनेटिक्स एंड थर्मोडायनामिक सिमुलेशन पैयर फॉर कूलिंग एप्लीकेशन।'' एनर्जी, खंड 160, अक्टूबर 2018, पृष्ठ 1158-1173.
6. सिंह, वी. के., **ई. अनिल कुमार** और बिद्युत बरन शाह। ''एडसोर्प्सन इज़ोटेर्म, काइनेटिक्स एंड थर्मोडायनामिक सिमुलेशन पैयर फॉर कूलिंग एप्लीकेशन।'' एनर्जी, खंड 160, पृष्ठ 1158-1173, अक्टूबर 2018.

रसायन विज्ञान

1. वुइज्क, एच. डी., ए. शर्मा, **डी. मोंडल**, जे. यू. सोमर और एच. मर्लिंट्ज। ''सूडोकेमोटैक्सीस इन-इन्होमोजिनियस एक्टिव सिस्टम्स।'' फिजिकल रिव्यू ई, खंड 97, नं., 2018, पृष्ठ 042612-1 -042612-7.

भौतिक विज्ञान

1. बनर्जी, एस., **पी. सी. देशमुख**, वेलेरी के. डोलमेटोव, स्टीवन टी. मैनसन और अनातोली एस. खीफेट्स। ''स्ट्रांग डिपेंडेंस ऑफ फोटोआयनाईजेशन टाइम डिले ऑन एनर्जी एंड एंगल इन द नेबरहुड ऑफ फैनो रेजनेन्सेस।'' फिजिक्स रेव. ए, अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी, खंड 99, जनवरी 2019, पृष्ठ 013416
2. कोलिंग्स, **ई. आर. एस. मन्ना**, ए. ए. सेर्लिन, एम. ब्यकोव, ई. ब्यकोवा, एम. हैन्फलेंड, पी. गेगेनवार्ट, एस. वैन स्मालन, एल. डबरोविंस्की और एन. डब्रोविंस्केया। ''प्रेसर डिपेंडेंस ऑफ स्पिन कैंटिंग इ अमोनियम मेटल फॉर्मेट एंटीफेरोमैग्नेट्स।'' फिजिक्स, कैमिस्ट्री कैमिस्ट्री फिजिक्स, रॉयल सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्री, खंड 20, अगस्त 2018 पृष्ठ 24465.
3. फिशर, जे. के. एच., पी. लुनकेनहाइमर, सी. लेवा, एस. एम. विंटर, एम. लैंग, सी. मेजीयर, पी. बटैल, ए. लॉयड और **आर. एस. मन्ना**. ''रिलेक्सेशन डायनामिक्स इन द वन-डायमेंशियल ऑर्गेनिक चार्ज-ट्रांसफर साल्ट - (ईडीटी-टीटीएफ-सीओएनमझ₂)₂) बीआर.।'' फिजिक्स रेव. बी, अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी, खंड 97, जून 2018 पृष्ठ 235156.
4. कीटिंग, डी. ए., एस. टी. मैनसन, वी. के. डोलमातोव, ए. मंडल, **पी. सी. देशमुख**, फैज़ा नसीम और ए.एस. खीफेट्स. ''इंटरशेला-कोरीलैशन-इन्ड्यूस्ड टाइम डिले इन अटॉमिक फोटोआयनाईजेशन।'' फिजिक्स रेव. ए, अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी। खंड 98, जुलाई 2018, पृष्ठ 013420.
5. मजुमदार, एम., **आर. एस. मन्ना**, जी. सिमुतिस, जे. सी. ओरेन, टी. डे., एफ. फ्रायंड, ए. जेसचे, आर. खसनोव, पी.के. विश्वास, ई. ब्यकोवा, एन. डबरोवान्स्कीया, एल.एस. डबरोविंस्की, आर. यादव, एल. होजोई, एस. निशिमोटो, ए.ए. त्सिरलिन, और पी. गेगेनवार्ट। ''ब्रेकडाउन ऑफ मैग्नेटिक ऑर्डर इन द प्रेसराइज्ड कितेव इरीडेट β -Li₂IrO₃.'' फिजिक्स, रेव. लेट., अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी, खंड 120, जून 2018, पृष्ठ 237202.
6. ओवस्सनिकिकोव, एस. वी., एम. ब्यकोव, ई. ब्यकोवा, के. ग्लेजिरिन, **आर. एस. मन्ना**, ए. ए. त्सिरलिन, वी. सेरेंटोला, आई. कुपेंको, ए. वी. कुर्नोसोव, आई. कांतोर, ए. एस. पखोमोवा, आई. चुवाशोवा, ए. चुमाकोव, आर. रुफर, सी. मैककैमन और एल. एस. डबरोविंस्की। ''अनोमलस चार्ज ऑडरिंग इन प्रेसर-ट्यून्ड आयरन ऑक्साइड. Fe₄O₅।'' नेचुरल कम्युनिकेशन्स, प्रद्वितिक प्रकाशन समूह, खंड 9, अक्टूबर 2018, पृष्ठ 4142.

7. पाटिल, डी. आर., **बी. कोटेश्वरराव**, कृष्णा बेगारी, अरविंद योगी, महमूद मौसा, और दीपक पी. दुबल। ''कोबाल्ट साइक्लोट्रॉफास्फेट (Co₂P4O₁₂): ए न्यू हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रोड मेटेरियल फॉर सुपरकैपेसिटर्स।'' एसीएस एप्लाइड एनर्जी मेटेरियल्स, खंड 2, मार्च 2019, पृष्ठ 2972.
8. यू. के., **बी. कोटेश्वरराव**, जोधुन कांग, आगा शाही, वृहुन नाम, फेडर एफ. बालाकिरेव, विवियन एस. जैफ, एन. हैरिसन, अलेकजेंडर गुडा, निककी टेर-ओगनेश्यन, और कीहून किम। ''मैग्नेटिक फील्ड-इंड्यूस्ड फेरोइलेक्ट्रिसिटी इन एस=1/2 कैगोम स्टेअरकेस कंपाउंड PbCu₃TeO₁₁'' एनपीजे क्रांटम मेटेरियल्स, खंड 3, सितंबर 2018, पृष्ठ 45.

गणित

1. चल्ला, डी. पी., ए.पी. चौधरी, और एम. सिनी। ''मैथेमेटिकल इमेजिंग यूजिंग इलेक्ट्रिक ऑर मैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स एज कन्ट्रास्ट एजेंट्स।'' इंवर्स प्रोबल्म एंड इमेजिंग (आईपीआई), खंड 12, सं. 3, 2018, पृष्ठ 573-605.
2. दास, आई., और एस. मुखोपाध्याय। ''रोबस्ट डिजाइन फॉर मल्टीनेशनल मॉडल।'' कम्युनिकेशन्स इन स्टेटिक्स - सिमुलेशन एंड कम्प्यूटेशन, खंड 48, सं. 10, जनवरी 2019, पृष्ठ 2998-3021.
3. एच. अमरी, **डी. पी. चल्ला**, ए.पी. चौधरी, और एम. सिनी। ''द प्वाइंट-इंटरैक्शन अप्रोक्सिमेशन फॉर द फील्ड्स जनरेटेड वाइ कंट्रास्टेड बबल्स एट आर्बिट्रेटी फिक्स्ड फ्रीक्लिंसी।'' जे. डिफरेंटियल एक्यूएशन्स, खंड 267, सं. 4, 2019, पृष्ठ 2104-2191.
4. एम. राधाकृष्णन, और **एस. राजेश**। ''इजिस्टन्स ऑफ फिक्स्ड प्वाइंट फॉर प्वाइंटवाइज इवेंचुअली एसिम्प्टोटिकली नन-एक्सपेंसिव मैपिंग।'' एप्लाइड जनरल टोपोलॉजी, खंड 20, 2019, पृष्ठ 119-133.

मानविकी और समाज विज्ञान

1. **द्विवेदी, पी. एस.** ''ऑन्टालजी ऑफ डायलोजिक इक्षीशन्स: ए स्टडी इन रिलेशन टू केना एंड प्रश्न उपनिषद्स, एंड बर्गसोनिज्म।'' जर्नल ऑफ कम्प्यैरेटिव लिटरेचर एंड एस्थेटिक्स, खंड 42, नं. 1, मार्च 2019, पृष्ठ 64-72.
2. **द्विवेदी, पी.एस.**, और **वी. वामशी कृष्ण रेड्डी**। ''फ्रॉम फोलियोस टू फिल्म: अंडरस्टैंडिंग द नूएंसेस ऑफ ट्रांसक्रिएशन ऑफ मृच्छकटिकम एज उत्सव।'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रांसलेशन, खंड 30, सं. 2, दिसंबर 2018, पृष्ठ 97-112.
3. पटनायक, यू., पी. के. दास और **सी. एस. बहनीपति**। ''डेवलपमेंट इंटरवेंशन्स. एडाप्शन डिसीजन एंड फारमर्स' वेल-विङ्ग: इवीडेंस फ्रॉम ड्राट-प्रोन हाउसहोल्ड इन रुरल इंडिया'' क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट, खंड 11, सं. 4, 2019, पृष्ठ 302-318.
4. **रघुरामाराजू, ए.** ''बैंडिंग डेलूजी एंड गुड़ारी फॉर इंडिया: रि-एक्जामिनिंग द रिलेशन बिटवीन आर्ट एंड पॉलिटिक्स इन यूरोप एंड इंडिया।'' सोफिया, खंड 57, सं. 3, सितंबर 2018, पृष्ठ 475-487.
5. **रघुरामाराजू, ए.** ''कंपाइलर्स नाउ एंड ऑथर्स लेटर: इंडेट फ्रॉम इंडियन फिलॉसफी।'' ब्रेयरफूट फिलास्फर्स: टेकिंग फ़िलास्फ़ी बैक, 2019.

4.2 पुस्तकें और बुक अध्याय

1. **द्विवेदी, प्रभा शंकर**। एपिस्टेमॉलजी एंड लिंग्विस्टिक्स: भर्तृहरि, स्ट्रक्चरलिज्म, एंड पोस्टस्ट्रक्चरलिज्म। मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, 2019.
2. **रघुरामाराजू, अदलुरु**। कैलिब्रेटिंग वेस्टर्न फिलॉस्फी फॉर इंडिया: रसो, डेरिडा, डेल्यूज, गुआटारी और वडेझाचंडीदास। राउसलेज इंडिया, 2019.
3. **रघुरामाराजू, अदलुरु**। वडेझाचंडीदास: धर्तसनामूसाहित्यमु। एम्सको पब्लिकेशन, 2019.
4. **सिरोही, राहुल ए.** फ्रॉम डेवलपमेंटलिज्म टू नियोलिबरलिज्म: ए कम्प्यैरेटिव एनालिसिस ऑफ ब्राजील एंड इंडिया। पालग्रेव मैकमिलन, 2019.
5. अराया, वी., **एस. एम. मेलियाक्कल**, और एल. फिलिप। ''वाटर पॉल्यूशन एंड ट्रीटमेंट टेक्नॉलजीज - इंडियन पर्सपैक्टिव।'' वाटर फ्यूचर्स ऑफ इंडिया: स्टेट्स ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलॉजी, संपादक: पी. पी. माजूमदार और वी. एम. तिवारी, इंडियन नेशनल साइंस, एकडमी, 2019, पृष्ठ 2015-252.
6. गोपकुमार जी और **आर. के. साई गोर्थी**। ''डीप लर्निंग एप्लीकेशन्स टू साइटोपैथोलॉजी: ए स्टडी ऑन मलेरिया एंड ऑन द क्लासिफिकेशन ऑफ ल्यूकेमिया सेल-लाइन्स।'' हैंडबुक ऑफ डीप लर्निंग एप्लीकेशन, वी. एमिलिया बालास, रॉय, एस. शेखर, शर्मा, डी., और समुई, पी., ईडीएस। चाम: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, 2019, पृष्ठ 219-257.

4.3 सम्मेलन की कार्यवाही/प्रस्तुतियां

आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्य अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सम्मेलनों/सेमीनारों में अपने शोध परिणाम प्रस्तुत करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्यों द्वारा वर्ष 2018-19 के दौरान सम्मेलनों/सेमीनारों में कुल 84 शोध लेख प्रस्तुत किए गए।

रासायनिक अभियांत्रिकी

- एच. रमनन**। “इलेक्ट्रो-सेपरेशन टेक्नॉलजीज फॉर वॉटर ट्रीटमेंट।” इंडो-जर्मन ज्वाइंट साइंटिफिक वर्कशॉप ऑन “मैम्ब्रेन्स फॉर वॉटर एंड एनर्जी”, सीएसआईआर-सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, भावनगर, गुजरात, 18-2 फरवरी, 2019.

सिविल अभियांत्रिकी

- अविरेशथ, एस. जे. गद्दाम, **पी. वी. संपत**, और **के. पी. बिलीगिरी**। “इंटरनेशनल एप्रोच टू इस्टीमेट इन्फिल्ड्रेशन रेट ऑफ पर्वियस कांक्रीट पेवमेंट्स।” इंटरनेशनल रोड फेडरेशन ग्लोबल आर2टी एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस, लास वेगास, यूएसए, 7-9 नवंबर, 2018.
- बी. राधिका**। “रिलायोबिलिटी एस्टीमेशन यूजिंग कंडिशनल गॉसियन सब-स्ट्रक्चरिंग।” 13वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल स्ट्रक्चरस टेक्नॉलजी (सीएसटी), बार्सिलोना, स्पेन, 4-6 सितंबर 2018.
- डी. घोष, राहुल, **ए. गांगुली**, और ए. मुखर्जी। “अल्ट्रासोनिक इमेजिंग एज ए डायग्रोस्टिक टूल फॉर डिटेक्शन ऑफ रबर कोरोज़न।” एशिया पैसिफिक वर्कशॉप ऑन स्ट्रक्चरल हेल्थ मॉनिटरिंग, हांगकांग, 12-15 नवंबर 2018.
- डी. घोष, एस. बेनीवाल, **ए. गांगुली**, ए. मुखर्जी और एस. बिश्नोई। “क्रॉस-कोरीलेशन बेस्ड इमेजिंग ऑफ डिफेक्ट्स इन प्लेट यूजिंग अल्ट्रासोनिक लैंब वेक्स।” एनडीई 2018 कॉन्फ्रेंस एंड एक्जीबिशन ऑफ द इंडिया सोसाइटी फॉर एनडीटी (आईएसएनटी), नवी मुंबई, 19-21 दिसंबर 2018.
- एच. एन. विनय, एफ. सिल्वा, जे. बी. सोसा, जी. बी. वे, और **के. पी. बिलीगिरी**। “एसेसमेंट ऑफ थ्रेशोल्ड फिल्म थिकनेस यूजिंग सरफेस एरिया फॉर आरएआर मॉडीफाइड असफाल्ट मिक्स्चर्स।” रबराइज्ड असफाल्ट-असफाल्ट रबर 2018 कॉन्फ्रेंस, कूगर पार्क, दक्षिण अफ्रीका, 25-28 सितंबर 2018.
- एच. एन. विनय, एफ. सिल्वा, जे. बी. सोसा, जी. बी. वे और **के. पी. बिलीगिरी**। “एसेसमेंट ऑफ थ्रेशोल्ड फिल्म थिकनेस यूजिंग सरफेस एरिया फॉर आरएआर मॉडीफाइड असफाल्ट मिक्स्चर्स।” रबराइज्ड असफाल्ट-असफाल्ट रबर 2018 कॉन्फ्रेंस, कूगर पार्क, दक्षिण अफ्रीका, 25-28 सितंबर 2018.
- एच. एन. विनय, वी. वेणुधरन, जी. साहा, **के. पी. बिलीगिरी**, और के. ई. कलह। “मशीनिस्टिक परफॉर्मेंश प्रीडिक्शन ऑफ फलेक्सिबल पेवमेंट्स एट वेरिंग व्हीकलर स्पीड्स: एन अप्रोच टू एडेस्स फ्रीक्लिंग्सी सिंगुलर्टी।” इंटरनेशनल रोड फेडरेशन ग्लोबल आर2टी एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस, लास वेगास, यूएसए, 7-9 नवंबर 2018.
- के. नरेंद्र, और **बी. राधिका**। “एक्सट्रीम वैल्यू एनालिसिस बेस्ड इस्टीमेशन ऑफ मल्टी-वैरिएट डिमांड कर्व्स।” स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग कन्वेंशन (एसईसी) 2018, जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, 19-21 दिसंबर 2018.
- के. नरेंद्र, और **बी. राधिका**। “एस्टीमेशन ऑफ मल्टी-वैरिएट डिमांड कर्व्स ऑफ कोरीलेटेड डिमांड पैरामीटर्स,” स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग कन्वेंशन 2018 (एसईसी 2018), जाधवपुर यूनिवर्सिटी कोलकाता, भारत, 19-21 दिसंबर 2018.
- किशोर सी. कुमार, वी. जी. राम, और **के. एन. सत्यनारायण**। “ए रिव्यू ऑफ स्टडीज ऑन एनवॉयरमेंटल परफॉर्मेंस एनालिसिस ऑफ कंट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट मैनेजमेंट यूजिंग लाइफ साइकल एसेसमेंट।” 8वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्टनबल वेस्ट मैनेजमेंट, एनयू गुंटूर, आंध्र प्रदेश 22-24 नवंबर 2018.
- एम. मदन, और **एस. जैन**। “रियल-टाइम एयर क्लालिटी एक्सपोजर एसेसमेंट इनसाइड द डिफरेंट पैसेंजर मोड्स ऑफ ट्रांसपोर्ट इन दिल्ली।” इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एटमॉस्फियर कैमिस्ट्री एंड फिजिक्स इन हाइली पॉल्यूटेड एनवॉयरमेंट्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली 24-26 मार्च, 2019.
- एन. कथूरिया, और **एस. जैन**। “डिटरमिनेंट्स ऑफ लंग कैंसर यूजिंग इपीडिमियोलॉजिकल अप्रोच: ए केस-कंट्रोल स्टडी।” इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एटमॉसफेरिक कैमिस्ट्री एंड फिजिक्स इन हाइली पॉल्यूटेड एनवॉयरमेंट्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, 24-26 मार्च, 2019.

13. **आर. एम. ओइनम**, पी. सी. ए. कुमार और डी. आर. साहू। ''इफेक्टिवनेस ऑफ स्टील फाइबर इन एक्सटर्नल बीम कॉलम ज्वाइंट्स अंडर साइक्लिक लोडिंग।'' 16वां सिम्पोजियम ऑन अर्थव्यवस्था इंजीनियरिंग (16एसईई), रुड़की, 20-22 दिसंबर 2018.
14. एस. कुमार, वी. वेणुधरन, **के. पी. बिलीगिरी**, और जे. बी. सोसा। ''परफॉर्मेंस करेक्ट्राइजेशन ऑफ रिएक्टेड एंड एक्टिवेटेड रबर मॉडिफाइड गैप ग्रेड असफाल्ट मिक्स्चर्स।'' रबराइज्ड अस्फाल्ट-अस्फाल्ट रबर 2018 कॉन्फ्रेंस, क्रूगर पार्क, दक्षिण अफ्रीका, 25-28 सितंबर 2018.
15. **एस. एम. मलियाक्कल**, और यू. कन्नन। ''डेवलपमेंट ऑफ एन अफोर्डेबल प्वाइंट ऑफ-यूज-डिसइनेफेक्शन सिस्टम फॉर रुरल इंडिया।'' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंगेजिंग कनाडा एंड इंडिया: चैलेंजस ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 8-9 जून, 2018.
16. एस. मितल, और **के. पी. बिलीगिरी**। ''ए रेशनल मेथडॉलजी टू इवैल्यूएट रेसीलिएन्स ऑफ ए सिटी इम्पेक्टेड बाई डिजास्टर: इम्फेसिस ऑन ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर।'' चौथा वर्ल्ड कांग्रेस ऑन डिजास्टर मैनेजमेंट, मुम्बई, 29 जनवरी - 1 फरवरी 2019.
17. सिंह, ए. के. चंद्रप्पा, **पी. वी. संपत**, और **के. पी. बिलीगिरी**। ''केस स्टडीज ऑन द कंस्ट्रक्शन ऑफ पर्वियस कंक्रीट पेवमेंट्स इन इंडिया।'' इंटरनेशनल सेमीनार ऑन कंस्ट्रक्शन एंड रिहैबिलिटेशन ऑफ रिज्ड पेवमेंट - करेंट प्रेक्टिस एंड वे फारवर्ड, स्पान्सर्ड बाई इंडिया रोड्स कांग्रेस, नई दिल्ली, 18-19 जनवरी, 2019.
18. सिंह, जी. एस. जगदीश, **पी. वी. संपत**, और **के. पी. बिलीगिरी**। ''ए रेशनल अप्रोच फॉर करेक्टराइजिंग इन-सीटू इंफिल्ट्रेशन पैरामीटर्स ऑफ ट्रू-लैर्यर्ड पर्वियस कंक्रीट पेवमेंट सिस्टम्स।'' 98वां ऐन्यूअल मीटिंग ऑफ द ट्रांसपोरेशन रिसर्च बोर्ड, नेशनल अकादमीज ऑफ इंजीनियरिंग, वाशिंगटन, डीसी, यूएसए, 13-17 जनवरी, 2019.
19. सिंह, जी. एस. जगदीश, **पी. वी. संपत**, और **के. पी. बिलीगिरी**। ''एन इनोवेटिव एप्रोच टू एस्टीमेट इन्फिल्ट्रेशन रेट ऑफ पर्वियस कंक्रीट पेवमेंट्स।'' इंटरनेशनल रोड फेडरेशन ग्लोबल आर2टी एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस, लास वेगास, यूएसए, 7-9 नवंबर, 2018.
20. टी. शर्मा, और **एस. जैन**। ''इम्पेक्ट ऑफ ट्रांसपोरेशन डिमांड मैनेजमेंट पॉलिसीज ऑन द मोडल शेयर एंड एयर क्लालिटी इन सिटीज: क्यूसेस. कांसीक्विंसेस एंड इफेक्टिवनेस ऑफ पॉलिसी ऑप्शन्स।'' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एटमॉसफेरिक कैमिस्ट्री एंड फिजिक्स इन हाइली पॉल्यूटेड एनवॉयरमेंट्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, 24-26 मार्च, 2019.
21. वी. बर्थवाल, और **एस. जैन**। ''एक्यूप्रेशनल हेल्थ इफेक्ट्स एमंग वूमन कंस्ट्रक्शन वर्कर्स: ए प्रिस्क्रिप्शन बेस्ड क्रॉस सेक्शनल स्टडी इन दिल्ली एंड सेटेलाइट टाउन्स।'' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एटमॉसफेरिक कैमिस्ट्री एंड फिजिक्स इन हाइली पॉल्यूटेड एनवॉयरमेंट्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, 24-26 मार्च, 2019.
22. वी. वेणुधरन, **के. पी. बिलीगिरी**, ए. कुमार, यू. मुखर्जी, और आर. चतुरराज। ''फील्ड इंवेस्टीगेशन्स ऑन असफाल्ट-रबर गैप-ग्रेड (एआर-गैप) पेवमेंट्स प्लेस ऑन हाइवेज इन इंडिया।'' रबराइज्ड असफाल्ट-असफाल्ट रबर 2018 कॉन्फ्रेंस, क्रूगर पार्क, दक्षिण अफ्रीका, 25-28 सितंबर 2018.

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

1. एन. शर्मा, और **एस. चिमलाकोंडा**। ''लर्निंग रिकर्शन फ्रॉम म्यूजिक एंड म्यूजिक फ्रॉम रिकर्शन।'' आईईईई 18वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस लर्निंग टेक्नॉलजीज (आईसीएलटी), आईआईटी बॉम्बे, 9-13 जुलाई, 2018.
2. एन. शर्मा, और **एस. चिमलाकोंडा**: ''लर्निंग रिकर्शन फ्रॉम म्यूजिक एंड म्यूजिक फ्रॉम रिकर्शन।'' आईईईई 18वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस लर्निंग टेक्नॉलजीज (आईसीएलटी), जुलाई 2018 पृष्ठ 257-261.
3. आर. शर्मा, और **वी. बदराला**। ''जियोमैट्रिकल ऑप्टीमाइजेशन ऑफ ए नोवेल बीकन प्लेसमेंट स्ट्रेटिजी फॉर 3डी इंडोर लोकेलाइजेशन।'' आईईईई एनटीएस वर्कशॉप ऑन ग्रीन आईसीटी फॉर नेक्स्ट जनरेशन वायरलेस नेटवर्क्स, इंदौर, 16-19 दिसंबर, 2018.
4. आर. शर्मा, और **वी. बदराला**। ''एनालिसिस ऑफ ए नोवेल बीकन प्लेसमेंट स्ट्रेटिजी फॉर 3डी लोकेलाइजेशन इन इंडोर स्पेसेस।'' आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कमम्युनिकेशन सिस्टम्स एंड नेटवर्क (सीओएमएसएनईटीएस), जनवरी 2019 पृष्ठ 7-11.
5. आर. शर्मा, और **वी. बदराला**। ''जियोमैट्रिकल ऑप्टीमाइजेशन ऑफ ए नोवेल बीकन प्लेसमेंट स्ट्रेटिजी फॉर 3डी इंडोर लोकेलाइजेशन।'' आईईईई एनटीएस वर्कशॉप ऑन ग्रीन आईसीटी फॉर नेक्स्ट जनरेशन वायरलेस नेटवर्क्स, दिसंबर, 2018 पृष्ठ 16-19.

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

- ए. अरवनीतकी, एन. पप्पास, **पी. महापात्रा**, और एन. कार्लसन। ''डिले परफॉर्मेंस ऑफ ए टू-यूजर ब्रॉडकॉस्ट चैनल विद सिक्यूरिटी कॉन्स्ट्रक्शन्स।'' ग्लोबल इंफॉर्मेशन इंफॉर्स्ट्रक्चर एंड नेटवर्किंग सिम्पोजियम (जीआईआईएस), ग्रीस, 23-25 अक्टूबर 2018
- ए. सिन्हा, **पी. महापात्रा**, जे. ली और टी. क्यू. एस. क्यू.क्यू. ''ऑन द सेक्रेसी कैपासिटी ऑफ 2-यूजर गॉसियन इंटरफ़ेस चैनल विद इंडेपेंडेंट सीक्रेट कीज।'' प्रोक. आईईईआईएसआईटीए, सिंगापुर, 28-31 अक्टूबर, 2018.
- ए. थॉमस, आर. शीबा, और **आर. के. साई. गोर्थी**। ''वैरिएबल पैच डिक्शनरीज फॉर इफीसिएंट कम्प्रेस्ड सेंसिंग बेर्स्ड एमआरआई द रिकन्स्ट्रक्शन्स।'' 11वां इंडियन कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स एंड इमेज प्रोसेसिंग (आईसीवीजीआईपी'18), आईआईआईटी हैदराबाद, 18-22 दिसंबर, 2018.
- डी. सिंह, जे. मुखर्जी, **पी. एस. साईकृष्ण**, आर. पसुमंथी और डी. कृष्णमूर्ति। ''परफॉर्मेंस मैनेजमेंट वाया एमपीसी फॉर वेव सर्विसेज इन क्लाउड।'' 2018 एन्जुअल अमेरिकन कंट्रोल कॉन्फ्रेंस (एसीसी), मिल्वौकी, डब्ल्यूआई, 27-29 जून 2018।
- जी. ई. स्पूर्ति, एस. गोर्थी, और **आर. के. साई एस. गोर्थी**। ''ए डीप लर्निंग बेर्स्ड मॉडल फॉर फेज अनरैपिंग।'' 11वां इंडियन कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स एंड इमेज प्रोसेसिंग (आईसीवीजीआईपी'18), आईआईआईटी हैदराबाद, 18-22 दिसंबर, 2018.
- हज-याद्या, जवाद, मिंग मिंग वोंग, **बी. पुदी**, शिवमभासीन, और अनुपम चट्टोपाध्याय। ''लाइटवेट सिक्योर-बूट आर्किटेक्चर फॉर आरआईएससी-वी सिस्टम-ऑन-चिप।'' 20वां आईईईआई इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन क्लालिटी इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन (आईएसक्यूर्डी), सांता क्लारा, यूएस, 11-13 मार्च, 2019.
- जे. के. मंडपल्ली, एस. एस. गोर्थी, **आर. के. साई एस. गोर्थी**, और **एस. गोर्थी**। ''सर्कुलर फ्रिंज प्रोजेक्शन मेथड फॉर 3डी प्रोफाइलिंग ऑप हाई डायनामिक रेंज ऑब्जेक्ट्स।'' 14वां इंटरनेशनल ज्वाइंट कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विजन, इमेजिंग और कंप्यूटर ग्राफिक्स थ्योरी एंड एप्लिकेशन: वीआईएसएपी, प्राग, चेक रिपब्लिक, 25-27 फरवरी 2019.
- के. नवीन, एम. मुरली, और **आर. के. साई एस. गोर्थी**। ''ट्रैकिंग बाई डिटेक्शन एंड डिटेक्शन फॉर ट्रैकिंग ऑफ आरबीसी एंड एसपीआरएएम सेल्स इन आईएफसी।'' 11वां इंडियन कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स एंड इमेज प्रोसेसिंग (आईसीवीजीआईपी'18) मेड आईएमजी वर्कशॉप, आईआईआईटी हैदराबाद, 18-22 फरवरी 2018.
- के. पी. नवीन** और आर. सुंदरसन। ''ए डबल-ऑक्शन् मैकेनिज्म फॉर मोबाइल डाटा-ऑफलोडिंग मार्केट्स विद स्ट्रेटिज्क एजेंट्स।'' वाईओप्ट '18, द 16वां इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मॉडलिंग एंड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ मोबाइल, एड हॉक एंड वायरलेस नेटवर्क, शंघाई, चीन, 07-11 मई, 2018.
- के. पी. नवीन**। ''कोक्सीटेंस ऑफ एलटीई-अनलाइसेंस्ड एंड वाईफाई विद ऑप्टिमल चैनल एग्रीगेशन।'' एनईटीजीसीओओपी 18 (इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेटवर्क गेम्स, कंट्रोल एंड ऑप्टोमाइजेशन), न्यूयॉर्क, यूएस, 14-16 नवंबर 2018.
- के. पी. नवीन**। ''परफॉर्मेंस एनालिसिस ऑफ वॉयरलेस नेटवर्क्स।'' डीएसटी-डीबीटी ज्वाइंट कॉन्क्लेव, जयपुर, 8-10 जून 2018.
- एल. राउत, एम. दीपक, और **आर. के. साई एस. गोर्थी**। ''डब्ल्यूएर्एफ: वेटेड लीगेशन विद एन्हांसमेंट फिल्टर फॉर विजुअल ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग।'' कंप्यूटर विजन दृयोपियन कॉन्फरेंस ऑन कंप्यूटर विजन (ईसीसीवी), विजुअल ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग वर्कशॉप, म्यूनिख, जर्मनी, 08-14 सितंबर 2018.
- एल. राउत, एम. आर. प्रिया, एम. दीपक, और **आर. के. साई एस. गोर्थी**। ''लर्निंग रोटेशन एडेप्टिव कोरेलेशन फिल्टर्स इन रॉबिंग विजुअल ट्रैकिंग।'' 14वां एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विजन (एसीसीवी) 2018, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया, 2-5 दिसंबर, 2018.
- एम. आर. प्रिया, एम. दीपक, और **आर. के. साई गोर्थी**। ''विजुअल ऑब्जेक्ट चैलेंज रिजल्ट्स 2018।'' कंप्यूटर विजन - यूरोपियन कॉन्फरेंस ऑन कंप्यूटर विजन (ईसीसीवी), विजुअल ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग वर्कशॉप, म्यूनिख, जर्मनी, 8-14 सितंबर 2018.
- एन. जॉर्ज, पी. वोका, और **एस. गोपालकृष्ण**। ''एन एफीसिएंट डिजिटाइज़र फॉर कैलीब्रेशन ऑफ इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर्स।'' 2018 आईईईआई 9वां इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन एप्लाइड मैजरमेंट्स फॉर पॉवर सिस्टम्स (एएमपीएस), बोलोग्ना, 26-28 सितंबर, 2018.
- एन. जॉर्ज, पी. वोका, और **एस. गोपालकृष्ण**। ''एन एफीसिएंट डिजिटाइज़र फॉर कैलीब्रेशन ऑफ इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर्स।'' 2018 आईईईआई 9वां इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन एप्लाइड मैजरमेंट्स फॉर पॉवर सिस्टम्स (एएमपीएस), बोलोग्ना, 26-28 सितंबर, 2018.
- प्रिया एम. राजू, एम. दीपक, और **आर. के. साई एस. गोर्थी**। ''बैग ऑफ विजुअल वड्स बेर्स्ड कोरीलेशन फिल्टर ट्रैक (बीओवीडब्ल्यू-सीएफटी),।'' 11वां इंडियन कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स एंड इमेज प्रोसेसिंग (आईसीवीजीआईपी'18), आईआईआईटी हैदराबाद, 18-22 दिसंबर 2018.

18. टी. सुमंत, के. पी. नवीन और एस. भाश्याम ''इन्फ्रास्ट्रक्चर-बेस्ड वायरलेस नेटवर्क: कवरेज एंड परकोलेशन प्रॉपर्टीज।'' एपीएसडब्ल्यूआईएन' 18 (वर्कशॉप आँन स्पेटियल स्टोचस्टिक मॉडल फॉर वायरलेस नेटवर्क), हेल्ड इन कंजक्शन विद डब्ल्यूआईओपीटी'18, शंघाई, चीन, 7-11 मई 2018.
19. वी. स्वेथा, एम. दीपक, और आर. के. साई एस. गोर्थी ''स्केल एंड रोटेशन करेक्टेड सीएनएनएस (एसआरसी-सीएनएन) फॉर स्केल एंड रोटेशन इनवेरिएंट कैरेक्टर रिकॉग्निशन।'' 11वां इंडियन कॉन्फ्रेंस आँन कंप्यूटर विजन, ग्राफिक्स एंड इमेज प्रोसेसिंग (आईसीवीजीआईपी'18), आईआईआईटी हैदराबाद, 18-22 दिसंबर 2018.

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

1. बी. सुब्रमण्यन। ''ड्रोन बेस्ड एक्सीपेरीमेंटल इवेस्टीगेशन ऑफ फलो एराउंड मल्टी-एमडब्ल्यू विंड फार्म इन डिफरेंट टेरेंस।'' प्रथम मीटिंग ऑफ द इंडस्ट्री एंड अकेडमियां नेटवर्किंग वर्कशॉप, नेशनल इंस्टीचूट ऑफ विंड एनर्जी (एनआईइलब्यूई) चेन्नई, 14 जून 2018.
2. डी. वी. किरण। ''थर्मल-मैटलर्जिकल-मैकेनिकल मॉडलिंग ऑफ डिपोजिशन वेलिंग प्रोसेस।'' ज्वाइंट कॉन्क्लेव ऑफ मॉनिटरिंग-कम-इंटरेक्शन मीट, होटल मैरियट, जयपुर, 8-10 जून 2018.
3. जे. दास, एस. आर. बानिक, एस. आर. एस., एस. के रेड्डी, एम. आर. शंकर, और पी. एस. रोबी। ''रिव्यू आँन प्रोसेस पैरामीटर्स इफेक्ट आँन फटीग क्रैक ग्रोथ रेट इन फ्रिक्शन स्टर वेलिंग।'' 9वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आँन मेटेरियल प्रोसेसिंग एंड करेक्ट्राइजेशन (आईसीएमपीसी-2019), जीआरआईईटी, हैदराबाद, 08-10 मार्च 2019.
4. एम. आर. शंकर, एस. सक्सेना, एस. आर. बानिक, आई. एम. इकबाल, आर. नाथ, एल. जे. बोरा, और के. के. गजरानी ''एक्सीपेरीमेंटल स्टडी एंड अर्टीफिशल नेचुरल नेटवर्क मॉडलिंग ऑफ मशीनिंग विद मिनिमम क्वांटिटी कटिंग फ्लूइड।'' 9वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आँन मेटेरियल प्रोसेसिंग एंड करेक्ट्राइजेशन (आईसीएमपीसी-2019), जीआरआईईटी, हैदराबाद, 08-10 मार्च 2019.
5. राकेश शर्मा और ई. अनिल कुमार। ''सिलेक्शन ऑफ हालिडे साल्ट्स वर्किंग पेयर फॉर रिसॉर्प्शन बेस्ड डिवाइस।'' 5वां नेशनल कॉन्फ्रेंस आँन रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, एनआईटी सुरथकल, 24-26 मई 2018.
6. रमेश और एस. सुंदर। ''एनालिसिस ऑफ ड्रम ब्रेक एज ए सोर्स ऑफ ऑटोमोटिव विब्रो-अकुस्टिक्स।'' 48वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेस एंड एक्जीवेशन आँन नॉइज कंट्रोल इंजीनियरिंग, मैट्रिड, स्पेन, 16-19 जून 2019.
7. एस. सिंह, आर. बैया, एस. सुंदर और के. पी. बिलीगिरी। स्टडी ऑफ टायर-पेवमेंट नॉइज जनरेशन मैकेनिज्म यूजिंग ए टू-व्हीलर। 48वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेस एंड एक्जीवेशन आँन नॉइज कंट्रोल इंजीनियरिंग, मैट्रिड, स्पेन, 16-19 जून 2019.
8. एस. आर. बानिक, आई. एम. इकबाल, आर. नाथ, एल. जे. बोरा, बी.के. सिंह, एन. मंडल, और एम. आर. शंकर, ''स्टेट ऑफ द आर्ट ऑन जिरकोनिया टफेन्ड एल्युमिना कटिंग टूल्स।'' 9वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आँन मेटेरियल प्रोसेसिंग एंड करेक्ट्राइजेशन (आईसीएमपीसी-2019), जीआरआईईटी, हैदराबाद, 08-10 मार्च 2019.
9. सूर्य प्रकाश आर, प्रसाद बोगावपरापु, एम. एम. अवूलपति, और रविकृष्ण आर. वी. ''सेकेंड्री ऑटोमाइजेशन - विंडिकेशन ऑफ न्यू ब्रेकअप रिजीम्स एंड डिटेल्ड ड्राप साइंजिंग।'' आईसीएलएसएस-2018, शिकागो-आईएल, 22-26 जुलाई 2018.

भौतिक विज्ञान

1. आर.एस. मन्ना। ''ब्रेकडाउन ऑफ मैग्नेटिक ऑर्डर इन द प्रेशराइज्ड 3डी कितेव इसिडेट $\beta\text{-Li}_2\text{IrO}_3$ ।'' अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी (एपीएस) मार्च मीटिंग, बोस्टन, 4-8 मार्च 2019.
2. वी. पी. मैजेटी। ''एबिनिटियो मॉलिक्यूलर स्ट्रॉन्ग फील्ड आयोनेशन।'' 13वां एशियन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आँन अटॉमिक एंड मॉडीक्यूलर फिजिक्स, मुंबई, 3-8 दिसंबर, 2018.

गणित

1. जी. पी. कपूर, और एस. ए. प्रसाद। ''मल्टीरेजोल्यूशन एनालिसिस बेस्ड ऑन कोएलेसेंस हिडन-वेरीएबल फ्रैक्टल इंटरपोलेशन फंक्शन्स।'' फ्रैक्टल जियोमेट्री एंड स्टोचस्टिक्स 6, बैड हेररेनब (ब्लैक फॉरेस्ट), जर्मनी, 30 सितंबर -05 अक्टूबर 2018.
2. आई. दास, एस. सेन, एन.आर. चांगटी, और पी. सेनगुप्ता। ''रिप्रेशन इन द डबली इंफलेटेड मल्टीवेरिएट प्वासों डिस्ट्रीब्यूशन।'' नेशनल कॉन्फ्रेंस आँन चैलेंज एंड अपॉरच्यूनिटी इन स्टेटिस्टिक्स एंड इंफर्मेटिक फॉर फ्यूचरिस्टिक ह्यूमनोस्फेर्यर स्पेसियली इन एग्रीकल्चर (सीओएसआईएफएचए - 2019), एस.वी. कृषि महाविद्यालय, तिरुपति, 29 - 31 जनवरी 2019.

3. **एस. राजेश।** “लिम्स सेंटर एंड फिक्स्ड-पॉइंट थ्योरीज फॉर आईसोमेट्री मैपिंग।” 10वां एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन फिक्स प्वाइंट थ्योरी और ऑप्टिमाइज़ेशन, चियांग मार्ई, थाईलैंड, 16 – 18 जुलाई 2018.
4. **एस. ए. प्रसाद।** “रिमान-लिउविले फ्रैक्शनल कलकूलस ऑफ ब्लैंकमैंग कर्व एंड कैंटर फंक्शंस।” एनएसएफ सीबीएमएस कॉन्फ्रेंस - हारमोनिक एनालिसिस: स्मूथ एंड नन-स्मूथ, आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, एम्स, यूएसए, 02 – 08 जून 2018.
5. **वी. राघवेंद्र।** “फ्यू रिमार्क ऑन लिनियर इलिप्टिक इक्फेशन्स।” नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट ट्रेंड्स इन मैथमेटिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स (एनसीआरटीएमए2018), गिटम स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, बैंगलुरु, 21–22 दिसंबर 2018.
6. **वी. राघवेंद्र।** “ऑन इलिप्टिक इक्फेशन्स: ए फ्यू कॉमेंट्स।” नेशनल वर्कशॉप ऑन मैथमेटिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स, एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति, 8–10 नवंबर 2018.

मानविकी और समाज विज्ञान

1. **ए. रघुरामराजू।** “एक्सकेवेटिंग द फाउंडेशन ऑफ इनीक्वालिटी।” इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन इगालिट्रेनिज्म, हायरची एंड ग्लोबल इन्टेलक्चूअल लेबर बियोन्ड द वेस्ट, ज्वाइंटली ऑर्गेनाइज़ वाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, बैंगलुरु एंड यूनिवर्सिटी ऑफ बर्गन, नॉर्वे, इन कोलैबोरेशन विद यूरोपियन रिसर्च काउंसिल, एट एनआईएएस, बैंगलुरु, 17–20 सितंबर 2018.
2. **ए. रघुरामराजू।** “सेक्यूलर रीलिजियॉसिटी एंड रिलिजियस सेक्यूलर्टी: रिथिकिंग द इंडियन एजेंसी इन द शेपिंग ऑफ मॉडर्निटी।” एएस इन एशिया, नई दिल्ली, 5–7 जुलाई, 2018.
3. **ए. रघुरामराजू।** “टेंपोरल इम्बैलेंस इन डिबेट्स इन मॉर्डन इंडियन फिलॉस्फी।” इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन न्यू फ्रंटियर्स इन संस्कृति एंड इंडिक नॉलेज, चिन्मय विश्वविद्यालय, कोचीन 17–19 दिसंबर 2018.
4. **सी. एस. बहिनिपति।** “एक्सेस टू वाटर एक्रॉस स्मार्ट सिटीज इन इंडिया: इश्यू एंड चैलेंज्स।” एसआईसीआई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंगेजिंग कनाडा एंड इंडिया: चैलेंज्स ऑफ स्टटनेबल डेवलपमेंट गोल्स., इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 8–9 जून 2018.
5. **सी.एस. बहिनिपति।** “झू एक्साइटिंग ट्रांसफार्मेटिव एंड क्यूरेटिव ऑप्शन्स इफेक्टिविली रिड्यूस नन-इकॉनॉमिक लॉस एंड डेमैज इन वेस्टर्न इंडिया ?।” चौथा इंटरनेशनल रिसर्च सिमपोजियम ऑफ राजराता यूनिवर्सिटी ऑफ श्री लंका-इंवेस्टिंग इन बॉयोडायवर्सिटी एंड इकोसिस्टम सर्विसेज-आईएसआईबीईएस 2018, 17–18 अक्टूबर, 2018.
6. **सी. एस. बहिनिपति।** “झू फार्म्स रिस्पॉन्ड टू क्लाइमेट चेंज इन इंडिया: ए सिस्टेमेटिक रिव्यू ऑफ लिटरेचर।” नेशनल सेमीनार ऑन ग्रीन रेवूलेशन एंड एग्रीकल्चरल सस्टेनेलिबिटी इन इंडिया: इश्यू एंड चैलेंज्स, रेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, 23–24 फरवरी 2019.
7. **सी. एस. बहिनिपति।** “डज फार्म-लेवल एडप्टेशन टू क्लाइमेट चेंज इंहेंस एग्रीकल्चरल इंकम? इवीडेंस फ्रॉम ड्राथ-प्रोन हाउसहोल्ड्स इन रुरल इंडिया।” टेक्निकल कंसलटेंट वर्कशॉप ऑन ‘इंटीग्रेटेड क्लाइमेट वलनरेबिलिटी एंड रिस्क मैनेजमेंट इन हिमाचल प्रदेश एंड तमिल नाडु’ जीआईजेड, नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 2018.
8. **सी. एस. बहिनिपति।** “इकोनॉमिक एंड नन-इकोनॉमिक लॉस एंड डेमैज फ्रॉम ड्राट्स इन वेस्टर्न इंडिया: रोल ऑफ इरीगेशन एंड क्राप-इंश्योरेंस।” एडाप्शन फ्यूचर 2018, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, 18–21 जून 2018.
9. **सी. एस. बहिनिपति।** “इकोनॉमिक एंड नन-इकोनॉमिक लॉस एंड डेमैज फ्रॉम ड्राट्स इन वेस्टर्न इंडिया।” नेशनल वर्कशॉप ऑन इकोनॉमिक कॉस्ट ऑफ क्लाइमेट चेंज इन रुरल इंडिया, मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, चेन्नई, 12–13 जुलाई 2018.
10. **सी. एस. बहिनिपति।** “स्मार्ट सिटीज, एक्सेस टू सेफ ड्रिंकिंग वॉटर, एंड एसडीजीजीस: एविडेंस फ्रॉम इंडियन सिटीज।” इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वाटर सिक्योरिटी एंड क्लाइमेट चेंज, केन्याटा यूनिवर्सिटी, नैरोबी, केन्या, 3–5 दिसंबर 2018.
11. **सी. एस. बहिनिपति।** “स्मार्ट सिटीज, एक्सेस टू सेफ ड्रिंकिंग वॉटर, एंड एसडीजीजीस: वेह्वार इंडियन सिटीज आर?।” इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन द चैलेंज्स ऑफ गवर्नेंस इन मेगा सिटी, इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड इकॉनोमिक चेंज, बैंगलुरु, 25–26 अक्टूबर, 2018.
12. **सी. एस. बहिनिपति** और यू. पटनायक। “डज डेवलपमेंट रिड्यूस डेमैज रिस्क फ्रॉम क्लाइमेट एक्सट्रीम्स? इम्पीरिकल इवीडेंस फॉर फ्लड्स इन इंडिया।” चौथा आईएफएमआर एनुअल रिसर्च सेमीनार, इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड रिसर्च, श्री सिटी, 17–18 अप्रैल 2018.
13. **सी. एस. बहिनिपति** वी. कुमार और पी.के. विश्वनाथन। “ए सिस्टमेटिक रिव्यू ऑफ इंडिया बिहेवियरल एण्ड एक्सीपरीमेंटल इकॉनमिक्स प्रिसिपल्स।” टीएपीआईएमआई-मैक्स प्लॉक- एसओटीओएन विंटर स्कूल ऑन बाउंडेड रेशनलिटी 2019, मणिपाल, 14–20 जनवरी 2019.

14. पंकज कुमार वर्मा, और **पी.एस. द्विवेदी**। ''धनंजय कॉन्सेप्शन्स ऑफ ड्रामेटिक आर्ट एंड द ड्रामेटजी ऑफ अर्ली हिंदी सिनेमा।'' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रीजन/नेशन/ट्रांस-नेशन: लिटरेचर-सिनेमा इंटरफेस, बीआईटीएस पिलानी, गोवा कैंपस, 31 जनवरी-2 फरवरी 2019.
15. **पी. एस. द्विवेदी**। ''बियॉन्ड टेक्स्ट एंड टेक्स्चुअलिटी: अनुमान एज अ पोस्ट-ट्रांसफॉर्मेशनल एजेंडा फॉर द थ्योरी ऑफ पोएट्री।'' 17वां वर्ल्ड संस्कृत कॉन्फ्रेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कॉलंबिया, वैंकूवर, कनाडा, 9-13 जुलाई, 2018.
16. **पी.एस. द्विवेदी**। ''सीता- ए सेलवन डेइटी: ट्रूवाइर्स एन इको-थियोलॉजिकल एप्रेज़ल ऑफ रामायण एंड उत्तररामचरित।'' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वूमन, इकोलॉजी एंड कल्चरल कोगनीजेंस: ए बुलेवार्ड ऑफ स्टनेबल एमीएबीलिटी, अमृता विश्वविद्यालय, अमृतापुरी, केरल, 15-17 दिसंबर, 2018.
17. **पी.एस. द्विवेदी**। ''वेद, एंड भर्तृहरि: ट्रूवाइर्स डिसिनटेरिंग - डेवलपमेंट ऑफ मॉर्डन लिंगिस्टिक्स।'' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन न्यू फ्रंटिर्स इन संस्कृत एंड इंडिक नॉलेज - 2018, चिमाया विश्वविद्यापीठ, एनाकुलम, केरल, 17-19 दिसंबर 2018.
18. **पी. एस. द्विवेदी**। ''वर शूद्रक्ष डेज मोर प्रोग्रेसिव देन आवर्स? ट्रूवाइर्स ए डायलॉक्टिकल स्टडी ऑफ जेंडर बायसेस इन मृच्छाकटिका एंड उत्सव।'' आईसीपीआर स्पॉन्सर्ड सेमीनार ऑन 'वूमन, जेंडर एंड पात्रियाचर्च: इक्सप्लोरिंग द मार्जिन्स', दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 15-17 अक्टूबर, 2018.

4.4 आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्यों द्वारा प्रदत्त आमंत्रित व्याख्यान

संकाय सदस्यों को भारत और विदेशों में स्थित विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं में विशेष व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। आईआईटी तिरुपति द्वारा कुल 93 आमंत्रित व्याख्यान दिए गए।

सिविल अभियांत्रिकी

1. **ए. गंगुली**: ''लुकिंग इनसाइड कॉन्क्रीट - द अल्ट्रासोनिक एंड थर्मोग्राफिक अप्रोच।'' टेक्सास एंड यूनिवर्सिटी, कॉलेज स्टेशन, टेक्सास, यूएसए, जे. माइक वॉकर '66 डिपार्टमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग, नेशनल अकादमी ऑफ इंजीनियरिंग, यूएसए, जनवरी 2019
2. **ए. गंगुली**: ''लुकिंग इनसाइड कंक्रीट - द अल्ट्रासोनिक एंड थर्मोग्राफिक अप्रोच।'' यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए, डिपार्टमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग, जनवरी 2019.
3. **ए. गंगुली**: ''लुकिंग इनसाइड कॉन्क्रीट - द अल्ट्रासोनिक एंड थर्मोग्राफिक अप्रोच।'' यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स लोवेल, एमए, यूएसए, जनवरी 2019.
4. **ए. गंगुली**: ''लुकिंग इनसाइड कंक्रीट - द अल्ट्रासोनिक एंड थर्मोग्राफिक अप्रोच।'' नॉर्थइस्टर्न यूनिवर्सिटी, बोस्टन, यूएसए, जनवरी 2019.
5. **ए. गंगुली**: ''लुकिंग इनसाइड कॉन्क्रीट - द अल्ट्रासॉनिक एंड थर्मोग्राफिक अप्रोच।'' ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च बोर्ड कमेटी एफएफ40 मीटिंग ऑन टेस्टिंग एंड इवेलुएशन ऑफ ट्रांस्पोर्टेशन स्ट्रक्चर्स, वाशिंगटन डी.सी., यूएसए, जनवरी 2019.
6. **ए. गंगुली**: ''लुकिंग इनसाइड कॉन्क्रीट - द अल्ट्रासोनिक एंड थर्मोग्राफिक अप्रोच।'' एनडीई 2018 कॉन्फ्रेंस एंड एक्जीबिशन ऑफ द इंडियन सोसाइटी फॉर एनडीटी (आईएसएनटी), मुम्बई, दिसंबर 2018.
7. **के. पी. बिलीगिरि**: ''ए रेशनल एप्रोच फॉर करेक्ट्राइजेशन इ-सीटू इंफिल्ट्रेशन पैरामीटर्स ऑफ टू-लेयर्ड पर्वियस कंक्रीट पैवमेंट सिस्टम्स।'' 98वां एनुअल मीटिंग ऑफ द ट्रांस्पोर्टेशन रिसर्च बोर्ड, नेशनल अकादमीज ऑफ इंजीनियरिंग, वाशिंगटन, डीसी, यूएसए, 14 जनवरी 2019.
8. **के. पी. बिलीगिरि**: ''एडवांटेज्स ऑफ पर्वियस कंक्रीट एंड असफाल्ट-रबर पैवमेंट सिस्टम्स।'' वर्कशॉप ऑन स्टनेबल टेक्नॉलजीज इन ट्रांस्पोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर, तिरुवनंतपुरम, केरल, 15-16 मार्च 2019.
9. **के. पी. बिलीगिरि**: ''एन इनोवेटिव एप्रोच टू इस्टीमेट इंफिल्ट्रेशन रेट ऑफ पर्वियस कंक्रीट पैवमेंट्स।'' इंटरनेशनल रोड फेडरेशन ग्लोबल आर2टी एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस, लास वेगास, यूएसए, 7 नवंबर 2018.
10. **के. पी. बिलीगिरि**: ''असफाल्ट-रबर रोडवे टेक्नॉलजी: ट्रूवाइर्स फ्यूचरिस्टिक परपेचुअल पैवमेंट सिस्टम।'' इंस्टीट्यूट लेक्चर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी तिरुपति, आंध्र प्रदेश, 31 अक्टूबर 2018.

11. **के. पी. बिलीगिरी:** ''डेवलपमेंट ऑफ वार्म-मिक्स असफाल्ट-रबर (डब्लूएम-एआर) मिक्सचर स्टैंडर्ड स्पेसिफिकेशन्स एंड डिजाइन प्रैक्टिस फॉर रोड एप्लीकेशन्स।'' रिसर्च सेमिनार, न्यू फैकल्टी सीड ग्रांट कमेटी रिव्यू मीटिंग, स्पॉन्सर्ड रिसर्च एंड कंसल्टेंसी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, आंध्र प्रदेश, भारत, 18 जून 2018.
12. **के. पी. बिलीगिरी:** ''मैकेनिस्टिक परफॉर्मेंस प्रेडिक्शन ऑफ फ्लेक्सिबल पेवमेंट्स एट वैरिंग व्हीकलिस्टिक स्पीड्स: एन अप्रोच दू एड्रेस फ्रिक्वेंसी सिंग्युलैरिटी।'' इंटरनेशनल रोड फेडरेशन ग्लोबल आर2टी एक्सपो एंड कॉन्फ्रेंस, लास वेगास, यूएसए, 7 नवंबर 2018.
13. **के. पी. बिलीगिरी:** ''आरएआरएक्स रिसर्च इन इंडिया एंड वे फॉरवर्ड।'' स्पॉन्सर्स प्रेजेंटेशन आरएमपीडी 20 इयर्स कॉन्फ्रेस, लिस्बन, पुर्तगाल, 27-28 मार्च 2019.
14. **के.पी. बिलीगिरी:** ''रोडवे कंस्ट्रक्शन्स बेस्ट प्रैक्टिसेस: सस्टेनेबिलिटी इन ट्रांस्पोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर।'' 3-डे रेजीडेंशियल ट्रैनिंग प्रोग्राम फॉर इंजीनियर ऑफ द स्टेट ऑफ आंध्र प्रदेश, आर्गेनाइज्ड बाई आंध्र प्रदेश ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, 21 जून 2018.
15. **के. पी. बिलीगिरी:** ''स्मार्ट एंड सस्टेनेबल पेवमेंट सिस्टम्स।'' ए शॉर्ट-कोर्स ऑन सस्टेनेबल रोडवेज - डिजाइन एंड कंस्ट्रक्शन, सेंटर फॉर कंटीन्यूइंग एजुकेशन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बैंगलोर, कर्नाटक, 25 सितंबर 2018.
16. **के. पी. बिलीगिरी:** ''स्मार्ट एंड सस्टेनेबल पेवमेंट सिस्टम्स।'' एक्सपर्ट लेक्चर, आर. वी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बैंगलोर, कर्नाटक, भारत, 24 सितंबर 2018.
17. **के. पी. बिलीगिरी:** ''स्मार्ट एंड सस्टेनेबल पेवमेंट टेक्नॉलजीज: विजन फॉर फ्यूचर।'' कीनोट स्पीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रांस्पोर्टेशन रिसर्च इफोटर्स फॉर इकोलॉजिकल सस्टेनेबिलिटी, आर्गेनाइज्ड बाई वीएनआर विज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना 28 सितंबर 2018.
18. **के. पी. बिलीगिरी:** ''सस्टेनबल एंड स्मार्ट पेवमेंट टेक्नॉलजीजः विजन फॉर फ्यूचर।'' एएससीई एसवीईसी स्टूडेंट चेप्टर एक्सपर्ट लेक्चर, श्री विद्यानिकेतन इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, 6 फरवरी 2018.
19. **के. पी. बिलीगिरी:** ''सस्टेनबल एंड स्मार्ट पेवमेंट टेक्नॉलजीजः विजन फॉर फ्यूचर।'' एपी एचआरडीआई ब्रेनस्ट्रोमिंग सेशन, आर्गेनाइज्ड बाई आंध्र प्रदेश ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बापताला, आंध्र प्रदेश, 28 नवंबर 2018.
20. **एम. नित्याधरन:** ''सस्टेनबल कंस्ट्रक्शन टेक्निक्स इन आईआईटी तिरुपति।'' 5 डेज रेजीडेंशियल ट्रैनिंग प्रोग्राम ऑन ट्रेडिशनल एंड न्यू कंस्ट्रक्शन्स मैथडलॉजीज ऑफ बिल्डिंग एंड ब्रिज, एपीएचआरडीआई, बापताला, 12 जुलाई 2018.
21. **पी. वी. संपत्त:** ''एप्लीकेशन्स ऑफ डाटा-इंटेंसिव ग्राउंडवाटर मॉडलिंग टेक्निक्स।'' भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरु, 12 जुलाई 2018.
22. **आर. एम. ओइनम:** ''चैलेंज एंड इश्यूज इन हाइब्रिड सिमुलेशन'' इन ज्ञान कोर्स टाइटल्ड ''सिस्मिक परफॉर्मेंस एसेसमेंट ऑफ स्ट्रक्चर थू न्यूमेरिकल एंड हाइब्रिड सिमुलेशन्स'' आईआईटी हैदराबाद, कंडी, तेलंगाना, जुलाई, 2018.
23. **बी. राधिका:** ''प्रिंसिपल ऑफ 1डी फाईनाइट एलीमेंट एनालिसिस।'' शॉर्ट टर्म ट्रैनिंग प्रोग्राम ऑन कंप्यूटर ऐडेड एनालिसिस एंड डिजाइन ऑफ स्ट्रक्चर्स यूजिंग फाईनाइट एलीमेंट कंसेप्ट्स इन स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, एसआरएम ईश्वरी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, 22 जून, 2019.
24. **एस. जैन:** ''एयर पॉल्यूशन कंट्रोल सिस्टम्स।'' सेकेंड रिफ्रेसर कोर्स इन एनवॉयरमेंटल स्टडीज, यूजीसी-एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली, 22 नवंबर 2018.
25. **एस. जैन:** ''एयर पॉल्यूशन कंट्रोल सिस्टम्स।'' रेजीडेंशियल ट्रैनिंग प्रोग्राम ऑन मैनेजमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल पॉल्यूशन, एनवॉयरमेंट ट्रैनिंग डिवीजन, एपीएचआरडीआई, बापताला, आंध्र प्रदेश, 11 – 12 फरवरी 2019
26. **एस. जैन:** ''ऑटो फ्यूल एंड एनवॉयरमेंटल पॉल्यूशन।'' नेशनल ट्रैनिंग प्रोग्राम ऑन ऑडिट ऑफ पॉल्यूशन, एनर्जी एंड ट्रांसपोर्ट इश्यूज, इंटरनेशनल सेंटर फॉर एनवायरमेंट ऑडिट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईसीईडी), जयपुर, 28 अगस्त – 20 सितंबर 2018.
27. **एस. जैन:** ''एनवॉयरमेंटल इम्पेक्ट ऑफ एनर्जी सेक्टर इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ऑर एनवायरनमेंटल इफेक्ट्स ऑफ आरई सेक्टर।'' नेशनल ट्रैनिंग प्रोग्राम ऑन एनवायरनमेंट इम्पेक्ट असेसमेंट्स एंड ऑडिट ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, इंटरनेशनल सेंटर फॉर एनवायरमेंट ऑडिट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईसीईडी), जयपुर, 4 – 8 फरवरी 2019.
28. **एस. जैन:** ''एनवॉयरनमेंटल इम्प्लीकेशन्स ऑफ रिन्यूवल एनर्जी: अपॉरच्यूनिटीज एंड चैलेंजेज।'' नेशनल ट्रैनिंग प्रोग्राम ऑन एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट इन वर्कशॉप एंड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स ऑफ पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज (पीएसई), इंटरनेशनल सेंटर फॉर एनवायरनमेंट ऑडिट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईसीईडी), जयपुर, 7-11 जनवरी 2019.

29. **एस. जैन:** ''इश्यू ऑफ एनर्जी इफीसिएंसी इन पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेक्टर।'' नेशनल ट्रैनिंग प्रोग्राम ऑन एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट इन वर्कशॉप एंड मैन्युफिक्चरिंग यूनिट्स ऑफ पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेस (पीएसई), इंटरनेशनल सेंटर फॉर एनवॉयरमेंट ऑडिट एंड स्टेनेबल डेवलपमेंट (आईसीईडी), जयपुर, 7-11 जनवरी 2019.
30. **एस. जैन:** ''सोर्स अपोजिशन केस स्टडीज़।'' विंटर स्कूल ऑन रिसेप्टर मॉडलिंग मेथड फॉर सोर्स अपोजिशन, आईआईटी मद्रास, 5 दिसंबर 2018.
31. एस. कुमार, वी. वेणुधरन, **के.पी. बिलीगिरि**, और जे.बी. सुसा, ''परफॉर्मेंस करेक्ट्राइजेशन ऑफ रिएक्टेड एंड एक्टिवेटेड रबर मोडीफाइड गैप ग्रेडेड असफाल्ट मिक्सचर्स।'' रबराइज्ड असफाल्ट-असफाल्ट रबर 2018 कॉन्फ्रेंस, कूगर पार्क, दक्षिण अफ्रीका, 25-28 सितंबर 2018.
32. **एस. एम. मलियाक्कल:** ''एप्लीकेशन ऑफ नैनोस्केल मेटेरियल्स इन सिविल एंड एनवॉयरमेंटल इंजीनियरिंग।'' टू डे सिम्पोजियम ऑन स्टेनेबल कंस्ट्रक्शन मेटेरियल्स एंड टेक्निक्स (एससीएमटी-18), श्रीनिधि इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, घाटसर हैदराबाद, 29 - 30 जून 2018.
33. **एस. एम. मलियाक्कल:** ''फैब्रीकेशन ऑफ स्टेनेबल नैनोस्केल मेटेरियल्स: एप्लीकेशन इन एनवॉयरमेंटल रेमीडिएशन।'' रिसेंट ट्रेंइंग्स इन एनवॉयरनमेंटल इंजीनियरिंग, टीकेएम, कोल्लाम, केरल, 15 - 20 जुलाई 2019.
34. **एस. एम. मलियाक्कल:** ''ग्राफीन एंड इट्स डेरिवेटिव्स: अपॉर्स्च्यूनिटीज एंड चैलेंज्स।'' डीएसटी-एसईआरबी स्पोर्सर्ड 2-डे वर्कशॉप ऑन ग्रेफीन-नैनोटेक्नॉलॉजी: सिविल इंजीनियरिंग एप्लीकेशन्स, कोयम्बटूर, तमில்நாடு, 7 - 8 जून 2018.
35. **एस. एम. मलियाक्कल:** ''न्यू एंड इफीसिएंट टेक्नॉलॉजीज़ ऑन फ्लोराइड रिमूवल।'' टू डे नेशनल वर्कशॉप ऑन मैनेजमेंट ऑफ ग्रेवाटर इन रूरल एरियाज एंड आर्सेनिक एंड फ्लोराइड रिमेडियेशन, आईआईटी मद्रास, 22 - 23 मार्च 2019.
36. **एस. एम. मलियाक्कल:** ''स्टेनेबल नैनो-कंपोजिट फॉर फूड प्रोसेसिंग एंड प्रीजर्वेशन।'' कॉन्फ्रेंस ऑन फूड प्रोसेसिंग एंड एलाइड इंडस्ट्रीज थीम 'रेजूवेनेटिऩ्ग इनोवेशन' एंड चैलेंज्स इन फूड प्रोसेसिंग एंड एल्लाइड सेक्टर्स, फॉर्च्यून सिलेक्ट ग्रांड रिज, तिरुपति, 16 - 17 अक्टूबर 2019.
37. एस. मित्तल, और **के. पी. बिलीगिरि:** ''ए रेशनल मेथेडॉलजी टू ईवेल्यूएट रेजिलिएंस ऑफ ए सिटी इम्पेक्टेड बाई डिजास्टर: इम्पैसिस ऑन ट्रांसपोरेशन इंफ्रास्ट्रक्चर।'' फोर्थ वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन डिजास्टर मैनेजमेंट, मुम्बई, 31 जनवरी, 2019.
38. सिंह, और **के. पी. बिलीगिरि:** ''स्मार्ट पर्वियस कंक्रीट पेवमेंट्स।'' डॉक्यूमेंट्री प्रेजेंटेशन फॉर ग्रेटर विशाखापत्तनम म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन कमीशनर, ऑर्गेनाइज्ड बाई ग्रेटर विशाखापट्टनम मुनिसिपल कॉर्पोरेशन, विशाखापट्टनम, आंध्र आंध्र प्रदेश, 23 जून 2018.
39. वी.एच. नानजिंगगौडा, एफ. सिल्वा, जे.बी. सोसा, जी.बी. वे, और **के.पी. बिलीगिरि:** ''एसेसमेंट ऑफ थ्रेशल्ड फिल्म थिकनेस यूजिंग सरफेस एरिया फॉर आरएआर मॉडीफाइड असफाल्ट मिक्सचर्स।'' रबराइज्ड असफाल्ट-असफाल्ट रबर 2018 कॉन्फ्रेंस, कूगर पार्क, दक्षिण अफ्रीका, 25-28 सितंबर 2018.
40. वी. वेणुधरन, **के.पी. बिलीगिरि**, ए. कुमार, यू. मुखर्जी, और आर. चटराज़: ''फिल्ड इनवेस्टीगेशन्स ऑन असफाल्ट-रबर गैप-ग्रेडेड (एआर-गैप) पेवमेंट्स प्लेस्ड ऑन हाइवे इन इंडिया।'' रबराइज्ड असफाल्ट-असफाल्ट रबर 2018 कॉन्फ्रेंस, कूगर पार्क, दक्षिण अफ्रीका, 25-28 सितंबर 2018.

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

1. **जी. रामाकृष्ण:** ''एन ओवरव्यू ऑन डिजाइन एंड एनालिसिस ऑफ एल्गोरिदम्स।'' चाडलवाडा रामनम्मा इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुपति, 6 अप्रैल 2018.
2. **कालिदास वाई:** ''कॉन्सेप्ट्स इन मशीन लर्निंग एल्गोरिदम्स एंड और एप्लिकेशन्स,''' एसआईएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज, चिनूर, 23 मार्च, 2019.
3. **कालिदास वाई:** ''डायरेक्ट्रेट जनरल इंफॉर्मेशन सिस्टम्स - राउंड टेबल मीटिंग ऑन एआई फॉर इंडियन आर्मी।'' नई दिल्ली, 04 मई 2018.
4. **कालिदास वाई:** ''मशीन लर्निंग एल्गोरिदम्स एंड स्मार्ट एप्लीकेशन।'' एसपीएमवीवी तिरुपति, 25 जनवरी 2019.
5. **कालिदास वाई:** ''मशीन लर्निंग फॉर बायोइनफॉर्मैटिक्स,''' 8वां नेशनल सेमीनार ऑन बॉयोइनफॉर्मैटिक्स, एवीआईएमएस तिरुपति, 22 फरवरी 2019.

6. **कालिदास वाई:** “नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इंजीनियरिंग कम्प्यूटिंग टेक्नोलॉजीस एंड एप्लीकेशन्स (एसीईसीटीए)।” वेलटेक यूनिवर्सिटी, चेन्नई, 05 अप्रैल 2018.
7. **कालिदास वाई:** “पॉवरिंग एआई एंड एमएल सॉल्यूशंस,” एचपीसी सिम्पोजियम, जयपुर, 12 जुलाई 2018.
8. **वी. बदराला:** “ए नेक्स्ट जनरेशन ऑफ नेटवर्किंग फॉर आईओटी।” नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेवलपमेंट्स इन इंफॉरमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी फॉर इमर्जिंग रीजन्स, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति, 28 जनवरी 2019.
9. **वी. बदराला:** “सॉफ्टवेयर डिफाइड नेटवर्किंग: मास्टरिंग इन कॉम्प्लेक्सिटी बनाम एक्सप्लोसिव सिंप्लिसिटी।” आईआईटी जोधपुर, 31 अक्टूबर 2018.
10. **वी. बदराला:** “द इमर्जिंग ट्रेंड्स इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग।” साइनोस्योर टेक्निकल सिम्पोजियम, श्री वैकेटेक्ष्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 29 मार्च 2018.

विद्युत अभियांत्रिकी

1. **के. पी. नवीन:** “कोएक्सिस्टेंस ऑफ एलटीई-अनलाइसेन्स्ड एंड वाईफाई: एन एक्शन थियोरेटिक एप्रोच।” इंस्टीट्यूट सेमिनार, आईआईआईटी दिल्ली, 12 अप्रैल 2018.
2. **के. पी. नवीन:** “मोबाइल डेटा ऑफलोडिंग: ऑप्टिमाइज़ेशन एंड गेम थियोरेटिक अप्रोच।” वर्कशॉप ऑन एडवांसेस इन वायरलेस कम्युनिकेशन, केएलई टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, हुबली, 21 जुलाई 2018.
3. **पी. महापात्रा:** “इंफॉर्मेशन थियोरी एंड फ्यूचर वायरलेस नेटवर्कर्स।” स्पेशल लेक्चर इन टू-वीक्स फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन 5जी वायरलेस कम्युनिकेशन, एआईसीटीई-क्यूआईपी, त्यागराज कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुरै, 28 जनवरी, 2019.
4. **पी. एस. साईकृष्णा:** “मॉडल आइडेंटिफिकेशन एंड कंट्रोल फॉर ए क्लाउड डाटा-सेंटर।” सनी बिंघमटन – आईआईटी मद्रास ज्वाइंट वर्कशॉप ऑन एनर्जी ऑप्टीमाइज़ेकॉन्ट्रुइंग न इन डाटा सेंटर्स, दिनांक सितंबर 2018.
5. **पी. एस. साईकृष्णा:** “क्लाउड कम्प्यूटिंग एंड एप्लीकेशन्स।” टू डेज’ वर्कशॉप एट एसपीएमवीवी सोसाइटी फॉर इनोवेशन एंड इंकम्बेशन (एसएसआईआईई-टीबीई), तिरुपति, दिनांक जनवरी, 2019.
6. **वी. वूका:** “कैपासिटेंश टू डिजिटल कन्वर्टर्स।” वन डे वर्कशॉप ऑन रिसेंट ट्रेंड्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग आईटीई-2018, एआईसीटीई, सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, विजयवाड़ा, 7 दिसंबर 2018.
7. **आर. के. साई. एस. गोर्थी:** “करेंट ट्रेंड्स इंड एडवांसमेंट्स इन सिग्नल एंड इमेज प्रोसेसिंग: ट्रूवाइर्स मशीन लर्निंग।” नेशनल वर्कशॉप ऑन सिग्नल एंड इमेज प्रोसेसिंग, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 28 सितंबर 2018.
8. **आर. के. साई एस. गोर्थी:** “डीप लर्निंग फॉर कंप्यूटर विजन।” एफडीपी ऑर्गनाइज़ बाई ईआईसीटी अकादमी, एआईटी वारंगल ऑन रीसेंट ट्रेंड्स इन इमेज एंड वीडियो प्रोसेसिंग, वीआर सिद्धार्थ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विजयवाड़ा, 16 फरवरी, 2019.
9. **आर. के. साई. एस. गोर्थी:** “मशीन लर्निंग फॉर इमेज प्रोसेसिंग।” एफडीपी ऑर्गनाइज़ बाई ईआईसीटी अकादमी, एनआईटी वारंगल ऑन कंप्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग एट श्रीनिवास रमनानुजन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अनंतपुरम, 15 दिसंबर 2018.
10. **एस. गोर्थी:** “इंट्रोडक्शन टू इमेज प्रोसेसिंग इन मेडिकल इमेजिंग।” इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) स्पॉसर्ड नेशनल लेवब सीमेनार ऑन कैंसर डिटेक्शन यूजिंग डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग टेक्निक्स, एस वी इंजीनियरिंग कॉलेज फॉर वुमन, तिरुपति, 22 जून 2018.
11. **वी. विनेश:** “साइबर-पॉवर टेस्टबेड फॉर डिस्ट्रीब्यूटेड मॉनिटरिंग एंड कंट्रोल।” पॉवर इंजीनियरिंग रिसर्च एंड एप्लीकेशन्स 2018 (पीईआरए18), आईआईटी कानपुर, नवंबर 2018.
12. **वी. विनेश:** “मॉडलिंग कंट्रोल, एंड साइबर फिजिकल एनालिटिक्स फॉर स्मार्ट ग्रिड्स।” एजूकेशन प्रोग्राम ऑन एडवांस्ड टेक्नोलॉजीस इन पॉवर इंजीनियरिंग, एनआईटी वारंगल, दिसंबर 2018.

यांत्रिक अभियांत्रिकी

- बी. सुब्रमण्यन:** “विंड टर्बाइन एरोडायनामिक्स।” फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन सोलर एंड विंड एनर्जी – फ्यूचर टेक्नॉलजीज, जवाहरलाल नेहरू टेक्नॉलॉजिकल यूनिवर्सिटी अनंतपुर (जेएनटीयूए), अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, 22 नवंबर 2018.
- ई. अनिल कुमार:** “एडवांस रेफ्रीजरेशन सिस्टम्स फॉर सस्टेनेबल एंड एनवॉयरमेंटल फ्रेंडली एनर्जी कंजर्वेशन।” गुंटूर इंजीनियरिंग कॉलेज, आंध्र प्रदेश, आंध्र प्रदेश, 25 अगस्त 2018.
- ई. अनिल कुमार:** “एडवांस इन एनर्जी कंवर्जेशन टेक्नॉलजीस।” आईजीएआईटीई-2के19, लिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नॉलजी, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 03 मार्च 2019.
- ई. अनिल कुमार:** “एनर्जी स्टोरेज ऑप्शन फॉर सोलर वीवी एंड विंड एनर्जी सिस्टम्स एंड हैंड्रोजन एसा एनर्जी कैरियर फॉर ट्रांसपोरेशन।” फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन सोलर एंड विंड एनर्जी- फ्यूचर टेक्नॉलजीज, जवाहरलाल नेहरू टेक्नॉलजिकल यूनिवर्सिटी अनंतपुर (जेएनटीयूए), अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, 22 नवंबर 2018.
- ई. अनिल कुमार:** “मेटल हाइड्राइड बेर्स्ड थर्मोकैमिकल एनर्जी स्टोरेज।” फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन सोलर एंड विंड एनर्जी- फ्यूचर टेक्नॉलजीज, जवाहरलाल नेहरू टेक्नॉलजिकल यूनिवर्सिटी अनंतपुर (जेएनटीयूए), अनंतपुर, आंध्र प्रदेश, 22 नवंबर 2018.

भौतिक विज्ञान

- आर. एस. मन्ना:** “सर्जिंग फॉर स्पिन-लिक्रिड बिहेवियर इन कितेव इरिडेट।” इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) त्रिवेंद्रम, 18 जून 2018.

रसायन विज्ञान

- आर. विश्वास:** “इन सिलिको स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड स्ट्रक्चर-स्पेक्ट्रम कोरीलेशन्स ऑफ एक्स सिस्टम्स।” कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांस इन डायनामिक्स एट द इंटरफेस ऑफ कैमिस्ट्री एंड बॉयोलॉजी (डीआईसीबी-2019), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलुरु, 18-20 फरवरी 2019.

गणित

- ए. लाहिड़ी:** “एसिम्पटॉटिक प्रोपर्टीज ऑफ द वोलेटिलिटी इस्टीमेटर फ्रॉम हाई फ्रिक्षिंसी डाटा मॉडल्ड बाई मिक्स्ड फ्रैक्शनल ब्राउनियन मोशन।” स्टेटिकल मैथेड्स इन फाइनेंस 2018, चेन्नई मैथेमेटिकल संस्थान, चेन्नई, 17 दिसंबर 2018.
- आई. दास:** “एप्लीकेशन्स ऑफ स्टेटिस्टिक्स इन क्लिनिकल ट्रायल्स।” 98वां बर्थडे सेलीब्रेशन ऑफ प्रो. सी. आर. राव, श्री वैकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, 9-10 सितंबर 2018.
- पी. मरिअप्पन:** “एप्लीकेशन्स ऑफ एनालिसिस एंड एलजेबरा।” नेशनल वर्कशॉप ऑन मैथेमेटिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स, एसवी विश्वविद्यालय, 9 नवंबर 2018.
- पी. मरिअप्पन:** “जर्मनी रिसर्च एंड मी।” रिड्स्क्वर जर्मनी-हायर एजूकेशन एंड बियॉन्ड, आईआईएसईआर तिरुपति, 16 मार्च 2019.
- पी. मरिअप्पन:** “मैथेमेटिकल मॉडलिंग ऑफ बॉयोहीट इक्वेशन।” नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मैथेमेटिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स, एसवी विश्वविद्यालय, 29 मार्च 2019.
- एस. गिरी:** “डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ फ्रोबेनियस एंगल्स।” इंटरसिटी नंबर थ्योरी सेमिनार, आईआईएसईआर तिरुपति, तिरुपति, 17 दिसंबर 2018.
- वी. राघवेंद्र:** “ए फ्यू रिमार्क्स ऑन लिनियर इलिटिक इक्वेशन इटीनरी।” नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट ट्रेंड्स इन मैथेमेटिक्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स, जीआईटीएम स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, बंगलुरु, 22 दिसंबर 2018.
- वी. राघवेंद्र:** “कलासिकल सैल्युशंस ऑफ ए क्लास ऑफ ननलिनियर इलिप्टिक इक्वेशन्स।” नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट ट्रेंड्स इन डिफरेन्टियल इक्वेशन: थ्योरी, मॉडलिंग एंड कंप्यूटेशन 2019 (एनसीडीई-2019), आईआईटी पटना, 2019 मार्च, 2019.
- वी. राघवेंद्र:** “वीक सॉल्यूशंस ऑफ पार्शल डिफरेंशियल इक्वेशन्स विद ए टच ऑफ फंक्शनल एनालिसिस।” लेक्चर सिरीज, आईआईटी मद्रास, चेन्नई, 14-15 नवंबर 2018.

मानविकी और समाज विज्ञान

1. **ए. रघुरामराजू:** ''फ्रॉम नन-वॉयलेंस टू नन-वॉयलेंस: महात्मा गांधी इंटरप्रीटेशन ऑफ भगवद गीता।'' डी. रामा कोटिया इंडोमेंट लेक्टर एट आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, 10 अप्रैल 2018.
2. **ए. रघुरामराजू:** ''द रेलीवेंस ऑफ गांधियन आइडियल्स टूडे।'' अमरावती इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, गुंटूर, 14 अगस्त 2018.
3. **ए. रघुरामराजू:** ''रेलीवेंस ऑफ श्री अरबिंदोज सावित्री।'' श्री अरबिंदो सोसायटी, तिरुपति, 15 अगस्त 2018.
4. **ए. रघुरामराजू:** ''रिरीडिंग रसोज द सोशल कॉन्ट्रैक्ट।'' सिक्स-डे फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन टीचिंग मैथडोलॉजीस इन फिलॉस्फी टीचिंग लर्निंग सेंटर ऑफ रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ऑन 3 नवंबर 2018.
5. **ए. रघुरामराजू:** ''रिविजिटिंग एक्सप्लोरर्स इन उपनिषद, बद्रायना द कम्पाइलर एंड गौड़पाड़ा द कम्प्रेरेटिव फिलॉस्फर।'' सिक्स-डे फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन टीचिंग मैथडोलॉजीस इन फिलॉस्फी टीचिंग लर्निंग सेंटर ऑफ रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ऑन 3 नवंबर 2018.
6. **ए. रघुरामराजू:** ''रि-एक्जामिनेशन द जेनियॉलजी ऑफ क्लासिकल इंडिया फिलॉस्फी।'' द सेंटर फॉर फिलॉस्फी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 5 नवंबर 2018.
7. **ए. रघुरामराजू:** ''मैनेज एन एनिमैटिक इंडिया।'' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इसेंटियल मैनेजमेंट इन द ऐज ऑफ डिसरप्शन, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एस.वी. यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 19 जनवरी 2019.
8. **ए. रघुरामराजू:** ''साइंस एंड स्प्रिचअल्टी: द ट्रांजिसन कॉन्टेक्स्ट।'' रीजनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रुवाइर्स ऑन पीस, हार्मनी, हैप्पीनेस: ट्रांजिसन टू ट्रांसफार्मेशन, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेस, हैदराबाद, 22-23 मार्च 2019.
9. **सी. एस. बहिनिपति:** ''रूलर लाइबलीहुड प्रोग्राम, फार्म-लेवल एडाप्टेशन एंड इकनॉमिक वेलबीइंग: इवीडेंस फ्रॉम वेस्टर्न ओडिशा, इंडिया।'' इंटरनेशनल पुटेटो सेंटर (सीआईपी), नैरोबी, 5 दिसंबर, 2018.
10. **सी. एस. बहिनिपति:** ''डज डेवलपमेंट रिक्यूस डैमेज रिस्क फ्रॉम क्लाइमेट एक्सट्रीम्स? इम्पीरिकल इवीडेंस फॉर फ्लाइस इन इंडिया।'' अशोक ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट (एटीआरईई), बैंगलुरु, 16 जुलाई, 2018.
11. **सी. एस. बहिनिपति:** ''क्लाइमेट चेंज: इश्यू, चैलेंज्स एंड पॉलिसी डायमेंशन।'' आंध्र प्रदेश ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बापताला, जुलाई 2018.
12. **पी. एस. द्विवेदी:** ''साइंस ऑफ लैंग्वेज: ए ब्रीफ सर्वे विद स्पेशल रिफ्रेंस टू अर्टिकुलेट्री फोनेटिक्स।'' रिफ्रेशर कोर्स ऑन लैंग्वेज एंड लिटरेचर, एचआरडीसी, एसवी यूनिवर्सिटी, तिरुपति, सितंबर, 2018.
13. **पी. एस. द्विवेदी:** ''इंडियन एंड वेस्टर्न पोएटिक्स: ट्रुवाइर्स ए कम्प्रेरेटिव अंडरस्टेंडिंग।'' रिफ्रेशर कोर्स ऑन लैंग्वेज एंड लिटरेचर, एचआरडीसी, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, सितंबर 2018.
14. **वम्शी कृष्णा रेड्डी:** ''साइंस ऑप लैंग्वेज: ए ब्रीफ सर्वे विद स्पेशल रिफरेंस टू अर्टिकुलेट्री फोनेटिक्स।'' रिफ्रेशर कोर्स ऑन लैंग्वेज एंड लिटरेचर, एचआरडीसी, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, सितंबर 2018.
15. **वम्शी कृष्णा रेड्डी:** ''इंडियन एंड वेस्टर्न पोएटिक्स: ट्रुवाइर्स ए कम्प्रेरेटिव अंडरस्टेंडिंग।'' रिफ्रेशर कोर्स ऑन लैंग्वेज एंड लिटरेचर, एचआरडीसी, एसवी विश्वविद्यालय, तिरुपति, सितंबर 2018.

4.5 प्रायोजित परियोजनाएं/परामर्शदाता

1. **ए. के. मन्ना:** अर्ली कैरियर रिसर्च अवार्ड (ईसीआरए) फॉर द प्रोजेक्ट इनटाइटिल्ड, ''एब इनिशिया मॉडलिंग ऑफ डिफेक्ट्स इन नैनोस्केल मटीरियल्स'', डीएसटी-एसआरबी, सरकार भारत के 3 वर्षों की अवधि के लिए, 2018-2021.
2. **बी. सुब्रमण्यन:** ''ए नोवेल एप्रोच टू विंड टर्बाइन सिटिंग एंड विंड रिसोर्स एसेसमेंट यूजिंग स्मार्ट ड्रोन बेस्ड विंड मेजरमेंट सिस्टम'', एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित अंडर ईसीआर ग्रांट स्वीकृत राशि - 44.99 लाख रुपए, तीन वर्ष की एक अवधि के लिए, जून 2019.
3. **सी.एस. बहिनिपति:** ''रोल ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, इनीसिएटिव्स एंड इंफॉर्मेशन इन इंहेंसिंग क्लाइमेट रेजिलिएन्ट एग्रीकल्चरल इंटरवेंशन्स एंड देयर इम्पैक्ट्स एक्रास स्टेट इन इंडिया'', फंडेट बाई इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, नई दिल्ली, लेड बाई अमृत विश्व विद्यापीठ एंड आईआईटी तिरुपति। स्वीकृत राशि - 30 लाख, दो साल के लिए, अप्रैल 2018.

4. **डी. मोंडल:** ''इंवेस्टीगेशन ऑन इस्टोचेस्टिक थर्मोडायनामिक्स ऑफ एंट्रोपिक इंफॉर्मेशन: एमिंग टू बीट लैंडर लिमिट,''' डीएसटी-एसआरबी फॉर अर्ली कैरियर रिसर्च अवार्ड द्वारा वित्त पोषित। स्वीकृत राशि - 28 लाख रुपए, मार्च 2019-फरवरी 2022.
5. **डी. पी. चाला,** ''वेव प्रोपोगेशन बाई स्मॉल इनहोमोजेनेटिज़: एप्लीकेशन टू मेडिकल इमेजिंग, इफेक्ट मीडियम थ्योरी एंड द थ्योरी ऑफ मेटा-मैटीरियल्स,''' डीएसटी एसईआरबी मैट्रिक्स द्वारा वित्त पोषित। स्वीकृत राशि - 6.6 लाख रुपए, जून 2018 - मई 2021.
6. **डी. वी. किरण और एन. वेंकेया:** ''नैरो गैप वेल्डिंग ऑफ 12 एमएम थिक नेवल स्टील यूजिंग टैन्डेम गैस मैटल आर्क वेल्डिंग प्रोसेस, नौसेना अनुसंधान बोर्ड द्वारा वित्त पोषित।'' स्वीकृत राशि - 27.3 लाख रुपए, दो वर्ष की अवधि के लिए, दिसंबर 2018.
7. **डी.वी. किरण:** ''थर्मल-मेटलर्जिकल-मैकेनिकल मॉडलिंग ऑफ डिपॉजिट वेल्डिंग प्रोसेस,''' विज्ञान और इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड द्वारा वित्त पोषित, राशि स्वीकृत - 35 लाख रुपए, पांच साल की अवधि के लिए, फरवरी 2018। (नोट: यह आईआईटी रुड़की के साथ एक हस्तांतरित परियोजना है अप्रैल 2018 से लागू है।)
8. **ई. अनिल कुमार:** ''डीएसटी-आईआईटी बॉम्बे एनर्जी स्टोरेज प्लेटफॉर्म ऑन हाइड्रोजन,''' जिसे आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी कानपुर और एनआईटी राउरकेला द्वारा संचालित विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। - स्वीकृत राशि - 866.1532 लाख रुपए, पांच वर्षों के लिए, मार्च 2019.
9. **ई. अनिल कुमार:** ''हाइब्रिड मैकेनिकल वेपर कम्प्रेशन विद कपल्ड प्रेसर एंड टेम्प्रेचर स्विंग एडजॉर्पशन फॉर स्मार्ट चिलर,''' विज्ञान और इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा वित्त पोषित, खड़गपुर के नेतृत्व में, आईआईटी तिरुवनंतपुरम द्वारा योगदान दिया गया। स्वीकृत राशि - 54.09549 लाख रुपए, पांच वर्षों के लिए, मार्च 2019.
10. **ई. अनिल कुमार:** ''सिन्थेसिस एंड करेक्ट्राइजेशन ऑफ थर्मोकैमिकल मेटेरियल्स फॉर सोलर थर्मल एनर्जी स्टोरेट,''' विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा वित्त पोषित, आईआईटी तिरुपति द्वारा सलाहित, और एमवीजीआर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा योगदान। स्वीकृत राशि - 18.1 लाख रुपए, तीन वर्षों की अवधि के लिए, नवंबर 2019.
11. **के. पी. बिलिगिरी:** प्रधान अन्वेषक, ''डेवलपमेंट ऑफ वार्म-मिक्स असफाल्ट-रबर (डब्ल्यूएम-एआर) मिक्सचर स्टैंडर्ड स्पेसिफिकेशन्स एंड डिजाइन प्रैक्टिस फॉर रोड एप्लीकेशन्स,''' न्यू फैकल्टी सीड ग्रांट (एनएफएसजी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, भारत। स्वीकृत राशि - 2500000 रुपए, जून 2018 - मई 2021.
12. **एम. एम. अबुलपति:** ''डेवलपमेंट ए नोवेल ट्रीन-फ्लूइड एटोमाइजर फॉर एनर्जी इफिसिएंट स्प्रे ड्राइंग ऑफ हाई विस्कोसिटी लिक्यूड्स,''' कोर रिसर्च ग्रांट के तहत एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित। स्वीकृत राशि - , 46.2 लाख रुपए, तीन वर्षों की अवधि के लिए, फरवरी 2019.
13. **पी. एस. श्रीकृष्ण:** ''इंहेंसिंग क्यूओएस इन मोबाइल एज कम्प्यूटिंग,''' शास्त्री इंडो कनेडियन इंस्टीट्यूट ट्रैवल ग्रांट, जून 2018.
14. **पी. वी. संपत:** प्रधान अन्वेषक, ''ए डाटा-इंसर्टिव ग्राउंडवाटर मॉडलिंग एप्रोच फॉर इवैल्यूएटिना स्टेनेबल ऑफ ग्राउंडवाटर यूज,''' एसईआरबी, डीएसटी द्वारा वित्त पोषित। स्वीकृत राशि - 27.86 लाख रुपए, अगस्त 2018 - अगस्त 2021.
15. **आर. ए. सिरोही, और सी. एस. बाहिनिपति:** ''एक्सेसिंग हाउसहोल्ड प्रीफेरेंस फॉर एनर्जी एफिसिएंट एप्लाइंस इन बैंगलुरु सिटी, इंडिया: इंटर्नालिटीज एंड सोशल नॉर्म्स'' भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (सामाजिक विज्ञान में प्रभावशाली शोध के तहत)। स्वीकृत राशि - 11.55 लाख रुपए, दो वर्ष के लिए, मार्च 2019.
16. **आर.एस. मन्ना:** ''लैटिस इफेक्ट इन स्ट्रांगली कोरीलेटेड इलेक्ट्रॉन सिस्टम्स एट एक्सट्रीम कंडीशन्स।'' अर्ली कैरियर रिसर्च (ईसीआर) अवार्ड एसईआरबी द्वारा वित्त पोषित। मार्च 2019 - 2022.
17. **एस. गिरी:** ''पॉइंट्स ऑन एलीटिक कर्व ओवर फिनिश फील्ड्स'' डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी प्रोग्राम द्वारा वित्त पोषित, स्वीकृत राशि - 35 लाख रुपए, फरवरी 2019 - जनवरी 2024.
18. **ए.एस. मलियक्कल:** सह-अन्वेषक, ''सेंटर फॉर स्टेनेबल ट्रीटमेंट, रीयूज एंड मैनेजमेंट फॉर एफिशिएंट, अफोडेंबल एंड सिनर्जिस्टिक सॉल्यूशंस फॉर वॉटर (वॉटर-आईसी फॉर स्यूटर्म ऑफ इंजी वाटर, डीएसटी/टीएम/डब्ल्यूटीआई/डब्ल्यूआईसी/ 2के/82(जी),'' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जल प्रौद्योगिकी पहल द्वारा वित्त पोषित। स्वीकृत राशि - 893.56 लाख रुपए, नवंबर 2018 -2023.

4.6 कंसलटेंसी

- सी. एस. बहिनिपति:** ''इंडो-जर्मन एनवायरनमेंट प्रोग्राम इन रुरल एरियाज़: एन इंटीग्रेटेड क्लाइमेट रिस्क एंड वल्नरेबिलिटी असेसमेंट इन तमिलनाडु एंड हिमाचल प्रदेश,'' जीआईजे जर्मनी द्वारा वित्त पोषित, यूनिवर्सिटी ऑफ जिनेवा द्वारा नेतृत्व, आईएनआरएम कंसलटेंट्स प्रा. लि., मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति। नवंबर 2018.
- जे. रामेया और नित्याधरन, एम.:** ''इंवेस्टीगेटर, वीटिंग ऑफ स्ट्रक्चरल डिजाइन कलकूलेशन्स ऑफ द प्रोपोज़ रॉ वाटर पंपिंग मैन फ्रॉम कैलाशगिरी रिजर्वायर टू मंगलम पंप हाउस इन तिरुपति (एमआरयूटी-॥ के तहत) 2016-2020) योजना।'' स्वीकृत राशि - 1,00,000, अप्रैल 2018 - जुलाई 2018.
- के. पी. बिलिगिरी:** ''प्रूफ चेकिंग ऑफ पेवमेंट डिजाइन रिपोर्ट ऑफ सिक्स लेनिंग ऑफ आनंदपुरम-पेंदुर्थी-अनकापल्ली सेक्षण ऑफ एनएच-5 (न्यू एनएच-16) फ्रॉम किमी। 681+000 टू किमी। आंध्र प्रदेश राज्य में 731+780, प्रूफ चेकिंग रिपोर्ट,'' दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड, भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत द्वारा प्रायोजित। स्वीकृत राशि - 400000, दिसंबर 2018 - जनवरी 2019.
- एम. नित्याधरन और बिजली बालकृष्णन,** ''प्रूफ चेकिंग ऑफ जी+4 प्रीकास्ट वॉल पैनल बिल्डिंग इन भुवनेश्वर फॉर ईडब्ल्यूएस हाउसिंग।'' स्वीकृत राशि - 1,00,000 रुपए, अक्टूबर 2018 - दिसंबर 2018.
- एम. नित्याधरन और जानकी रमेया:** ''500 केएल कैपेसिटी 40एम टाल आर.सी.सी. एलीवेटिड बैलेस्ड रिजर्वायर (ईएलबीआर) इन मंगलम, तिरुपति (एमआरयूटी-॥ के तहत (2016-2020) योजना।'' स्वीकृत राशि - 1,00,000, अप्रैल 2018 - जुलाई 2018.
- पी. मरियप्पन:** ''सीएफडी सॉफ्टवेयर कंसलटेंसी प्रोजेक्ट,'' एनयूएमए इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, आयरलैंड द्वारा वित्त पोषित, मार्च 2019.

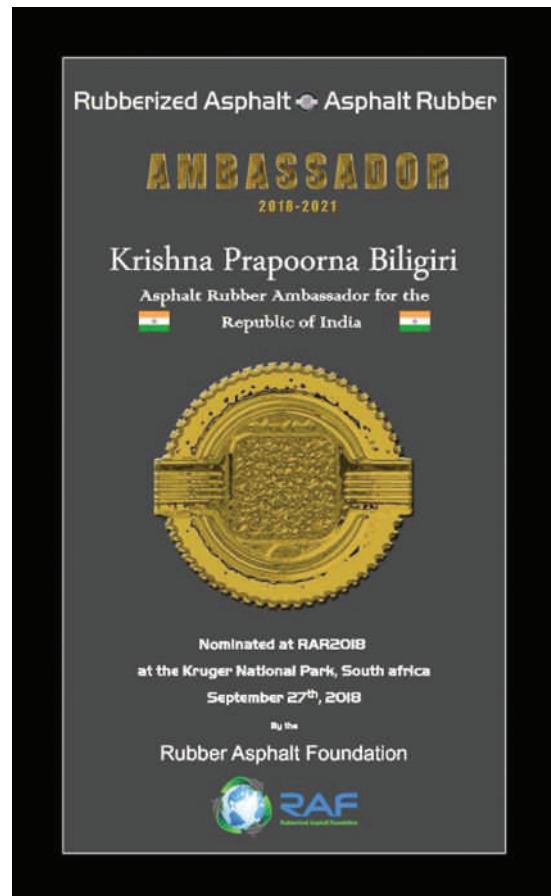
4.7 पुरस्कार और उपलब्धियां

- डी. मोडल:** फैकल्टी ऑफ एक्जेक्ट साइंसेज में लघु अवधि अकादमिक दौरा(डॉ. शालोमी रुवेनी ग्रुप), तेल अवीव विश्वविद्यालय, तेल अवीव, इजराइल, 14 जून -20 जुलाई 2018.
- एच. रामनैन:** सर्व एज वन ऑफ द जजेस फॉर द पोस्टर सेशन्स ड्यूरिंग द इंडो-जर्म ज्वाइंट साइंटिफिक वर्कशॉप ऑन ''मेम्ब्रेस फॉर वॉटर एंड एनर्जी,'' सीएसआईआर-केन्द्रीय नमक एवं समुंद्री रसायन शोध संस्थान, भावनगर, गुजरात, भारत, 18-20 फरवरी, 2019.
- के. सी. कुमार,** एम.एस. स्कॉलर, सिविल इंजीनियरिंग, ''ए रिव्यू ऑफ स्टडीज ऑन एनवायर्नमेंटल परफॉरमेंस एनालिसिस ऑफ कंट्रक्शन्स एंड डिमॉलिशन वेस्ट मैनेजमेंट यूजिंग लाइफ साइकल एसेसमेंट'' लेख के लिए आईकॉन एसडब्ल्यूएम-एक्सलन्स पेपर अवार्ड 2018 प्राप्त किया, 8वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट में प्रस्तुत, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, भारत पर।
- के. कृष्णेया:** प्रख्यात भारत रत्न सर मोक्षगुण्डमविश्वेश्वर के 158वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर, और 15 सितंबर, 2018 को 51वें इंजीनियर्स डे के अवसर पर द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), तिरुपति चैप्टर द्वारा ''इमीनेंट इंजीनियर अवार्ड-2018'' पुरस्कार प्रदान किया गया।



एचआरडी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से मिलियक्कल एस एम पुरस्कार प्राप्त करते हुए

5. **के. पी. बिलीगिरि:** असफाल्ट रबर एंबेस्डर फॉर द रिपब्लिक ऑफ इंडिया के लिए नामित, द्वारा रबर पेवमेंट एसोसिएशन एंड आरएआर 2018 कॉन्फ्रेंस चैयरमेन, साउथ अफ्रीका, तीन वर्षों की अवधि के लिए, मई, 2018.
6. **के. पी. बिलीगिरि:** इंटरनेशनल मेम्बर, स्टैंडिंग कमिटीज, ट्रांस्पोर्टेशन रिसर्च बोर्ड ऑफ द नेशनल अकादमीज ऑफ इंजीनियरिंग, यूएसए, चार वर्षों की अवधि के लिए, 2018.
7. **पी. महापात्रा:** रिसीष्ट इंजेम्प्लरी रिव्यूअर रिकग्राइजेशन फ्रॉम आईईई वायरलेस कम्युनिकेशन लेटर्स फॉर हाई क्लालिटी रिव्यू वर्क फ्रॉम आईईई कम्युनिकेशन सोसाइटी, 2018.
8. **आर. के. साई एस. गोर्थी,** लिटू राजत, और एम. दीपक: ट्रैकर रैंकड 13 इन ''विजुअल ऑब्जेक्ट चैलेंज रिजल्ट 2018,''' प्रोसीडिंग्स: कंप्यूटर विज्ञन - यूरोपीय कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विज्ञन (ईसीसीवी), विजुअल ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग वर्कशॉप, म्यूनिख, जर्मनी 8-14 सितंबर 2018.
9. **आर.के. साई एस. गोर्थी,** प्रिया एम राजू, और एम. दीपक: ट्रैकर रैंकड 33 इन ''विजुअल ऑब्जेक्ट चैलेंज रिजल्ट्स 2018,''' प्रोसीडिंग: कंप्यूटर विज्ञन - यूरोपीय कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटर विज्ञन (ईसीसीवी), विजुअल ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग वर्कशॉप, म्यूनिख, जर्मनी, 8-14 सितंबर 2018.
10. **आर. के. साई एस. गोर्थी:** गाइडेड ज्वांइटली विद डॉ. शीबा आर, आईएनएई इनोवेटिव बी.टेक प्रोजेक्ट अवार्ड फॉर अनुपम अरुण फॉर थिसिस ''सीएस बेस्ड एमआरआई रिकंस्ट्रक्शन्स''
11. **आर. के. साई एस. गोर्थी:** गाइडेड, विद डॉ. एम. दीपक, और लिटू राजत, आईएनएई इनोवेटिव बी.टेक. प्रोजेक्ट अवार्ड फॉर थीसिस ''बूस्टिंग विजुअल ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग परफॉर्मेंस यूजिंग ए स्टैक ऑफ मशीन लर्निंग एलारिदम''।
12. **एस. जैन:** रिसीष्ट द बेस्ट ओरल-प्रेजेंटेशन अवार्ड फॉर हिज को-ऑर्थर्ड पेपर टाइटिल्ड, ''इमपेक्ट ऑफ ट्रांस्पोर्टेशन डिमांड मैनेजमेंट पॉलिसीज ऑन द मॉडल शेयर एंड एयर क्लालिटी इन सिटीज: कॉजेज, क्लांसीकींसेज एंड इफेक्टिवनेस ऑफ पॉलिसीज'' एट द इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एटमांस्फियरिक कैमिस्ट्री एंड फिजिक्स इन हाइली पॉल्यूटेड एनवॉयरमेंट्स (सीआईएएस-2019), आईआईटी दिल्ली में आयोजित, 22-24 मार्च, 2019.
13. **एस.एम. मलियक्कल:** एज वन ऑफ सीओ-पीआई रिसीष्ट प्रोजेक्ट अवार्ड फ्रॉम द ऑनरेबल मिनिस्टर फॉर साइंस एंड टेक्नॉलजी, अर्थ साइंस एंड मिनिस्टर ऑफ एनवॉयरमेंट, फोरेस्ट एंड क्लाइमेट चैंज, डॉ. हर्ष वर्धन फॉर द प्रोजेक्ट वाटर-आईसी फॉर 'सूत्रम' ऑफ 'ईजी वाटर' एट इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी मद्रास, चेन्नई, 25 जनवरी 2019.
14. **एस.एम. मलियक्कल:** रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड अंडर द सबकेटेगरी ''टीचिंग फैकल्टी'' एट द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग (इंडिया) एंड फादर सी. रोड्रिगोज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी (आईईआई- एफसीआरआईटी) एक्सीलेंस अवार्ड, मुंबई, जनवरी 2019.



4.8 विस्तार/शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ

1. **बी. जे. रमेया:** श्री कोनिकेट्टी विनय, स्कूल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी यूनिवर्सिटी, वेल्लोर के डॉक्टोरल समिति सदस्य 14 दिसंबर 2018.
2. **बी. कोटेश्वरराव:** डीएसटी- इंस्पायर - मनक प्रोग्राम के लिए एडजुडिकेटर के रूप में कार्य किया, फरवरी, 2019.
3. **सी. एस. बहिनिपति:** डॉक्टरल सलाहकार समिति के सदस्य, अशोक ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंट, बैंगलुरु, 9 नवंबर 2018.

4. **सी. एस. बहिनिपति:** 16 अंतर्राष्ट्रीय ग्लोबलिक्स सम्मेलन, अकरा, घाना के समीक्षक 24–26 अक्टूबर 2018.
5. **सी. एस. बहिनिपति:** श्रीलंका के राजाराता विश्वविद्यालय के चौथे अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी के लिए समीक्षक – ‘इंवेस्टिंग इन बॉयोडाईर्विसिटी एंड इकोसिस्टम सर्विसेज (आईएसआईबीईएस 2018): केयरिंग नेचर-क्रिएटिंग वेल्थ’, श्रीलंका, 17–18 अक्टूबर, 2018.
6. **सी. एस. बहिनिपति:** समीक्षक भविष्य 2018 के लिए, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, 18–21 जून 2018.
7. **सी. एस. बहिनिपति:** जर्नल ऑफ एनवॉयरमेंटल मैनेजमेंट, कलाइमेट एंड डेवलपमेंट, लैंड यूज पॉलिसी, नेचुरल हजाइर्स, वॉटर पॉलिसी, कलाइमेटिक चेंज, जर्नल ऑफ एनवॉयरमेंटल प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ द कॉमन्स, जर्नल ऑफ सोशल एंड एकॉनॉमिक डेवलपमेंट, करेंट साइंस के समीक्षक।
8. **सी. एस. बहिनिपति:** लेखक योगदान: “ऐडप्टेशन टू कलाइमेट चेंज इन द हिंदू कुश हिमालय: स्ट्रांग अर्जेंटली नीडेड,” इन: वेस्टर, पी., ए. मिश्रा, ए. मुखर्जी, ए. श्रेष्ठ, ‘द हिंदू कुश हिमालय एसेसमेंट’, स्प्रिंगर, पृष्ठ 457–490.
9. **दुर्गा प्रसाद चला:** एट इनवर्स प्रॉब्लम ग्रुप, रेडॉन इस्टिट्यूट (आरआईसीएम), लिंज, ऑस्ट्रिया में विजिटिंग शोधकर्ता, 20 जून–17 जुलाई 2018.
10. **के. पी. नवीन:** रॉबर्ट बॉश सेंटर फॉर साइबर-फिजिकल सिस्टम्स एट द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलोर में विजिटिंग शोधकर्ता, दिसंबर, 7–14, 2018.
11. **के पी नवीन:** डिस्ट्रिक्ट लेवल स्कूल एकजीवेशन एंड प्रोजेक्ट कम्पिटीशन, श्री गोविंदराजा स्वामी हाई स्कूल, तिरुपति द्वारा जनवरी 2019 में आयोजित इंस्पायर मानक में एडजुकेटर के रूप में कार्य किया।
12. **पी. एस. श्रीकृष्ण:** स्मार्ट सिटी मिशन (तिरुपति): इलेक्ट्रिक स्कूटर, रुफटॉप सोलर सिस्टम्स, फ्लोटिंग सोलर सिस्टम (4डब्ल्यूडब्ल्यू) एंड मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन्स के तहत निम्नलिखित के चयन के लिए आरसएफपी प्रस्ताव के लिए अनुरोध को अंतिम स्वरूप देने के लिए समीक्षक।
13. **एस. गोर्थी:** श्री वेंकटेशपेरुमल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसवीपीसीईटी), पुत्र, 23 मार्च, 2019 द्वारा आयोजित नेशनल लेवल प्रोजेक्ट एक्सपो कम कंटेस्ट (एए विशकार-2.0) के लिए एक जूरी सदस्य के रूप में कार्य किया।
14. **ई. अनिल कुमार:** विली जर्नल ‘एनर्जी स्टोरेज’ के लिए सम्पादकीय बोर्ड सदस्य।
15. **ई. अनिल कुमार:** वी आर सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में थर्मल इंजीनियरिंग के लिए अंतिम एम.टेक थीसिस मूल्यांकन के लिए बाह्य परीक्षक।
16. **ई. अनिल कुमार:** अध्ययन बोर्ड के सदस्य, मदनपल्ले इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (एमआईटीएस), मदनपल्ले, आंध्र प्रदेश, भारत।
17. **ई. अनिल कुमार:** अध्ययन बोर्ड के सदस्य, श्री विद्या निकेतन इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, भारत।
18. **ई. अनिल कुमार:** शोध सलाहकार बोर्ड के सदस्य, बन्नारी अम्मन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सत्यमंगलम, तमिलनाडु, भारत।
19. **ई. अनिल कुमार:** आईआईटी बॉम्बे, “इफेक्ट ऑफ एडिटिव, हीट ट्रीटमेंट एंड मैकेनिकल डिफॉर्मेशन ऑन हाइड्रोजन स्टोरेज प्रोपर्टीज ऑफ बीसीसी एलॉयस।” एनर्जी डिपार्टमेंट में पीएचडी थीसिस के लिए समीक्षक और बाह्य परीक्षक।
20. **ई. अनिल कुमार:** आईआईटी गुवाहाटी, “डिजाइन परफॉर्मेंस एसेसमेंट ऑफ सोलर ड्रिवेन लिक्विड डसिकंट एयर कंडिशनिंग सिस्टम कंपोनेंट्स।” मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में पीएचडी थीसिस कार्य के लिए समीक्षक और बाह्य परीक्षक।
21. **जी. रामकृष्ण:** “जनरेलाइज्ड रिप्रेजेंटेशन फॉर लार्ज रोड नेटवर्क्स – मिमिकिंग रोड यूजर बिहेवियर एंड अचीवमेंट इम्प्रूव्ड पाथ कंपटीशन” के लिए एमएस थीसिस मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक, आईआईआटी हैदराबाद।
22. **के. पी. बिलीगिरी:** एडवाइजरी/समीक्षा समिति सदस्य, 2-डे नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रांसपोर्ट रिसर्च इफोर्स फॉर इकोलॉजिकल सस्टेनेबलिटी (ट्रीज 2018), वीएनआर विज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, भारत, 28–29 सितंबर, 2018.
23. **के. पी. बिलीगिरी:** एसोसिएट सम्पादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रोड मैटेरियल्स एंड पेवमेंट डिजाइन, टेलर एंड फ्रांसिस, यूके, मार्च 2019 – वर्तमान।

24. **के. पी. बिलीगिरी:** सम्पादकीय बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पेवमेंट रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, स्प्रिंगर, यूएसए, फरवरी 2019 – वर्तमान।
25. **के. पी. बिलीगिरी:** ई-आजीवन सदस्य, इंडियन रोडस कांग्रेस, नई दिल्ली, भारत, जून 2018 – वर्तमान।
26. **के. पी. बिलीगिरी:** विशेषज्ञ सदस्य, अध्ययन बोर्ड, सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (ऑटोनॉमस), पुतुर, चित्तूर जिला, जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी अनंतपुर से संबद्ध, अनंतपुरम, आंध्र प्रदेश, भारत, मार्च 2019 – वर्तमान।
27. **के. पी. बिलीगिरी:** फैकल्टी सर्च कमेटी, वीआईटी यूनिवर्सिटी, वेलोर, भारत, अगस्त 2018.
28. **के. पी. बिलीगिरी:** डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंटरनेशनल ट्रैवल ग्रांट अवार्ड, भारत सरकार, दू पार्टीसिपेट इन द इंटरनेशनल रोड फेडरेशन लास वेगास सम्मेलन, यूएसए, नवंबर 2018.
29. **के. पी. बिलीगिरी:** लीड गेस्ट एडिटर, एडवांस इन सिविल इंजीनियरिंग मेटीरियल, अमेरिकन सोसाइटी फॉर टेस्टिंग एंड मैटेरियल्स (एएसटीएम) इंटरनेशनल, यूएसए, स्पेशल इश्यू 2016-18.
30. **के. पी. बिलीगिरी:** लीड गेस्ट एडिटर, जर्नल ऑफ टेस्टिंग एंड इवैलुएशन, अमेरिकन सोसाइटी फॉर टेस्टिंग एंड मैटेरियल्स (एएसटीएम) इंटरनेशनल, यूएसए, स्पेशल इश्यू 2018-19.
31. **के. पी. बिलीगिरी:** मेंबर एंड सेशन चेयर, साइंटिफिक कमेटी, रबराइज्ड असफाल्ट-असफाल्ट रबर कॉन्फ्रेंस 2018, कूगर पार्क, दक्षिण अफ्रीका, 25-27 सितंबर 2018.
32. **के. पी. बिलीगिरी:** सदस्य, राष्ट्रीय बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन, 2018 – वर्तमान।
33. **के. पी. बिलीगिरी:** सदस्य, वैज्ञानिक समिति, 2018 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसोर्स स्टेनेबिलिटी (आईसीआरएस 2018), बीजिंग, चीन, 27-29 जून 2018.
34. **के. पी. बिलीगिरी:** सदस्य, वैज्ञानिक समिति, एडवांसेस इन मैटेरियल्स एंड पेवमेंट परफॉर्मेंस प्रीडिक्शन एम3पी 2018, दोहा, कतर, 16-18 अप्रैल 2018.
35. **के. पी. बिलीगिरी:** सदस्य, वैज्ञानिक समिति, चैम्बो-मैकेनिकल करेक्ट्राइजेशन ऑफ बिटुमिनस मैटिरियल्स, आरआईएलईएम सीएमबी सिम्पोजियम, इन कंजेक्शन विद द आरआईएलईएम एनुअल मीटिंग, बून्सचिव, जर्मनी, 17 सितंबर 2018.
36. **के. पी. बिलीगिरी:** प्रीसाइडिंग ऑफिसर, टीआरबी एएफके50 कमेटी ऑन स्टैंडिंग कमेटी ऑन स्ट्रक्चरल रिक्वायरमेंट्स ऑफ असफाल्ट मिक्सचर्स, ट्रांस्पोर्टेशन रिसर्च बोर्ड ऑफ द नेशनल अकादमीज, यूएसए, जनवरी 2019.
37. **के. पी. बिलीगिरी:** प्रिसिपल कॉर्डिनेटर, 3-डे रेजीडेंशियल ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर इंजीनियरिंग ऑफ द स्टेट ऑफ आंध्र प्रदेश ऑन "रोडवे कंस्ट्रक्शन्स बेस्ट प्रेक्टिस: स्टेनेबिलिटी इन ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर," आंध्र प्रदेश ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित। 21-23 जून 2018.
38. **के. पी. बिलीगिरी:** प्रिसिपल गेस्ट एडीटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रोड मैटेरियल एंड पेवमेंट डिज़ाइन, टेलर एंड फ्रांसिस, यूके, स्पेशल इश्यू 2017-19.
39. **के. पी. बिलीगिरी:** मान्यताप्राप्त समीक्षक, सीमेंट एंड कंक्रीट कंपोजिट्स, एल्सेवियर, मार्च 2019.
40. **के. पी. बिलीगिरी:** मान्यताप्राप्त समीक्षक, कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स, एल्सेवियर, मई 2019.
41. **के. पी. बिलीगिरी:** मान्यताप्राप्त समीक्षक, रिसोर्स, कंवर्जेशन एंड रिसाइकिंग, एल्सेवियर, अप्रैल 2018.
42. **के. पी. बिलीगिरी:** सेशन चेयर एंड स्पीकर, आईआरएफ ग्लोबल रोड2टनल कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो, इंटरनेशनल रोड फेडरेशन, लास वेगास, यूएसए, नवंबर 2018.
43. **के. पी. बिलीगिरी:** टेक्नोलॉजी ट्रांसफर ऑफ द इम्प्लीमेंटेशन ऑफ पर्वियस कंक्रीट पेवमेंट्स एंड पार्किंग लॉट्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, भारत, जनवरी 2019 – वर्तमान।
44. **आर के साईएस गोर्थी:** इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विषय में पीएमआरएफ चयन के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में सेवा की।
45. **एस. जैन:** सेशन चेयर: इंडोर एनवायरनमेंटल क्रालिटी मॉनिटरिंग एंड मॉडलिंग एंड पार्टीसिपेटेड इन एन एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन इंडोर एनवायरनमेंटल क्रालिटी (एसीआईईक्यू 2019), हैबिटेल बिल्ट एनवायरनमेंट-एक्सपीरियंस द अनसीन, इंडियन एविएशन अकादमी, वसंतकुंज, नई दिल्ली, भारत, 1-2 फरवरी 2019.

46. **एस. जैन:** सेशन को-चेयर तथा थर्ड इंडियन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एयर क्लाइटी मैनेजमेंट (आईआईसीएक्यूएम 2018) में भागीदारी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, भारत 6-7 दिसंबर 2018.
47. **एस. जैन:** द जेंडर इफेक्ट्स ऑफ एयर पॉल्यूशंस: जेंडर एंड इकोनॉमिक्स पॉलिसी डिस्कशन फोरम, फोरमXXVII, 5 अक्टूबर 2018. संक्षिप्त नोट 27. उपलब्ध: http://182.71.188.10:8080/jspui-bitstream/123456789/940/1/the_gendered_effects_of_air_pollution.pdf
48. **एस. एम. मलियक्कल:** अकादमिक ऑडिटिंग ऑफ एम. टेक. एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग क्लीशचन पेपर्स, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान त्रिची, भारत, मार्च 2019.
49. **एस. एम. मलियक्कल:** श्री टी. भरत कुमार, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, वेल्लोर, भारत के डॉक्टोरल समिति सदस्य, 4 जनवरी 2019.
50. **एस. एम. मलियक्कल:** एम. टेक. एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान त्रिची, भारत के लिए मौखिक परीक्षा के संचालन हेतु बाह्य परीक्षक, 9 जनवरी 2019.
51. **एस. चिमालाकोंडा:** एरिया प्रोग्राम चेयर, एसीएम आईटीआईसीएसई 2019, द 24वां एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन इनोवेशन एंड टेक्नॉलॉजी इन कंप्यूटर साइंस एजुकेशन, एबरडीन, यूके, 2019.
52. **एस. चिमालाकोंडा:** संबद्ध सम्पादक, सॉफ्टवेयर क्लाइटी एंड सॉफ्टवेयर रियूज, आईईईई सॉफ्टवेयर ब्लॉग।
53. **एस. चिमालाकोंडा:** डोमेन एक्सपर्ट एंड वर्किंग ग्रुप 4 (टूल्स एंड एनवायरनमेंट) संयोजक भारत मिरर कमेटी ऑफ आईएसओ/जेटीसी1/एससी7 (सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग)।
54. **एस. चिमालाकोंडा:** सोशल मीडिया चेयर, एसीएम सिगसॉट, <https://www.sigsoft.org/contact.html>
55. **एस. चिमालाकोंडा:** ट्रैक प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, टेक्नॉलॉजी एन्हांस्ड लैंग्वेज लर्निंग ट्रैक, 19वीं आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन लर्निंग टेक्नॉलॉजीज, मेसियो, ब्राजील, 2019.
56. **टी. एस. नटराजन:** इंवाइटेड एज द वीफ गेस्ट ड्यूरिंग द फ्रेशर इंडक्शन प्रोग्राम ऑफ अन्नामचार्य प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान तिरुपति।
57. **टी. एस. नटराजन:** इंवोल्वड एज ए मेंटर एंड एडवाइजर इन ईस्टैब्लिशिंग इनोवेशन लैब्स इन 12 गवर्मेंट स्कूल्स इन तिरुवनमलाई डिस्ट्रिक्ट ऑफ तमिलनाडु अंडर ए सीएसआर प्रोग्राम ऑफ भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल)।
58. **वी. बद्राला:** मेंबर ऑफ बोर्ड ऑफ स्टडीज, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, केएल यूनिवर्सिटी, विजयवाड़ा।
59. **वी. बद्राला:** अध्ययन बोर्ड सदस्य, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, श्री पद्मावती महिला विश्वव्यालम, तिरुपति।
60. **वी. बद्राला:** नेशनल कॉन्फ्रेंस कम्युनिकेशंस के लिए तकनीकी कार्यक्रम समिति सदस्य (एनसीसी) -2019।

आईआईटी तिरुपति द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

आईआईटी तिरुपति में सहयोगी शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों के पोषण के लिए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त औद्योगिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थाओं और प्रयोगशालाओं के साथ समझौता ज्ञापनों और शैक्षिक सहयोग को वरीयता दी जाती है। आईआईटी तिरुपति ने भारत और विदेशों में कई संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं जिनका उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर पारस्परिक हितों हेतु जैसे कि प्राध्यापक सदस्यों, छात्रों और शोध कर्मचारियों के आदान-प्रदान दौरे, संयुक्त सम्मेलन और कार्यशालाएं तथा छात्र इंटर्नशिप को संस्थागत सहयोग करना है।

साइंस सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश, तिरुपति और भारतीय विज्ञान शिक्षा और शोध संस्थान, तिरुपति

आईआईटी तिरुपति ने 'हाई-एंड इंस्ट्रूमेंटेशन' में संयुक्त मास्टर एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए दिनांक 04 मई, 2018 को साइंस सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश, तिरुपति तथा भारतीय विज्ञान शिक्षा और शोध संस्थान, तिरुपति के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जो प्रतिस्पर्धी शोध का संवर्धन करने के लिए प्रस्तावित अंतर-संस्थान समेकित प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में सुप्रशिक्षित तकनीकी कार्यबल की आपूर्ति करने में क्षमता निर्माण और एक राष्ट्रीय संसाधन के रूप में कार्य करेगा।

सीएसआईआर-केंद्रीय सङ्केत शोध संस्थान (सीएसआईआर - सीआरआरआई), नई दिल्ली

आईआईटी तिरुपति ने बौद्धिक सहयोग शोध एवं विद्वत् आदान-प्रदान संवर्धन करने और उच्च गुणवत्तापरक शोध वातावरण में वृद्धि करने के लिए दिनांक 11 मई, 2018 को सीएसआईआर - केंद्रीय सङ्केत शोध संस्थान, नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सहयोग के क्षेत्र मुख्यतः अभियांत्रिकी और सामग्री, आयोजना सहित परिवहन प्रणाली अभियांत्रिकी सुरक्षा, पर्यावरण तथा अन्य संबंधित सिविल अभियांत्रिकी क्षेत्र जैसे कि पुल और जियो तकनीकी अभियांत्रिकी के क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे।

सीएसआईआर - स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर, चेन्नई

आईआईटी तिरुपति और सीएसआईआर - स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर, चेन्नई ने परस्पर शोध रुचि के मामलों पर आदान-प्रदान एवं सहयोग का एक कार्यक्रम स्थापित करने के लिए दिनांक 05 जुलाई, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। शोध के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं सिविल और यांत्रिक अभियांत्रिकी स्ट्रक्चर प्रणाली की स्वास्थ्य निगरानी, जीवन का मूल्यांकन और विस्तार।

एनालॉग डिवाइसेस इंडिया (एडीआई) प्रा. लि.

आईआईटी तिरुपति ने डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग एवं संचार के क्षेत्रों में सहयोग में वृद्धि करने के लिए 09 जुलाई, 2018 को एनालॉग डिवाइसेस इंडिया (एडीआई) प्रा. लि. के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य नवाचार, शिक्षा और प्रतिभा विकास में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आईआईटी तिरुपति और एनालॉग डिवाइसेस इंडिया के बीच नीतिगत भागीदारी तैयार करना है।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी शोध संस्थान, नागपुर

आईआईटी तिरुपति और सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी शोध संस्थान, नागपुर (एनईआरआई) ने बौद्धिक एवं विद्वत् आदान-प्रदान की भावना में 03 अगस्त, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। शोध के प्रमुख क्षेत्र हैं जल एवं अपशिष्ट जल ट्रीटमेंट, ठोस एवं खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, वायु गुणवत्ता निगरानी, मॉडलिंग और प्रबंधन, पर्यावरण स्वास्थ्य तथा मूल्यांकन, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन, मौसम विज्ञान तथा नीति और सतत विकास पद्धति।

भूजल एवं जल ऑडिट विभाग ऑँध्र प्रदेश सरकार

आईआईटी तिरुपति ने शोध के परस्पर लाभ के क्षेत्रों में जीडब्ल्यूएंडब्ल्यूए विभाग तथा आईआईटी तिरुपति के बीच शैक्षिक सहयोग का संवर्धन करने के लिए 02 नवंबर, 2018 को भूजल एवं जल ऑडिट विभाग ऑँध्र प्रदेश सरकार (जीडब्ल्यूएंडब्ल्यूए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोगी प्रयास का प्रमुख केंद्र कृषि जल एवं मौसम परिवर्तन के लिए बढ़ती हुई मांग को देखते हुए भूजल के लिए तकनीक का मूल्यांकन एवं विकास करना होगा।



सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी शोध संस्थान (सीईआरआई-सीईईआरआई), पिलानी

आईआईटी तिरुपति और सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी शोध संस्थान (सीईईआरआई), पिलानी ने परस्पर हित के क्षेत्रों में सहयोग के लिए 12 नवंबर, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। शोध के प्रमुख क्षेत्र हैं साइवर फिजिकल सिस्टम, स्मार्ट सेंसर, लोचशील और गैर-एसआई इलेक्ट्रॉनिक्स, ओप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर ध्यान केंद्रित करते हुए माइक्रोवेव उपकरण।



टेक्साँस एण्ड एम इंजीनियरिंग एक्सपेरीमेंट स्टेशन (टीईईएस)

आईआईटी तिरुपति और टेक्साँस एण्ड एम इंजीनियरिंग एक्सपेरीमेंट स्टेशन (टीईईएस) ने परस्पर हित के क्षेत्रों में शैक्षिक सहयोग के लिए 17 दिसंबर, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। शोध के प्रमुख क्षेत्र प्रोन्नत विनिर्माण, सामग्री, यांत्रिकी और साइवर-फिजिकल सिस्टम हैं। समझौता ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से दोनों संस्थानों के डॉक्टोरल/मास्टर/स्नातक स्तर के छात्रों का पर्यवेक्षण करने, संगोष्ठी, सम्मेलनों का आयोजन करने, इंटर्नशिप को सुलभ बनाने, विद्वत् प्रकाशनों के जरिए शोध परिणामों का प्रसार करने के इच्छुक हैं और वे आगे परस्पर सहमत क्षेत्रों में संकाय सदस्यों और छात्रों के आदान-प्रदान का संवर्धन करेंगे।



सीएसआईआर - केंद्रीय निर्माण शोध संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की

आईआईटी तिरुपति और सीएसआईआर - केंद्रीय निर्माण शोध संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की ने सिविल एवं इंफ्रास्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी के परस्पर लाभ के क्षेत्रों में दोनों संस्थानों के बीच संपर्क का संवर्धन करने के लिए 10 जनवरी, 2019 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सहयोग के मूल क्षेत्रों में स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, सिस्मिक माइक्रोजेनेशन, जियो टेक्निकल इंजीनियरिंग, पर्यावरण अभियांत्रिकी, निर्माण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, हाउसिंग सिस्टम, जियोलॉजी तथा आईआईटी एवं सीएसआईआर सीबीआरआई के परस्पर हितों के अन्य क्षेत्र शामिल होंगे। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों संस्थाओं के बीच शैक्षिक एवं शोध सहयोग आरंभ करना है।

तोशिबा सॉफ्टवेयर इंडिया प्रा. लि.

आईआईटी तिरुपति ने ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डाटा एनालिटिक्स के परस्पर लाभ के क्षेत्रों में दोनों संस्थानों के बीच संपर्क का संवर्धन करने के लिए 10 जनवरी, 2019 को तोशिबा आरएंडडी इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सहयोग के मूल क्षेत्रों में बहु सेंसर वातावरण में स्टेटिक तथा टाइम सिरीज डाटा के अध्ययन हेतु नवीन मैथेमेटिकल मॉडल और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का विकास शामिल होगा।

केंद्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई), बंगलौर

आईआईटी तिरुपति और सीएमटीआई, बंगलौर ने परस्पर हित के क्षेत्रों में इकट्ठे कार्य करने के लिए 22 जनवरी, 2019 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किएं। इस सहयोग के प्रमुख क्षेत्र एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, नेनो फिनिशिंग, एमईएमएस डिवाइस डेवलपमेंट, अलट्रा-प्रीसिजन मशीनिंग और विजन आधारित प्रणालियों के लिए एआई तकनीक होंगे।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी (यूकैलगरी)

आईआईटी तिरुपति और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी के बीच सहयोग की संभावनाओं के पता लगाने और मित्रवत् सहयोग को मजबूत बनाने के लिए 30 जनवरी, 2019 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का सामान्य उद्देश्य दोनों संस्थाओं के बीच परस्पर लाभ के शैक्षिक और शोध सहयोग को सुलभ बनाना है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं: इन गतिविधियों का संवर्धन करने के लिए निधियन हेतु आवेदन सहित संयुक्त शैक्षिक एवं शोध कार्यकलाप, शोध के संचालन के उद्देश्य से विजिटिंग विद्वानों का आदान-प्रदान एवं विद्वत् कार्य का आदान-प्रदान, अवर स्नातक और स्नातक छात्रों का आदान-प्रदान, संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान तथा संयुक्त कार्यशालाओं और लघु कार्यक्रमों का आयोजन करना।

6. शैक्षिक आयोजन

आईआईटी तिरुपति संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्रों का विश्व के विद्वानों के साथ संपर्क को सुलभ बनाने के लिए राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमीनारों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करता रहा है। विचाराधीन अवधि के दौरान संस्थान ने दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों तथा संबोधित संकाय के औद्योगिक दौरे के साथ चार कार्यशालाओं का आयोजन किया। संस्थान का अवलोकन प्रदान करने और नए शैक्षिक वर्ष के आरंभ में छात्रों के तीसरे बैच के लिए पाठ्यचर्चा से अवगत कराने के लिए संस्थान ने एक अभियुक्ती कार्यक्रम का आयोजन किया।

6.1 शैक्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम

संस्थान ने बी.टेक छात्रों के 2018-22 बैच के प्रवेश हेतु 08 अगस्त, 2018 को अपने चौथा उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों और उनके अभिभावकों को शैक्षणिक कार्यक्रम तथा आईआईटी तिरुपति में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया गया। इसके पश्चात् संस्थान के निदेशक और अधिष्ठाता के साथ अभिभावकों के लिए इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया गया।

6.2 सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशाला का आयोजन

उद्योग 4.0 – अवसर, चुनौतियां और तैयारी संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आईआईटी तिरुपति और टेक्सॉस एंड एम यूनिवर्सिटी, यूएसए, के साथ 17-18 दिसंबर, 2018 को उद्योग 4.0 सम्मेलन का आयोजन किया। भारत और विदेशों के लगभग 240 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। सत्रों का आयोजन होटल मारासा सरोवर प्रीमियर, तिरुपति में किया गया।

अत्यधिक प्रदूषित वातावरण में एटमॉस्फेरिक रसयान एवं भौतिकी संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आईआईटी तिरुपति ने 24-26 मार्च, 2019 के दौरान “अत्यधिक प्रदूषित वातावरण में एटमॉस्फेरिक रसयान एवं भौतिकी” के संबंध में आईआईटी दिल्ली तथा सीआईएएस (चाइना इंडिया एसोसिएशन ऑफ एटमॉस्फेरिक साइंटिस्ट) के साथ संयुक्त रूप से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन



छात्रों और उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता, शैक्षिक कार्य



किया। विश्व भर से 180 से अधिक लोगों ने इसमें भाग लिया। आईआईटी दिल्ली तथा आईआईटी तिरुपति निदेशक इस सम्मेलन के संरक्षक थे।

वेल्डिंग प्रौद्योगिकी में प्रगति संबंधी कार्यशाला

आईआईटी तिरुपति ने भारतीय वेल्डिंग संस्थान (आईआईडब्ल्यू), चेन्नई अध्याय के सहयोग से श्रीसिटी, आंध्र प्रदेश में 22 नवंबर, 2018 को "वेल्डिंग प्रौद्योगिकी में प्रगति" के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। आईआईटी तिरुपति के डॉ. देगला वैकेट किरण ने श्रीसिटी में स्थित उद्योगों के वेल्डिंग इंजीनियरों हेतु सत्र का समन्वय किया। कुल 30 इंजीनियरों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।



कॉम्प्लेक्स एनालिसिस एंड कॉम्प्लेक्स डायनामिक्स संबंधी कार्यशाला

गणित विभाग ने 10-22 दिसंबर, 2018 को 'राष्ट्रीय उच्चतर गणित बोर्ड' के सहयोग से "शिक्षकों और शोध विद्वानों के लिए कॉम्प्लेक्स एनालिसिस एंड कॉम्प्लेक्स डायनामिक्स" संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. श्रीजननी अनुराग प्रसाद और डॉ. एस. राजेश ने प्रतिभागियों के लिए सत्रों का संचालन किया। इस कार्यशाला में विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं के कुल 29 शिक्षकों और शोध विद्वानों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का आयोजन आईआईटी तिरुपति के अस्थाई परिसर भवन में किया गया।



शैक्षिक लेखन और प्रकाशन संबंधी कार्यशाला

मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विभाग ने 17 दिसंबर, 2018 को शैक्षिक लेखन और प्रकाशन संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. शशांक सिन्हा, वरिष्ठ संपादक, रुटलेज इंडिया, तु प्रोफेसर सुंदर सर्लकाइ, एनआईएस, बंगलुरु ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में कार्यशाला के सत्रों का संचालन किया। सर्लकाइ रघुरामराजू और डॉ. भरत कुमार ने आयोजनों का संचालन किया। यह कार्यशाला आईआईटी तिरुपति अस्थायी परिसर भवन में आयोजित की गई।



एज कनेक्टिविटी के जरिए वायरलेस कनेक्टिविटी संबंधी कार्यशाला

के.पी. नवीन ने 16-19 दिसंबर, 2018 को प्रोन्नत नेटवर्क एवं दूरसंचार प्रणाली संबंधी आईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एएनटीएस), इंदौर के सहयोग से आयोजित एज कनेक्टिविटी के जरिए वायरलेस कनेक्टिविटी संबंधी कार्यशाला का सह-आयोजन किया।

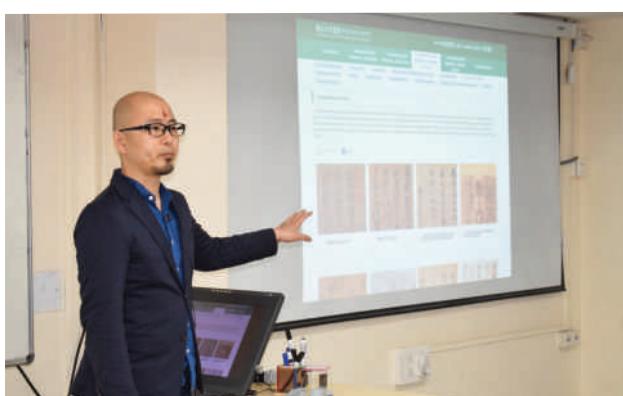
हैंड्स-ऑन सत्र के साथ साइबर सिक्यूरिटी संबंधी कार्यशाला

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी तिरुपति ने 19 जनवरी, 2019 को "हैंड्स-ऑन सत्र के साथ साइबर सिक्यूरिटी" संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। श्री मंजुल वर्मा, मास्टर सिक्यूरिटी आर्किटेक्ट, एचपी इंडिया ने कार्यशाला में कई व्याख्यान दिये।

6.3 वार्तालाप/आमंत्रित वार्ताएं

संस्थान ने अपने संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए विभिन्न विषयों पर विशेष वार्ताएं करने के लिए विश्व भर के विद्वानों को आमंत्रित किया। इन आमंत्रित वार्ताओं की सूची नीचे दी गई है:

- डॉ. श्रीहरि श्रीधरन, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम में गणित के एसोसिएट प्राध्यापक ने 02 मई, 2018 को ''रेंडम डायनामिक्स जनरेटिड बाई फाइनाइटिली मेनी रेशनल मैप्स'' संबंधी एक वार्ता की।
- प्राध्यापक कना तोमीजावा, यूनिवर्सिटी ऑफ सिजोका, जापान ने 10 जुलाई, 2018 को ''करेंट सिचुएसन एंड फ्यूचर पॉसिबिलिटीज ऑफ डिजिटल हामेनिटी'' संबंधी एक वार्ता प्रदान की।
- डॉ. श्रीनिवास पद्मनाभूनि, पूर्व अध्यक्ष, एसीएम इंडिया ने 14 सितंबर, 2018 को ''डाटा साइंस फॉर सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग''
- जितेन्द्र थेटी, एवीपी, एरिसेंट ने 26 सितंबर, 2018 को ''क्लाउड कंप्यूटिंग''। डॉ. पोनूरंगम कुमारगुरु, आईआईआईटी, दिल्ली ''सोशल मीडिया एनालिटिक्स'', 26 सितंबर, 2018.
- सचिवदानंद एस. जावली, निदेशक, साइबर सिक्यूरिटी, पीडब्ल्यूसी इंडिया ''साइबर सिक्यूरिटी - ओवरव्यू इंसीडेंस सर्विसेज, रिस्क इन इवोल्विंग टेक्नोलॉजीस एंड ड्रैंड'', 5 अक्टूबर, 2018.
- डॉ. निशांत चन्द्रन, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च, ''मेनी फेसिस ऑफ क्रिप्टोग्राफी'', 12 अक्टूबर, 2018.
- डॉ. श्रीराम चौधरी, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, विप्रो, ''एन ओवरव्यू ऑफ नेचुरल लैंगेज प्रोसेसिंग ट्रूल्स एंड एप्लीकेशंस'', 2 नवंबर, 2018.
- डेरिक जॉस, फ्लूट्रो डिसीजन साइंसिज के सह-संस्थापक, ''फ्यूचर ऑफ एआई एंड हाउस केन स्टूडेंट इनहेंस देयर प्लेसमेंट आउट कम्स?'', 16 नवंबर, 2018.
- डॉ. सुमन्ता मुखर्जी, रिसर्च वैज्ञानिक, आईबीएम रिसर्च ''मशीन लर्निंग एंड इंटरप्रेटेविलिटी'', 30 नवंबर, 2018.
- प्रो. सोनिया सिक्का, यूनिवर्सिटी ऑफ ओटावा ने अंतर्राष्ट्रीय दर्शनशास्त्र दिवस के उपलक्ष्य में 28 जनवरी, 2019 को ''फेथ, आइडेंटिटी एंड रिसर्च'' के संबंध में एक व्याख्यन दिया।
- डॉ. प्रताप श्रीराम सुंदर, सीईओ और चीफ कंसल्टेंट नेचुरा कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रा. लि. ''टेक्नॉलजी इनेबलर फॉर द सर्कुलर एकॉनमी'' 13 फरवरी, 2019
- श्री रघु रघुनाथन, पीएमपी, सीआईएसएसपी, सीआईएसए, प्रिंसिपल साइबरसिक्यूरिटी कंसल्टेंट, यूएसए ने 4 फरवरी, 2019 को ''साइबर सिक्यूरिटी: चैलेंजेस एंड ऑपर्यूनिटी'' के संबंध में एक वार्ता।
- प्रो. साईनाथन मजूमदार, रमन शोध संस्थान, बंगलौर ने 28 जनवरी, 2019 को ''डायनामिक जैमिंग इन डैंस पार्टीकुलेट सस्पेशन'' शीर्षक पर एक वार्ता।



- डॉ. नियामोटो ताक्सी, यूनिवर्सिटी ऑफ टोकियो ''इंस्ट्रूमेंटेशनल एंड ग्रॉस रुट डिजिटल आर्काइव्स इन जापान'' 6 मार्च, 2019
- प्रो. मार्क फॉक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरोन्टो अकाउंटेबल एआई सिस्टम्स 11 मार्च, 2019.

- डॉ. अरुण सेहरावत, हरीश चन्द्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, प्रयागराज ने 11 फरवरी, 2019 को ''एलाउड रीजन ऑफ मीन वैल्यु ऑफ एंगुलर मोमेंटम ऑब्जर्वेबल एंड देयर अनसर्टेनिटी रिलेशंस'' शीर्षक पर एक वार्ता की।
- प्राध्यापक अनिल प्रभाकर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास ने 15 मार्च, 2019 को ''सिक्यूरिंग डाटा इन ट्रांजिट विद क्वांटम ऑप्टिक्स'' शीर्षक पर एक वार्ता की।
- प्राध्यापक एस.टी. मेंसन, जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी ने 22 मार्च, 2019 को कोरिलेशन इन एटॉमिक प्रोसेस : इलेक्ट्रॉनिक्स रियली टू कम्प्युनिकेट विद ईच अदर शीर्षक पर एक वार्ता की।
- डॉ. मंगला नरलिकार ने 29 मार्च, 2019 को ''एप्लीकेशन ऑफ नंबर थ्योरी टू क्रिएट ए सीक्रेट कोड'' शीर्षक पर एक वार्ता की।
- डॉ. सुदर्शन तिवारी ने 30 नवंबर, 2018 को ''ए मेसफ्री पार्टिकल मेथड फॉर सिमुलेशन ऑफ फ्लूइड फ्लो एंड इंटरएक्टिंग पार्टिकल सिस्टम्स'' संबंधी एक वार्ता की।
- डॉ. पी. वासुदेव सेहु, डीवीआर और एसके सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल के एमडी डीएम कार्डियो ने 28 अगस्त, 2018 को ''हाइपरटेंशन'' संबंधी एक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया।

6.4 विशिष्ट व्याख्यान शृंखला

आईआईटी तिरुपति ने प्राध्यापक राजमोहन गांधी, सुप्रसिद्ध इतिहासकार और जीवनी लेखक द्वारा ''भारत की कथा में दक्षिण भारत की भूमिका'' के संबंध में उद्घाटन व्याख्यान के साथ 7 जनवरी, 2019 को विशिष्ट व्याख्यान शृंखला का शुभरंभ किया। इस विशिष्ट व्याख्यान शृंखला का उद्देश्य देश के प्रख्यात विद्वानों को आईआईटी तिरुपति के समुदाय को प्रबुद्ध करने हेतु आमंत्रित करना था। प्राध्यापक जी. भास्करन, थ्योरेटिकल फिजिसिस्ट, गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई को ''एक क्वांटम लीप एंड एब्राइट फ्यूचर'' विषय पर 12 मार्च, 2019 को शृंखला को दूसरा व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। तीसरा व्याख्यान 29 मार्च, 2019 को ''हाउ वेल हू वी नो ऑवर यूनिवर्स?'' शीर्षक पर प्राध्यापक जयंत वी. नर्लिकर, एमेरेट्स प्राध्यापक, इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, द्वारा दिया गया।



6.5 संकाय सदस्यों द्वारा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का भ्रमण

खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के समक्ष आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए निदेशक, प्राध्यापक के.एन. सत्यनारायण की अध्यक्षता में श्री एन.एल.वी. पंडित, वरिष्ठ परामर्शदाता, एपी फूड प्रोसेसिंग सोसाइटी के साथ संकाय सदस्यों के एक दल ने 3 नवंबर, 2018 को चित्तूर के नजदीक स्थित जैन फूड सिस्टम एवं फूड एण्ड इन्स प्रोसेसिंग प्लांट्स का दौरा किया।



6.6 समर इंटर्नशिप

संस्थान उन छात्रों के लिए समर इंटर्नशिप को अत्यधिक वरीयता देते हुए प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करता है जो संस्थान में प्राप्त किए गए ज्ञान का अनुपूरण करते हैं। यह छात्रों को किसी संगठन के वातावरण में कार्य करने का अवसर भी प्रदान करता है। आईआईटी तिरुपति भारत तथा विदेशों में अपने तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 100 प्रतिशत गुणवत्ताप्रक इंटर्नशिप सुनिश्चित करता है।

7. संस्थान के आयोजन

आईआईटी तिरुपति ने छात्रों को उनकी संगत शाखाओं में विशेषता के साथ उनके समग्र व्यक्तित्व का विकास करने का प्रचुर अवसर प्रदान करने के लिए कैम्पस में विभिन्न आयोजन किए। अपनी शुरूआत के तृतीय वर्ष में संस्थान ने बड़ी संख्या में विविध और महत्वपूर्ण आयोजन किए। संस्थान ने 5 से अधिक भारतीय प्रौद्योगिकीय संस्थानों तथा विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित अभियांत्रिकी संस्थाओं के पांच प्राध्यापक सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों से सीखने का अवसर प्रदान करते हुए एक प्राध्यापक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया और उसकी मेजबानी की। इसके अतिरिक्त संस्थान ने कैम्पस में स्पिकमेके के पहले प्रदर्शन का आयोजन किया। रिपोर्ट का यह खंड वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देता है।

तीसरा संस्थान दिवस

आईआईटी तिरुपति के तीसरे संस्थान दिवस का 4 अप्रैल, 2018 को आयोजन किया गया। श्री अनिल कुमार सिंघल, आईएएस, कार्यकारी अधिकारी, तिरुमाला तिरुपति देव स्थानमण्डप इस आयोजन के मुख्य अतिथि थे। प्राध्यापक के. एन. सत्यानारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति ने समारोह की अध्यक्षता की। औपचारिक रूप से आयोजन प्राध्यापक के, कृष्णैया, संकाय अध्यक्ष, शैक्षिक कार्य, द्वारा स्वागत भाषण के साथ आरंभ हुआ जिसके पश्चात् मुख्य अतिथि और निदेशक ने भाषण दिए। छात्रों ने इस अवसर पर शानदार सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत कियें। मुख्य अतिथि ने विभिन्न शाखाओं के टॉपर को पदक प्रदान किए और वर्ष के दौरान आयोजित विभिन्न आयोजनों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। डॉ. एन. वैंकेया, एसोसिएट संकाय अध्यक्ष, छात्र कार्य, द्वारा धन्यवाद भाषण दिया गया।



आईआईटी तिरुपति द्वारा अपने प्रतीक चिन्ह का शुभारंभ

अपने तीसरे संस्थान दिवस के अवसर पर आईआईटी तिरुपति ने अपने प्रतीक चिन्ह का शुभारंभ किया जिसे सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों सदस्यों के परामर्श से राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा तैयार किया गया था। प्रतीक चिन्ह के विषयागत विवरण के लिए कृपया <https://iitt.ac.in/aboutlogo> देखें।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति



स्थायी परिसर में 72वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

आईआईटी तिरुपति के स्थायी परिसर में मनाया जाने वाला पहला समारोह 72वां स्वतंत्रता दिवस था। यह समारोह निदेशक प्राध्यापक के.एन. सत्यनारायण द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ आरंभ हुआ जिसके पश्चात् राष्ट्रीय गान गाया गया। निदेशक ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के समूह को संबोधित किया। छात्रों ने संस्थान के इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय एकता के विषय पर कई सांस्कृतिक आयोजन और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।



शिक्षक दिवस समारोह

प्रत्येक वर्ष के अनुसार आईआईटी तिरुपति ने प्राध्यापक एस. राधाकृष्णन की जन्म जयंती मनाने के लिए 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन में प्रो. पी. आर. राव (पूर्व प्राध्यापक विद्युत अभियांत्रिकी, आईआईटी कानपुर) की उपस्थिति ने भव्यता बढ़ाई जिन्होंने आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों के साथ अपने गहन शैक्षिक अनुभव को साझा किया। यह इवेंट निदेशक द्वारा प्रो. पी. पी. आर. के. राव को विदाई देने के साथ संपन्न हुआ।



स्थायी परिसर में 70वां गणतंत्र दिवस समारोह

आईआईटी तिरुपति ने 26 जनवरी, 2019 को 70वें गणतंत्र दिवस का आयोजन किया। ये आयोजन निदेशक प्रो. के. एन. सत्यनारायण द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ आरंभ हुआ जिसके पश्चात् राष्ट्रीय गान गाया गया। निदेशक ने प्राध्यापक सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के समूह को संबोधित किया। छात्रों ने राष्ट्र की एकता और देशप्रेम की शपथ लेते हुए कई सांस्कृतिक इवेंटों का आयोजन किया।

स्पिकमेके

युवाओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत का संवर्धन करने के लिए स्पिकमेके हेरीटेज कलब के दूसरे प्रदर्शन का 13 नवंबर, 2018 का आयोजन किया गया। श्री सिकिकल गुरुचरण ने कर्नाटक की वोकल लेक्चर प्रस्तुति दी जिसमें उनके साथ वाइलिन पर श्री वी. संजीव और मृदंग पर श्री अक्षय अनन्तपदमनाभन थे।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

21 जून, 2018 को अतिउत्साह के साथ आईआईटी तिरुपति ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। श्री जाम्फला श्रीनिवासराव एक योग शिक्षक को योग के संबंध में वार्ता करने के लिए और प्राध्यापक सदस्यों तथा कर्मचारियों को सही प्रकार से विभिन्न आसन करना सिखाने के लिए आमंत्रित किया गया। अनुदेशक का अनुसरण करते हुए सभी प्राध्यापक सदस्यों और कर्मचारियों ने योग आसनों के लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए विभिन्न आसन किए। योग अनुदेशक श्री जाम्फला श्रीनिवासराव ने अपनी वार्ता और प्रदर्शन के माध्यम से प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों को इस स्वरूप आदत को अपनाने के लिए प्रेरित किया।



श्री अमरनाथ रेड्डी, माननीय उद्योग एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री का आईआईटी तिरुपति का दौरा

खाद्य एवं कृषि प्रौद्योगिकी की संस्थान द्वारा शोध एवं विकास के लिए एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में पहचान की गई है। निदेशक और संकाय सदस्यों के साथ यह विचार करने के लिए कि आईआईटी तिरुपति किस प्रकार खाद्य प्रसंस्करण और कृषि में राज्य की पहलों में योगदान दे सकता है, श्री एन. अनंत रेड्डी, माननीय उद्योग एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री, आंध्र प्रदेश सरकार ने श्री वाई.एस. प्रसाद, सीईओ, एपी फूड प्रोसेसिंग सोसाइटी और श्री प्रीतम रेड्डी, उद्योग विशेष प्रतिनिधि के साथ 8 अक्टूबर, 2018 को संस्थान का दौरा किया।



8. कैम्पस अवसंरचना

आईआईटी तिरुपति अपनी शुरूआत से ही छात्रों की अनिवार्य आवश्यकताओं को जब भी आवश्यक हो, पूरा करने के लिए अपने अस्थायी परिसर में नई अवसंरचना सुविधाओं को जोड़ता रहा है। स्थान संबंधी अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए संस्थान ने शोध विद्यार्थियों और प्राध्यापक सदस्यों की बढ़ती हुई संख्या को स्थान प्रदान करने के लिए मौजूदा भवन के नजदीक किराए पर एक और बिल्डिंग ली है। अपने संचालन के चौथे वर्ष में ही आईआईटी तिरुपति युरपेड़-वैकंटगिरी राजमार्ग पर मेरलपका गांव में स्थित अपने 530 एकड़ के स्थायी परिसर से कार्य करना आरंभ कर दिया है। स्थायी परिसर का निर्माण कार्य जारी हैं और परिसर के पहले चरण के 'चरण-1ए (पारगमन परिसर)' का कार्य पहले ही पूरा कर लिया गया है। समूचा परिसर 2500 छात्रों, 250 संकाय सदस्यों और 275 कर्मचारी सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 2024 तक निर्मित किए जाने की योजना है। संस्थान के 'चरण-1ए (पारगमन परिसर)' ने जीआरआईएचए परिषद, नई दिल्ली से अनुकरणीय प्रदर्शन पुरस्कार जीता है और सतत विनिर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों के साथ एक पारिस्थितिकी के सुलभ परिसर के डिजाइन और निर्माण के लिए हुडको डिजाइन पुरस्कार-2018 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। यह अध्याय समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान के परिसरों में की गई प्रगति की सूचना प्रदान करता है।

8.1 अस्थायी परिसर

शैक्षिक भवन

आईआईटी तिरुपति ने कृष्णा तेजा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में तिरुपति-रेनीगुंटा रोड पर स्थित अपने स्थायी परिसर से कार्य आरंभ कर दिया है। थोड़े से समय में ही संस्थान ने सुकर कार्यकरण के लिए अपने स्थायी परिसर में सभी आवश्यक अवसंरचना सुजित की है। संस्थान ने पीईबी ढांचे का प्रयोग करते हुए 45 दिन के रिकॉर्ड समय के भीतर ही अपने स्थायी परिसर में रसोई-सह-भोजन सुविधा भी तैयार कर ली है। स्थायी परिसर में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:



अस्थायी परिसर,
आईआईटी तिरुपति
का एक दृश्य

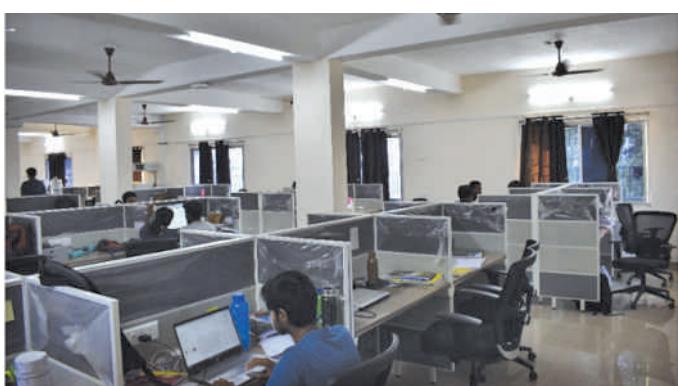
निम्नलिखित सुविधाएं अस्थायी परिसर में उपलब्ध हैं:

- ऑडिटोरियम – 200 सीटों वाला
- राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) वास्तविक शिक्षण-कक्ष
- 30 सीट वाला शिक्षण कक्ष-2
- 60 सीट वाले शिक्षण कक्ष-8
- 120 सीट वाला शिक्षण कक्ष-1
- प्राध्यापक कैबिन और लाउंज
- अतिथि प्राध्यापक कक्ष
- कर्मचारी कक्ष
- शोध विद्यार्थी कक्ष
- बैठक कक्ष
- बोर्ड कक्ष
- केंद्रीकृत वाई-फाई
- प्रशासनिक कार्यालय

- इलेक्ट्रानिक्स लैब्रेटोरी
- फिजिक्स लैब्रेटोरी
- केमिस्ट्री लैब्रेटोरी
- कार्यशाला कम्प्यूटर लेबोरेटरी
- नवाचार प्रयोगशाला
- रसोई-सह-भोजन सुविधा
- कैफेटेरिया
- व्यायामशाला
- पैसेंजर लिफ्ट
- समूचे कैम्पस के लिए $24 \times 7 - 365$ दिन डीजी बैकअप
- आरओ सिस्टम (2×500 लीटर प्रति घंटा) – पीने और भोजन पकाने के लिए
- आउटडोर एवं इंडोर खेल सुविधाएं
- शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए पहुंच हेतु आवश्यक सुविधाएं प्रदान की गयी हैं।



एनेक्सी बिल्डिंग का एक दृश्य



शोध विद्वानों के लिए क्यूबिकल्स का एक दृश्य

एनेक्स बिल्डिंग

प्राध्यापक सदस्यों और शोध विद्वानों की बढ़ती हुई संख्या के कारण स्थान की अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए संस्थान ने मौजूदा शैक्षिक भवन के नजदीक 10,000 वर्ग फुट (लगभग) क्षेत्र की एक और जी \times 2 तल बिल्डिंग किराए पर ली।

एनेक्स बिल्डिंग फैकल्टी चैम्बर्स के लिए आवश्यक सुविधाओं और शोध विद्वानों के लिए कैबिन से भी युक्त है। समर्पित पठन और शोध को सुकर बनाने के लिए एमएस तथा पीएच.डी छात्रों के लिए कुल 60 निजी क्यूबिकल्स तैयार किए गए।

छात्रावास और अन्य सुविधाएं

आईआईटी तिरुपति ने येरपेडु में स्थायी परिसर में लड़कों के लिए 4 छात्रावासों और लड़कियों के लिए एक छात्रावास का निर्माण किया। लड़कों के छात्रावास की कुल सीटिंग क्षमता 600 हैं और लड़कियों के छात्रावास में कुल सीटिंग क्षमता 120 है। सभी बी.टेक. और एम.टेक. छात्रों को इन छात्रावासों में ठहराया गया है। इसके अतिरिक्त, आईआईटी तिरुपति ने एम.एस. और पीएच.डी. छात्रों को छात्रावास प्रदान करने के लिए लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में अस्थायी परिसर के नजदीक दो भवन किराये पर भी लिए हैं। छात्रावास में आरामदायक जीवन सुनिश्चित करने के लिए संस्थान ने प्रत्येक छात्रावास में वैयक्तिक रूप से अपेक्षित सभी सुविधाएं सृजित की हैं और छात्रों को भोजनशाला सुविधा के साथ सुसज्जित कक्ष प्रदान किए हैं। संस्थान का अस्थायी और स्थायी दोनों परिसरों में अपना स्वयं का प्राथमिक देखभाल स्वास्थ केंद्र है और इसने छात्रों को कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए शहर में एक मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं।



आईआईएसईआर तिरुपति में छात्रावास

संस्थान द्वारा छात्रावास तथा संस्थान के बीच आने-जाने के लिए परिवहन सुविधा का भी प्रबंध किया गया है। इस छात्रावास संस्थान के मुख्य भवन वाशिंग मशीन, टीवी, वाटर कूलर्स, वाटर हीटर्स और कम्प्यूटर कक्षों से प्वाईंट-टू-प्वाईंट रेडियो के जरिए जुड़ी 24x7 वाई-फाई सुविधा से युक्त हैं।



लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में छात्रावास

खेल सुविधाएं:

छात्रों के लिए आउटडोर खेल सुविधाओं के साथ एक इंडोर स्टेडियम का निर्माण किया गया है।

आउटडोर खेल सुविधाएं:

- पॉली प्रोपलीन टाइलों के साथ बॉस्केटबॉल कोर्ट
- दो वॉलीबॉल कोर्ट

- एक टेनिस कोर्ट और हॉफ प्रैक्टिस कोर्ट

- रनिंग ट्रैक सह-फुटबॉल / क्रिकेट मैदान

इंडोर खेल सुविधाएं:

- विनाइल फ्लोरिंग के साथ तीन बैंडमिंटन कोर्ट
- टेबल टेनिस
- जिम



इंडोर और आउटडोर खेल सुविधाओं का दृश्य

स्वास्थ्य केंद्र

आईआईटी तिरुपति के अस्थायी और पारगमन दोनों परिसरों में अपना स्वयं का प्राथमिक देखभाल स्वास्थ्य केंद्र है जिसमें परिसर के भीतर सुप्रशिक्षित स्टाफ नर्सों तथा 24x7 एम्बुलेंस सेवा सहित दो योग्य डॉ. नामतः डॉ. स्वेता एम.बी.बी.एस., डीजियो और डॉ. के. वी. रामाराव एम.बी.बी.एल., डीएनबी, एफसीडी मौजूद हैं।

आपातकालीन परिस्थितियों में दी जाने वाली अच्छी गुणवत्ता प्राथमिक देखभाल में मूल जीवन सहायता-सीपीआर, डेफिनीलेटर इत्यादि शामिल है। सभी सामान्य रोगों जैसे कि वॉयरल फीवर, माइग्रेन, खेलों के दौरान लगी चोट का उपचार किया जाता है। यहां व्हील चेयर, परिवहन रोगियों के लिए स्ट्रेचर, इंस्ट्रूमेंट स्टरलाइजेशन के लिए ऑटोकलेव; ऑक्सीजिनेशन के लिए ऑक्सीजन के सिलेंडर, नेबूलाइजर, ईसीजी मशीन, एडस्टेबल हॉस्पिटल बेड, एंटीस्नेक वेनम और एंटीरेबीज बैक्सीन जैसी सुविधाएं मौजूद हैं।

हमारा, उच्च संदर्भ सेवाओं के लिए हीलियस मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, श्री रामा देवी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल और एसवीआईएमएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के साथ समझौता ज्ञापन है। सभी प्रकार की दवाइयां खरीदने के लिए कोरलागुंटा में अपोलो फॉर्मेसी के साथ समझौता ज्ञापन है। स्वास्थ्य देखभाल टीम संक्रमण रोगों और गैर-संक्रमण रोगों की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करती है।



स्वास्थ्य केंद्र का एक दृश्य

अतिथि गृह सुविधा

अतिथि गृह की आवश्यकता को पूरा करने के लिए संस्थान ने केसीआर टॉवर अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में पांच फ्लैट किराये पर लिए हैं। इस उद्देश्य के लिए वाईफाई तथा अन्य अपेक्षित सुविधाओं के साथ संस्थान के अतिथियों के लिए छ: दोहरे आवास और चार एकल वातानुकूलित कक्ष उपलब्ध कराए गए हैं। संस्थान के स्थायी परिसर में दो दोहरे वातानुकूलित कक्ष उपलब्ध हैं। अतिथि गृह में एक रसोई-सह-भोजनशाला हॉल हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त विजिटिंग संकाय के लिए दो पूर्णतः सुसज्जित अपार्टमेंट उपलब्ध कराये गए हैं।



केसीआर टॉवर में अतिथि गृह सुविधा



स्थायी परिसर में अतिथि गृह सुविधा

8.2 स्थायी परिसर

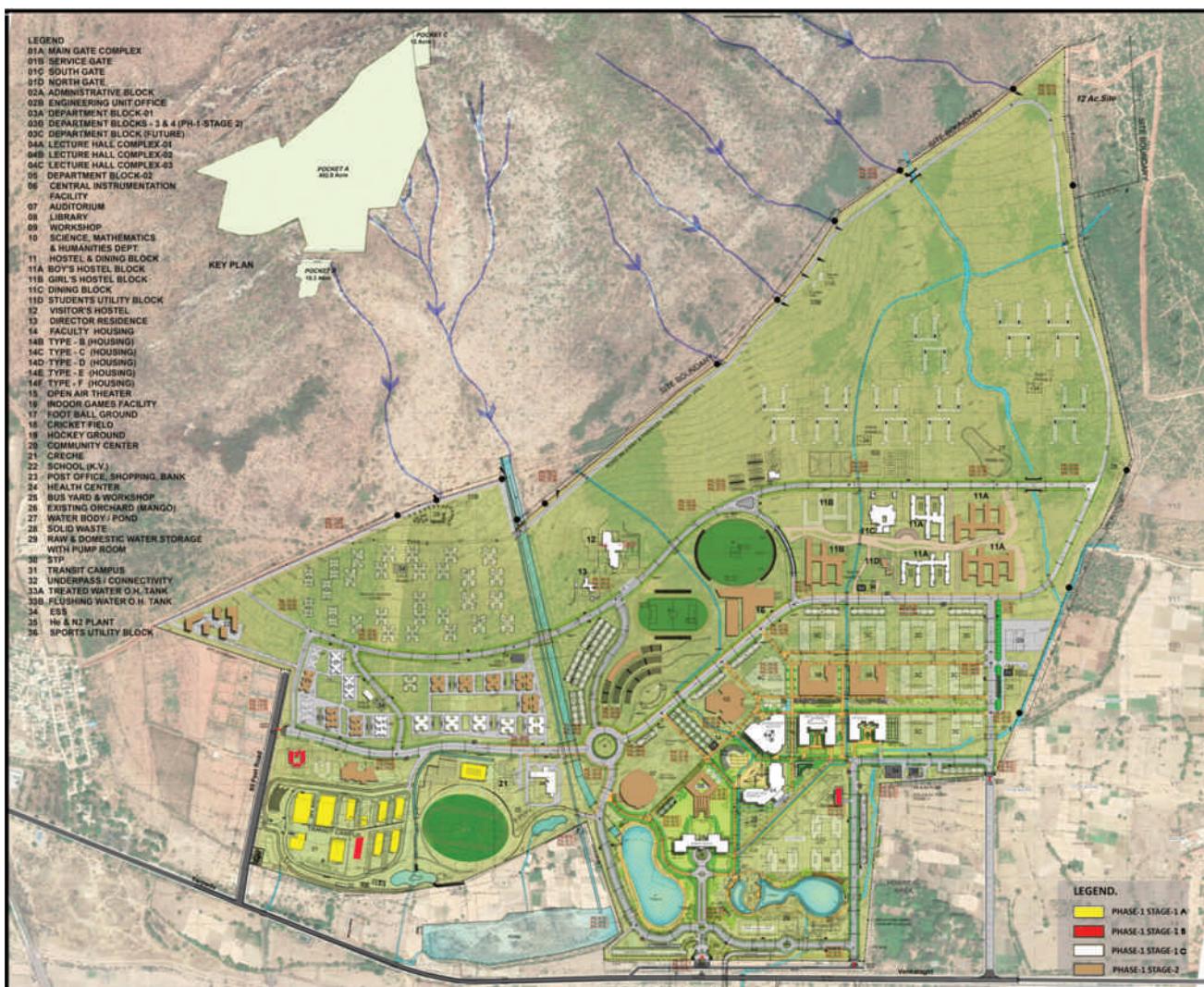
आंध्र प्रदेश सरकार ने संस्थान को मेरलपका गांव में येरपेडु वेंकटगिरि राजमार्ग पर स्थित स्थायी परिसर के विकास के लिए 548.49 एकड़ भूमि प्रदान की। स्थायी परिसर स्थल तिरुपति शहर से 24 कि.मी., रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन से 14 कि.मी. और तिरुपति हवाई अड्डे से 13 कि.मी. दूर है। स्थल के आस-पास चारदीवारी का कार्य लगभग पूरा होने वाला है।

परामर्शदाता निदेशक के अनुमोदन से मास्टर प्लानर और आर्किटेक्ट एजेंसी का चयन करने के लिए मार्च 2016 में एक कैम्पस मास्टर प्लान सलाहकार समिति का गठन किया गया। समिति ने उपयुक्त चयन प्रक्रिया का पालन करते हुए मैसर्स सुरेश गोयल एंड एसोसिएट्स को सितंबर 2017 में कैम्पस मास्टर प्लान, शैक्षिक भवनों के डिजाइन और बाह्य सेवाओं के डिजाइन के लिए नियुक्त किया। आवासीय भवनों और खेल सुविधाओं के लिए मै. आधारशिला डिजाइन्स प्रा. लि. को नियुक्त किया गया है।

12,000 छात्रों वाले परिसर के लिए मास्टर योजना पूरी कर ली गयी है। इसमें नीचे दिए गए चित्र में दर्शाए अनुसार पारगमन परिसर (जिसे बाद में स्थायी परिसर के साथ समेकित किया जाएगा) के साथ चार जोन नामतः शैक्षिक जोन, छात्रावास जोन, हाउसिंग जोन और मनोरंजन जोन शामिल हैं।

मास्टर प्लान की मुख्य विशेषताएं

- यह स्थल एक राष्ट्रीय राजमार्ग से बंटा हुआ है। पश्चिमी परिसर (529 एकड़) में शैक्षिक परिसर और पूर्वी परिसर (19 एकड़) में एक शोध पार्क होगा। एक अंडरपास दोनों परिसरों को जोड़ेगा।
- इस कैम्पस के स्मार्ट, सतत और पैदलयात्री सुलभ परिसर के रूप में योजना बनायी गयी है।
- कैम्पस स्थल की पारिस्थितिकी विशिष्टता को बनाए रखने के लिए मौजूदा धाराओं और जल निकायों को बनाए रखा गया है। स्थायी परिसर स्थल की पारिस्थितिकी के संरक्षण हेतु चेन्नई आधारित एक एनजीओ केयर अर्थ ट्रस्ट द्वारा एक व्यापक पारिस्थितिक प्रबंधन योजना (ईएमपी) तैयार की गयी थी।
- वर्षा के पानी को इकट्ठा करने और उसके भंडारण के लिए दो जल निकायों का सृजन किया जा रहा है। इससे कैम्पस के लिए लगभग 3 माह की जल आपूर्ति होगी।



मास्टर प्लान, आईआईटी तिरुपति

- स्थल पर कटाव और भराई को न्यूनतम करने के लिए भवनों और अन्य सुविधाओं के स्थानों की योजना बनाई गयी है।
- भवनों को न्यूनतम हीट गेन के लिए अभिमुखी बनाया गया है।
- यह योजना इस प्रकार बनाई गई है कि स्थायी परिसर का निर्माण चरणों में किया जाएगा। वर्ष 2024 तक 2,500 छात्रों, 250 प्राध्यापक सदस्यों और 275 कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक संपूर्ण परिसर के निर्माण की योजना है। यह निर्माण दो चरणों में किया जाना है। 2021 तक पूरा किए जाने वाले चरण-1 में 1250 छात्रों और 120 प्राध्यापक सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भवनों और सुविधाओं तक पूरा किया जाना और सभी कार्य स्थायी परिसर में स्थानांतरित किए जाना अपेक्षित है। तदनुसार परिसर को 25-30 वर्ष की अवधि में 12,000 - छात्र कैम्पस की आवश्यकता को पूरा करने हेतु विभिन्न चरणों में तरक्की करते हुए विकसित किया जाना अपेक्षित है।

स्थायी परिसर फेज - 1, स्टेज - 1 एनिर्माण (पारगमन परिसर)

स्थायी परिसर स्टेज - 1 निर्माण में भवनों और सुविधाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

- जी3 तलों के साथ पांच छात्रावास प्रत्येक लगभग 150 छात्रों के आवास हेतु
- 120 सीट वाले एक स्टुडियो टाइप शिक्षण के साथ एक जी1 फ्लोर शिक्षण कक्ष 90 सीट वाला एक शिक्षण कक्ष, 60 सीट वाला एक शिक्षण कक्ष, 90 सीट वाली एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला, एक स्टाफ रूम और दो चिकित्सक जांच कक्षों एवं 4-बिस्तर वार्ड के साथ एक स्वास्थ्य केंद्र

- सिविल, विद्युत और यांत्रिक कार्यशाला सुविधाओं के लिए दो प्रयोगशाला भवन
- अनिवार्य कर्मचारियों के लिए चार अपार्टमेंटों के साथ आवासीय ब्लॉक
- एक रख-रखाव कार्यालय भवन
- आउटडोर खेल सुविधाओं के साथ एक इनडोर खेल परिसर
- बैच में 300 व्यक्तियों के लिए आधुनिक और स्वच्छ रसोई से सुसज्जित एक भोजन-सह-रसोई सुविधा
- सड़क रोशनी के साथ बीटी सड़के
- 500 केवी सब स्टेशन



स्थायी परिसर के चरण-1, चरण-1ए का एरियल दृश्य

पारगमन परिसर के निर्माण में निम्नलिखित सतत पारिस्थितिकी विशिष्टताएं शामिल हैं:

- छात्रावासों, आवासीय ब्लॉकों के निर्माण में ग्लास फाइबर रिइंफोर्स्ड जिप्सम (जीएफआरजी) प्रौद्योगिकी
- प्रयोगशालाओं, कार्यशाला, डाइनिंग ब्लॉक, इंडोर खेल परिसरों के लिए पीईबी स्ट्रक्चर्स
- प्रयोगशालाओं में पॉलिश्ड कंक्रीट फ्लोरिंग
- छात्रावासों में 48-वोल्ट डीसी लाइट फिटिंग्स और सीलिंग फैन्स
- 220 डब्ल्यूपी एफ-टॉप ग्रिड इंटरएक्टिव टाइप सोलर पॉवर प्लांट
- सोलर वाटर हीटर्स
- हाई वॉल्यूम लो स्पीड (एचवीएलएस) फैन्स
- फ्लॉरिंग और बागवानी उद्देश्यों के लिए प्रयोग होने वाले ट्रीटिड जल के साथ एसटीपी

आईआईटी तिरुपति पारगमन परिसर परियोजना को गृहा परिषद द्वारा अनुकरणीय प्रदर्शन पुरस्कार और हुडको डिजाइन पुरस्कार – 2018 में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है

आईआईटी तिरुपति की पारगमन परिसर परियोजना को सतत निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी के साथ एक पारिस्थितिकी सुलभ परिसर के डिजाइन एवं विनिर्माण हेतु ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटेड हैबीटेट एससमेंट गृहा परिषद द्वारा श्रेणी सतत सामग्री और प्रौद्योगिकी के तहत अनुकरणीय प्रदर्शन पुरस्कार प्रदान किया गया।

साथ ही, इस परिसर परियोजना ने सतत निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी के साथ एक पारिस्थितिकी सुलभ परिसर के डिजाइन और विनिर्माण हेतु 'ग्रीन बिल्डिंग्स' श्रेणी के अंतर्गत आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) द्वारा दिए जाने वाले हुडको डिजाइन पुरस्कार-2018 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।



Category:
Green Buildings
Project:
Construction at IIT Transit Campus, Chittoor District, Andhra Pradesh
By
THRESHOLD Architects

FIRST PRIZE

स्थायी परिसर फेज - 1, स्टेज - 1 बी निर्माण (शिक्षण कक्ष भवन, ईयू कार्यालय, छात्रावास ब्लॉक-एफ)

- 40 सीटों वाले आठ शिक्षण कक्षों, 60 सीटों वाले चार शिक्षण कक्षों, 120 सीटों वाले एक शिक्षण कक्ष सहित 13 शिक्षण कक्षों वाला एक शिक्षण कक्ष भवन (जी+2)
- स्टेज - 1सी निर्माण दिसंबर, 2019 में आरंभ हो जाएगा। सीपीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों, वास्तुकारों और आईआईटीटी इंजीनियरिंग यूनिट के कर्मचारियों को आवास प्रदान करने के लिए एक (जी+1) तल भवन.
- लगभग 200 छात्रों को आवास प्रदान करने के लिए एक छात्रावास ब्लॉक

तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऊपर लिखे तीन भवनों का निर्माण कार्य आरंभ किया गया है।



शिक्षण कक्ष परिसर का स्थापना कार्य

9. छात्र गतिविधियां

नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त आईआईटी तिरुपति में छात्र विभिन्न तकनीकी, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं जो उनके नवाचारी विचारों को आकार देते हैं और उनकी बहुआयामी प्रतिभा का विकास करते हैं। संस्थान ने शिक्षा, फोटोग्राफी, संगीत, नाटक, नृत्य, ट्रैकिंग, स्वयंसेवी सामाजिक सेवाओं इत्यादि के संबंध में लगभग 10 सक्रिय क्लब स्थापित किए हैं। रिपोर्ट का यह खंड छात्रों द्वारा आयोजित निम्नलिखित आयोजनों और गतिविधियों की जानकारी प्रदान करता है:

- (अ) तकनीकी और टैक्नो-सांस्कृतिक आयोजन
- (ब) एनएसएस की गतिविधियां
- (क) छात्र क्लब और खेल संबंधित गतिविधियां

9.1 तकनीकी आयोजन

वर्ष 2017-2018 में निम्नलिखित तकनीकी इवेंटों का आयोजन किया गया:

आईआईटी तिरुपति ने 7वीं अंतर-आईआईटी टेक मीट-2018 में 8वां स्थान प्राप्त किया

आईआईटी तिरुपति ने सभी दूसरी और तीसरी पीढ़ी के आईआईटीजे को पीछे छोड़ते हुए 7वीं अंतर-आईआईटी मीट-2018 में 8वां स्थान प्राप्त किया। आईआईटी तिरुपति के 28 छात्रों के जर्थे ने 18-20 दिसंबर, 2018 तक आईआईटी बम्बई में आयोजित आईआईटी टेक मीट में भाग लिया। आईआईटी तिरुपति ने दो स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक जीता। प्लूटोएक्स हैकाथन में आईआईटी तिरुपति ने अकेले स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

आईआईटी तिरुपति के छात्रों की टीम ने ईएसआईजीईएलईसी, फ्रांस के लिए एक पूरी तरह से प्रदत्त ट्रिप जीता

द्वितीय वर्ष छात्रों वी. धीरज, सूर्य गणेश वाधरी, केएचडीएस उदय कृष्णा, एवीएसके चैतन्य को शामिल करते हुए छात्रों की एक टीम ने फ्रांस स्थित संस्थान नामतः ईएसआईजीईएलईसी तथा मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा अक्टूबर, 2018 में आयोजित प्रतिस्पर्धा ''मेक युअर रोबोटिक'' जीती। यह टीम देश भर से 51 टीमों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान पर रही और इसने फ्रांस में ईएसआईजीईएलईसी की एक पूर्णतः प्रदत्त ट्रिप जीती।

स्मार्ट इंडिया हैकाथन-2019

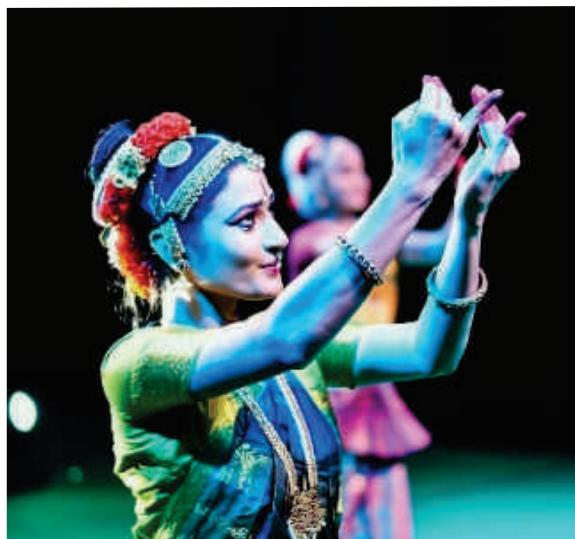
आईआईटी तिरुपति की टीम बिनर्स लक स्ट्राइक (श्री गोतम सैथिल, श्री अरविंद राजीव, श्री नंद कुमार के., श्री अभिषेक पी., श्री कौशिक के.एस., सुश्री रिशिता रेड्डी) ने स्मार्ट इंडिया हैकाथन 2019 में एप बेस्ड सोल्युश्न्स फॉर डिजिटाइजेशन ऑफ वैल्यूएशन ऑफ मोबाइल एसेट समस्या निवारण के लिए 1 लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार और एक शील्ड जीती।

ऑन-कैम्पस इवेंट

प्रत्येक सेमेस्टर में तकनीकी आयोजनों की एक श्रंखला आयोजित की जाती है जिसमें साफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों कौशल आवश्यक होते हैं जैसे कि कोडिंग प्रतियोगिता, आरसी कार रेसिंग और खगोलशास्त्र तथा प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर प्रश्न मंच और साथ ही प्रमुख अधिगम हेतु छात्र कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

9.2 तिरुत्सव – 2019: दूसरा तकनीकी–सांस्कृतिक उत्सव

तिरुत्सव – 2019, दिनांक 01–03 फरवरी, 2019 को आयोजित, आईआईटी तिरुपति का दूसरा तकनीकी–सांस्कृतिक उत्सव था। इसमें फायर डांस और लेजर डांस जैसी रोमांचक सांस्कृतिक प्रदर्शनी देखी गई। जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता दर्शाई और उन्होंने दो दिवसीय उत्सव के दौरान संचालित विभिन्न तकनीकी आयोजनों में भागीदारी द्वारा नवाचारी विचार प्रस्तुत किए। तिरुपति से विभिन्न छात्रों ने मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में नवीनतम विषयों में संचालित कार्यशालाओं में भाग लिया। बंगलौर आधारित एक रॉक बैंड लगोरी तथा डीजे नाइट द्वारा प्रस्तुतियां भीड़ को आकर्षित करने वाली रही। तिरुपति के नागरिक दोनों ही इवेंटों में सप्ताहान्त का लुत्फ उठाने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। समग्र रूप से तिरुत्सव छात्रों की कई टीमों का प्रयास था जिन्होंने इसे एक बड़ी सफलता बनाने के लिए अर्थक रूप से कार्य किया।



9.3 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियां

सर्वम, पुदुचेरी

संस्थान के दो छात्रों अमन सिंह और अनूप कुलकर्णी ने पुदुचेरी की यात्रा की और 15 मई से 18 मई, 2018 तक सर्वम, श्री अरविन्दो सोसाइटी द्वारा आयोजित ग्रीष्म कैंप में छात्रों को पढ़ाया। छात्रों ने विज्ञान और गणित को शामिल करते हुए कई प्रयोग और ट्रिक प्रस्तुत किये।



तमिलनाडु के राज्यपाल को शिविर के दौरे के दौरान प्रयोग दर्शाते हुए

क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, तिरुपति में अरडुइनो कार्यशाला

संस्थान के एनएसएस छात्र स्वयं सेवकों ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, तिरुपति के साथ स्थानीय स्कूली छात्रों के लिए दो दिवसीय अरडुइनो कार्यशाला का आयोजन किया। इस इवेंट का आयोजन क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र में 19 और 20 जनवरी, 2019 को किया गया। इस कार्यशाला में स्थानीय स्कूलों से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया।



डी-वीडिंग मशीन का विकास

संस्थान के एनएसएस स्वयं सेवकों ने स्थानीय किसानों से विचार कर धान की फसल हेतु डी-वीडिंग मशीन तैयार करने पर कार्य आरंभ किया। छात्रों ने परिसर के नजदीक के ग्रामीणों से इस परियोजना की आवश्यकताओं को जानने के लिए संपर्क किया और कार्य आरंभ किया।



नजदीकी गांव में स्वच्छ भारत गतिविधियां

छात्रों ने कैंपस के नजदीक की कॉलोनियों और गांव में स्वच्छता जागरूकता अभियानों तथा सफाई अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने न केवल सफाई की बल्कि स्थानीय लोगों को सफाई और स्वच्छता के महत्व के बारे में परस्पर संपर्क एवं नुक़द़ नाटकों के माध्यम से बताया।



पुनगुरु गांव में पौध रोपण अभियान

संस्थान के एनएसएस स्वयं सेवकों ने मार्च, 2019 में पुनगुरु और जनगपलापल गांव में एक पौध रोपण अभियान का आयोजन किया। उन्होंने पौधों की पशुओं से रक्षा करने के लिए संस्थान में उपलब्ध अपविष्ट पैकेजिंग सामग्री से प्लांट गार्ड बनाए।



9.4 छात्र कलब और गतिविधियां

छात्र कलब पाठ्य-पुस्तकों की सीमाओं से परे जीवन का विस्तार करने और शिक्षणेत्र विकास का संवर्धन करने के लिए इवेंटों का आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सत्र 2018-2019 के दौरान विभिन्न छात्र कलबों द्वारा कई इवेंटों का आयोजन किया गया।

एकटोमेनिया

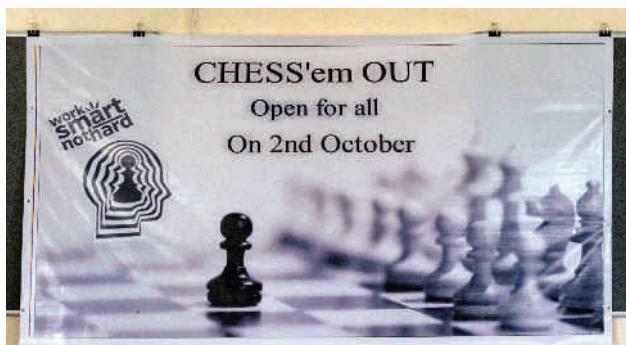
एकटोमेनिया दी द्वामा कलब छात्रों को उनकी स्टेज पर आशू कौशल और साथ ही उनके सृजनात्मक लेखन कौशल को उजागर करता है। समूचे शैक्षिक वर्ष में इस कलब ने ऐसे कई इवेंटों का आयोजन किया जिन्होंने छात्रों की भागीदारी का संवर्धन किया। प्रतिस्पर्धाएं जैसे कि डबस्मैश जहां प्रतिभागियों को किसी मूवी अथवा गाने के लिए संगीत के समकालीन अपनी आवाज को डब करना था; कई छात्रों ने समकालीन मुद्रों पर आधारित कहानियां लिखते हुए अपनी लेखन कौशल को निखारा। अन्य इवेंट जैसे कि मोनोलॉग, एक फ्रिज कैरिंथी द्वारा एक नाटक पर आधारित एक स्किट का प्रदर्शन भी किया गया।



एकटोमानिया ने फाल्स मूव नामक एक लघु फिल्म तैयार करने के लिए पीएफसी के साथ सहयोग किया जिसमें फिल्म निर्माण में उनकी कला सिद्ध हुई। इस कलब ने शिल्पारम्म, तिरुपति में अपने पहले नुक़द़ नाटक के जरिए तिरुत्सव के संवर्धन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

चतुरंग क्लब

चतुरंग क्लब, आईआईटी तिरुपति का शतरंज क्लब, अपनी कमियों को विशेषताओं में परिवर्तित करने में विश्वास रखता है। शतरंज क्लब के पीछे का विचार तार्किक विचारों संज्ञानात्मक योग्यताओं को गहन बनाना है। इस सेमेस्टर के प्रथम इवेंट चेस देम आउट एक वन-ऑन-वन प्रकार का स्विस मैच था जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी फिसर टाइम के बगैर 20 मिनट का समय प्राप्त करता है। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद क्रमशः ए सात्विक, माधवन और श्री चरण प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आएं। अंतर आईआईटी नियमों और विनियमों के अनुपालन में आयोजित एक अन्य इवेंट जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी को 45 मिनट का समय दिया जाता है, का आयोजन किया गया। दीप, ऋषिकेश, मनीष, सुमंत विजेता रहे।



आर्टिस्टा

कला क्लब जो पेंटिंग और स्केचिंग, क्राफ्ट में प्रतिभाओं की आवश्यकताओं को पूरा करता है, छात्रों के सृजनात्मक पक्ष को उजागर करता है। ग्लास/कैनवस पेंटिंग जैसे पारंपरिक फाइन आर्ट स्वरूपों के अतिरिक्त इस वर्ष छात्रों ने कला के प्रति अपना समर्पण प्रदर्शित करने के लिए वैक्स कार्विंग, चारकोल कला और दिया डेकोरेशन में भाग लिया। छात्रों ने आईआईटी रूडकी द्वारा आयोजित अंतर-आईआईटी सांस्कृतिक मीट में परिधान निर्माण, लाइव स्कैचिंग, चारकोल कला जैसे विभिन्न इवेंटों में भी भाग लिया।



फोटोग्राफी तथा फिल्म क्लब (पीएफसी)

आईआईटी तिरुपति का फोटोग्राफी एवं फिल्म क्लब गहन रूप से वर्ष भर इवेंटों का आयोजन करता है। मिनिमलीजम और शैडोज जैसे विषयों पर आधारित फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त इसने एक दीर्घ फोटोग्राफी गतिविधि और एक सिंगल कलर फोटोग्राफी का भी आयोजन किया। इस क्लब ने ''फाल्स मूव,'' ''इटू द ड्रीम'' विषयों पर लघु फिल्म बनाने के लिए ड्रामा क्लब एकटोमानिया के साथ सफलतापूर्वक सहयोग किया।



एकटोमेनिया के साथ पीएफसी ने एशिया में सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धाओं में से एक 48-घंटे फिल्म निर्माण प्रतिस्पर्धा के लिए एक फिल्म शीर्षक "ए मेंस लीगेसी वर्सज़ लाइव" भी बनाई।

कलब अभिमुखी इन सभी गतिविधियों के अतिरिक्त पीएफसी ने विभिन्न इवेंटों, विशेष वार्ताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों इत्यादि में अनगिनत भावनाओं, कार्यवाहियों को संजोया।



सरगम

आईआईटी तिरुपति के संगीत कलब ने छात्रों को कर्नाटिक संगीत में प्रशिक्षित करने के लिए एक नए शिक्षक को प्रस्तुत करके प्रोत्साहित किया। सरगम ने संगीत थ्योरी और सिंथेसाइजर के संबंध में एक प्रायोगिक कार्यशाला का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया। कलब के सदस्यों ने वर्ष भर के इवेंटों जैसे कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और संस्थान दिवस में भाग लिया।



एक्साइट

एक्साइट, नृत्य कलब का उद्देश्य छात्रों को नृत्य के कौशलों और उनके वैयक्तिक विकास में नृत्य के मूल्यों से परिचित करवाना है। कलब में 40 से अधिक सक्रिय सदस्य हैं। ये सदस्य हिप-हॉप, फ्री-स्टाइल, बॉलीवुड, लोक नृत्य, पॉपिंग तथा अन्य जैसे विभिन्न नृत्य स्वरूपों में प्रदर्शन करते हैं। पहली बार कलब ने एक ऑनलाइन नृत्य प्रतियोगिता स्टेप इट अप का आयोजन किया। सांस्कृतिक उत्सव तिरुत्सव का संवर्धन करने के लिए सदस्यों और कलब समन्वयकों ने शहर में फ्लैश मॉब में प्रदर्शन किया।



अरण्य

अरण्य, ट्रैकिंग कलब छात्रों में साहसिक भावना समाहित करता है। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रैक आयोजित किए जाते हैं। पूर्वी घाटों से घिरे तिरुपति में ट्रैकिंग के लिए उपयुक्त कई स्थान हैं। अरण्य कलब में सेमेस्टर के लिए अपने प्रथम ट्रैक



में छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों सहित 150 से अधिक प्रतिभागी थे। तदंतर, टाडा फॉल्स और सदाशिवकोना फॉल्स में दो अन्य ट्रैकों का आयोजन किया गया। कलब के समन्वयकों ने ट्रैक के अनुवर्ती के रूप में एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता आरंभ की।



कोडिंग कलब

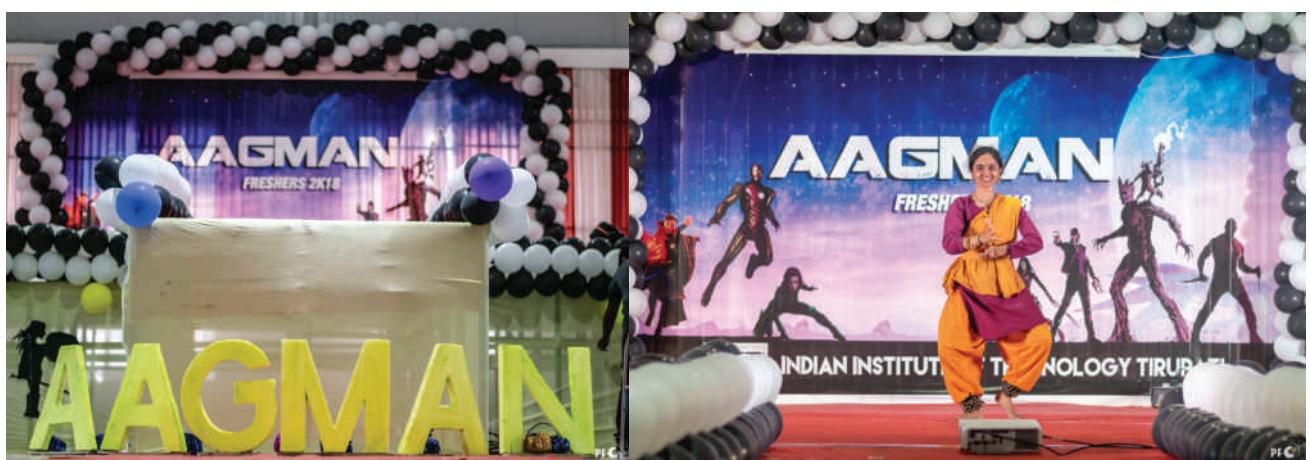
इस वर्ष कोडिंग कलब का मुख्य ध्यान प्रतियोगी कोडिंग पर केंद्रित था। इस शैक्षिक वर्ष में कई इवेंटों, गतिविधियों का आयोजन किया गया। नए छात्रों को संस्थान की कोडिंग संस्कृति को समझने में सहायता प्रदान करने के लिए एक कोडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सी++, इथिकल हैंकिंग संबंधी कार्यशाला में सभी विषयों के छात्रों की भागीदारी देखी गई। आईआईटी तिरुपति गूगल डीएससी (डेवलोपर स्टूडेंट कलब) का सक्रिय सदस्य बना। गूगल डीएससी का मुख्य उद्देश्य एप्लीकेशन डेवलपमेंट था जिसके लिए 8 घंटे प्रति सत्र की 6 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। यह वर्ष एप्लीकेशन डेवलपमेंट संबंधी एक ग्रीष्म परियोजना के साथ संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त, एसीएम छात्र अध्याय ने प्रोन्नत प्रोग्रामिंग भाषा कार्यशालाओं का आयोजन किया। कोडिंग कलब की एक सहायक ईकाई रोबोटिक कलब ने नए छात्रों के लिए और आरड्यूनो कार्यशाला से परिचय का आयोजन किया और उनकी विभिन्न परियोजनाओं में सहायता की जो कि छात्रों द्वारा मुख्यतः उनकी प्रथम और द्वितीय वर्ष में की जाती है।

क्रिज कलब

क्रिज कलब छात्रों को और अधिक सीखने, अधिक जानकारी प्राप्त करने और प्राप्त की गई जानकारी का प्रसार करने में प्रोत्साहित करने के लिए छात्रों के बीच उत्सुकता और ज्ञान में वृद्धि करता है। अनौपचारिक इवेंटों के अतिरिक्त क्रिज कलब ने इस शैक्षिक वर्ष से अपनी गतिविधियां स्वतंत्र कलब के रूप में संचालित की जानी आरंभ की। स्वतंत्रता दिवस और वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव-तिरुत्सव के दौरान क्रिज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

फ्रेशर्स नाइट

संस्थान में नव आगंतुकों का सीनियर छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं जैसे कि टग ऑफ वॉर, बॉक्स क्रिकेट, किलप्सलाम और मेमे चुनौती के साथ स्वागत किया गया। फ्रेशर नाइट ''आगमन'' का इस प्रकार से आयोजन किया गया कि इसमें ठहाकों, भावनाओं और मनोरंजन का का बराबर हिस्सा हो। दो फ्रेश मैन, क्रमशः एक लड़के और एक लड़की मिस्टर फ्रेशर और मि. फ्रेशर के रूप में चयन किया गया जिससे इस इवेंट का समापन हुआ।



अन्य गतिविधियां

संस्थान बहु संस्कृतियों और हाईब्रिडिटी का स्थल है जिसे पारंपरिक डांडिया नाइट के साथ आयोजित पहले इथनिक नाइट और सांस्कृतिक नाइट द्वारा चिह्नित किया गया। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय इवेंटों के अतिरिक्त छात्रों में धार्मिक भावनाओं के समावेशन हेतु गणेश चतुर्थी का आयोजन किया गया। रंगीन पतंगों को उड़ाते हुए और अलाव जलाते हुए संक्रांति का उत्सव मनाया गया।



9.5 खेल गतिविधियां

खेल परिषद् विभिन्न खेल गतिविधियों के समन्वय और संचालन का केंद्र है। आईआईटी तिरुपति अपनी खेल गतिविधियों में पीछे नहीं है। इस अवधि के दौरान, दो मुख्य खेल इवेंटों का आयोजन किया गया: अंतर-आईआईटी और अंतरा-आईआईटी।

7 के फन रन

आईआईटी तिरुपति के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने स्थायी परिसर के स्थल पर 12 अगस्त, 2018 को 7 के फन रन में भाग लिया। वास्तविक रूप से यह दौड़ आईआईटी तिरुपति परिवार के सदस्यों के लिए मनोरंजक थी। इस दौड़ का वास्तव में आयोजन संस्थान के नए छात्रों को स्थायी परिसर स्थल से परिचित करवाने के लिए किया गया था।



जिमखाना क्लब स्पोर्ट्स मीट

जिमखाना क्लब ने फरवरी से अप्रैल, 2019 तक आंतरिक खेल मीट का आयोजन किया। छात्रों को चार हाउस नामतः टाइटंस, मेवेरिक्स, वारियर और डायनामाइट में बांटा गया। पुरुषों और महिलाओं के लिए विभिन्न खेलों और इवेंटों का आयोजन किया गया जैसे कि बैंडमिंटन, बॉस्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, थ्रो बॉल और एथलेटिक्स। अंत में मेवेरिक्स हाउस ने

समग्र चैंपियनशिप जीती। बी. नितीश कुमार (अंतिम वर्ष मैकेनिकल) और एस. स्पंदन (द्वितीय वर्ष, सिविल) को क्रमशः पुरुषों और महिलाओं में सर्वोत्तम एथलीट घोषित किया गया।

53वीं अंतर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट

आईआईटी तिरुपति के छात्र दस्ते ने 14-21 दिसंबर, 2018 तक आईआईटी गुवाहाटी में 53वीं अंतर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट में भाग लिया। संस्थान की महिला प्रतिभागियों की संख्या किसी भी अन्य आईआईटी (41 प्रतिभागियों में 9) से अधिक थी। एथलेटिक्स के अतिरिक्त आईआईटी तिरुपति के छात्रों ने क्रिकेट, बैंडमिंटन और बॉस्केटबॉल (पुरुष और महिला) में भाग लिया। इनमें से उल्लेखनीय संगुला स्पंदन (द्वितीय वर्ष सिविल इंजीनियरिंग) रही जिन्होंने 1.20 मीटर की जंप के साथ महिला हाई जंप इवेंट में चौथा स्थान प्राप्त किया।



25वीं अंतर-आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट

आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों ने 24-28 दिसंबर, 2018 तक आईआईटी गुवाहाटी में 25वीं अंतर-आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट के विभिन्न खेल आयोजनों में भाग लिया।

जीसीयू-मार्गदर्शन और परामर्श ईकाई

मार्गदर्शन और परामर्श ईकाई जिसे सारथी के रूप में भी जाना जाता है, एक महत्वपूर्ण छात्र निकाय हैं जो संस्थान के मानसिक स्वास्थ्य में सहायता प्रदान करती हैं। इस ईकाई ने छात्रों के भावनात्मक कल्याण की देखभाल के लिए कई इवेंटों का आयोजन किया। स्टार्टअप ''योर दोस्त'' के सहयोग से जीसीयू ने संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया और साथ ही फ्रेशमेन के लिए अभिमुखी सत्र का आयोजन किया। सारथी ने संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच एक संपर्क दिवस, संलाप का भी आयोजन किया। कई अन्य इवेंटों का भी आयोजन किया गया जैसे कि 15 दिवसीय योग कार्यशाला, 5 दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग कार्यशाला और मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य अभियान।





भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति
Indian Institute of Technology Tirupati
Renigunta Road, Tirupati-517506, A.P.

www.iittp.ac.in